@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 6 दिसंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 26 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की महान शहादत को

कोटि-कोटि नमन

देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के नए सीएम के तौर पर शपथ ली

सिम्मी कौर बब्बर

मुंबई, 5 दिसंबर। वरिष्ठ भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार शाम को महाराष्ट्र के नए सीएम के तौर पर शपथ ली। उन्होंने शपथ ग्रहण करने के दौरान सबसे पहले बोला मी देवेंद्र सरिता गंगाधरराव फडणवीस ईश्वर साक्ष शपथ घेतो....। शपथ ग्रहण के दौरान भी उन्होंने अपने नाम के साथ अपनी मां का नाम जोड़ा। फडणवीस को महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने शपथ दिलाई। सरिता उनकी मां हैं और गंगाधर राव उनके पिता का नाम है। ऐसा पहली बार हुआ जब भाजपा नेता ने आधिकारिक तौर पर अपनी मां का नाम लिया। समारोह के कार्ड में भी फडणवीस के नाम के साथ उनकी मां का नाम लिखा गया था। महाराष्ट्र में अधिकांश लोग स्थानीय मान्यता के मुताबिक अपने नाम के बीच में पिता का नाम लिखते हैं। मगर देवेंद्र फडणवीस के शपथ ग्रहण समारोह के कार्ड के उनके नाम के बीच में मां का नाम लिखे होने को लेकर चर्चा का आलम है। देवेंद्र फडणवीस ने तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इससे पहले उन्होंने 2014 और 2019 में भी शपथ ली थी। मगर उन्होंने तब अपनी मां का नाम शामिल नहीं किया था। इस बार विधानसभा चुनाव के दौरान दाखिल किए गए शपथ पत्र में भी उन्होंने अपना नाम देवेंद्र गंगाधरराव फडणवीस लिखा था। समारोह के कार्ड में भी फडणवीस के नाम के साथ उनकी मां का नाम लिखा गया था। इसमें उनका पूरा नाम देवेंद्र सरिता गंगाधरराव फडणवीस लिखा था। 54 साल के देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र भाजपा के सबसे ब? नेता हैं। वह एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महायुति सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे हैं। देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। 22 जुलाई 1970 को नागपुर में एक मध्यमवर्गीय महाराष्ट्रीयन परिवार में देवेंद्र फडणवीस का जन्म हुआ था। उनके माता-पिता काफी प्रतिष्ठित थे, जो सार्वजनिक सेवा और सामाजिक सक्रियता में सक्रिय रूप से शामिल थे। देवेंद्र के पिता गंगाधरराव फडणवीस जनसंघ के सदस्य थे और वह नागपुर से महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य भी रहे। आपातकाल के दौर में जब देश भर में विरोधी नेताओं को जेल में डाला गया तो उनमें से एक देवेंद्र के पिता गंगाधरराव भी थे। गंगाधरराव को एक विरोध रैली के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें लंबे समय तक जेल में रखा गया। उनके पिता की कैंसर से मौत हो गई थी। तब देवेंद्र 16 साल के थे। उनकी माता सरिता फडणवीस अमरावती के प्रतिष्ठित कालोटी परिवार से ताल्लुक रखती हैं। वे विदर्भ हाउसिंग क्रेडिट सोसाइटी की पूर्व निदेशक रह चुकी हैं। चुनाव में जीत के बाद भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस की मां सरिता फडणवीस ने कहा था कि उनका बेटा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पसंदीदा है और भाजपा में हर कोई चाहता है कि वह महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री बने। उनका बेटा चुनौतियों से पार पाना जानता है। पार्टी में हर कोई चाहता है कि वह अगला मुख्यमंत्री बने। यह स्पष्ट है कि अन्य लोग भी चाहते हैं कि वह यह भूमिका निभाए। वह वास्तव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पसंदीदा है, जो उसे अपना बेटा मानते हैं। उनके बेटे की अथक मेहनत और लोगों के प्यार ने उन्हें यह जीत दिलाई। पिछले दो वर्षों में विपक्ष की तरफ से उनके बेटे को निशाना बनाए जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, यही कारण है कि उन्होंने खुद को आधुनिक समय का अभिमन्यु बताया। वह जानते हैं कि चुनौतियों का सामना कैसे करना है।

सुधरने लगी दिल्ली-एनसीआर की आबोहवा: सुप्रीम कोर्ट

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 5 दिसंबर। पिछले कई महीने से खतरनाक स्तर पर चल रही दिल्ली एनसीआर की आबोहवा सुधरने लगी है। इसके चलते सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में लागू किए गए ग्रैप 4 के कुछ प्रतिबंधों में छूट की अनुमति दी है। सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से कहा कि वह ग्रैप 2 से नीचे प्रतिबंधों में ढील न दे। साथ ही ग्रैप 3 में कुछ उपायों को जोड़ने पर भी विचार करे। 18 नवंबर को शीर्ष अदालत ने सभी दिल्ली-एनसीआर राज्यों को प्रदूषण विरोधी ग्रैप 4 प्रतिबंधों को सख्ती से लागू करने के लिए तुरंत टीमें गठित करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने साफ किया था कि प्रतिबंध अगले आदेश तक जारी रहेंगे। राजधानी में हवा की दिशा बदलने और गति तेज होने से वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में पहुंच गई है। लोगों ने लंबे समय बाद इस श्रेणी की हवा में सांस ली है। इससे आसमान भी

बिल्कुल साफ रहा। जिससे लोगों को प्रदूषित हवा से लगभग दो महीने बाद राहत मिली है। बुधवार को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 178 रहा, जोकि मध्यम श्रेणी में है। यह मंगलवार के मुकाबले 100 सूचकांक की कम है। इससे पहले 10 अक्तूबर को एक्यूआई 164 दर्ज किया गया था। इसके बाद सर्दी के दस्तक देने के साथ ही हवा की स्थिति बिगड़ती गई। एक्यूआई 0 ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) को पहली बार 2017 में लागू किया गया था।

राष्ट्रपति पुतिन ने की पीएम मोदी और मेक इन इंडिया की सराहना

नई दिल्ली, 5 दिसंबर। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार की लघु एवं मध्यम आकार के उद्यमों (एसएमई) के लिए स्थिर परिस्थितियां बनाने के लिए सराहना की और भारत में रूसी मैन्यूफैक्चरिंग साइट स्थापित करने की पेशकश की। बुधवार को मॉस्को में 15वें वीटीबी निवेश फोरम में बोलते हुए राष्ट्रपति पुतिन ने बाजार से बाहर हो चुके पश्चिमी ब्रांडों की जगह नए रूसी ब्रांडों के उदय का भी उल्लेख किया, उन्होंने उपभोक्ता वस्तुओं, आईटी, उच्च तकनीक और कृषि जैसे क्षेत्रों में स्थानीय रूसी निर्माताओं की सफलता का उल्लेख किया। इस दौरान उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि रूस का आयात प्रतिस्थापन कार्यक्रम भारत की मेक इन इंडिया पहल के समान है और कहा कि भारत का नेतृत्व अपने हितों को प्राथमिकता देने की नीति पर केंद्रित है। उन्होंने भारत में रूसी मैन्यूफैक्चरिंग साइट स्थापित करने की भी पेशकश की। पुतिन ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी का भी ऐसा ही एक कार्यक्रम मेक इन इंडिया है। यह हमारे कार्यक्रम से काफी मिलता-जुलता है।

बीआरएस नेता हरीश राव को अपने साथ जबरन ले गई पुलिस

हैदराबाद, 5 दिसंबर। तेलंगाना के हैदराबाद में गुरुवार सुबह पुलिस ने बीआरएस नेता हरीश राव को गिरफ्तार कर लिया। बीआरएस नेता को हिरासत में लेने के दौरान खूब धक्का मुक्की भी हुई। हरीश राव को हैदराबाद के गाचीबाउली पुलिस स्टेशन ले जाया गया। वहीं इस पर बीआरएस पार्टी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के नेता दासोजु सरवन कुमार ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि हरीश राव को इस तरह से गैरकानूनी तरीके से हिरासत में लेना बेहद निंदनीय है। बीआरएस नेता ने हरीश राव को हिरासत में लेने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हरीश राव को फोन टैपिंग मामले में गिरफ्तार किया गया है। हरीश राव तेलंगाना की पूर्व की केसीआर सरकार में मंत्री थे। साथ ही वे पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव के रिश्तेदार भी हैं। हरीश राव को गिरफ्तार कर जब गाचीबाउली पुलिस स्टेशन ले जाया गया तो वहां बीआरएस विधायक कौशिक रेड्डी भी पहुंच गए। कौशिक रेड्डी की पुलिसकर्मियों से बहस हो गई, जिसके बाद विधायक को भी सरकारी कामकाज में दखल देने के आरोप में हिरासत में ले लिया गया। फोन टैपिंग मामले में बीती एक दिसंबर को एक एफआईआर दर्ज की गई थी। यह शिकायत जी चक्रधर गौड़ नामक रियल एस्टेट डीलर ने दर्ज कराई थी। इस शिकायत में डीलर ने बताया कि वह किसानों के हितों के लिए काम करता है और सिद्दीपेट इलाके में किसानों के बीच उसकी खासी लोकप्रियता है। इसी बात से नाराज होकर हरीश राव के साथ उसकी राजनीतिक प्रतिद्वंदिता हो गई है।

मोदी-अदाणी एक हैं लिखी जैकेट पहनकर विरोध करने पहुंचे राहुल-प्रियंका

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 5 दिसंबर। पिछले कुछ दिनों से सड़क से लेकर संसद तक अदाणी से जुड़ा मुद्दा सुर्खियों में है। इसे लेकर सियासी गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी जारी है। संसद में विपक्षी दलों के नेता लगातार अदाणी मुद्दे को लेकर सरकार पर सवाल उठा रहे हैं और जांच की मांग की जा रही है। आज एक बार फिर विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी सहित विपक्ष के अन्य नेता शामिल हुए। सभी ने जैकेट पहन रखी थी। इस पर लिखा था अदाणी और मोदी एक हैं। विपक्ष अरबपति गौतम अदाणी के खिलाफ आरोपों की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की मांग कर रहा है, जिन्हें अमेरिकी अभियोजकों ने रिश्वत धोखाधड़ी के आरोपों में दोषी ठहराया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और उनकी सांसद बहन प्रियंका गांधी सहित विपक्षी सांसदों ने गुरुवार को संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान अदाणी मुद्दे पर प्रदर्शन करने के लिए स्पेशल जैकेट पहने नजर आए, जिस पर पीछे की तरफ लिखा है, मोदी अदाणी एक है, अदाणी सेफ है। जहां एक तरफ

विरोध करने वाले सांसद जैकेट पहने नजर आए, तो वहीं राहुल गांधी अलग ही अंदाज में नजर आए। राहुल हमेशा की तरह सफेद टी-शर्ट पहनकर संसद पहुंचे, लेकिन टी-शर्ट के पीछे की तरफ वही स्लोगन लिखा नजर आया, जो अन्य नेताओं की जैकेट पर लिखा था। कांग्रेस की अगुवाई वाले इस प्रदर्शन में सपा के साथ तृणमूल कांग्रेस भी शामिल नहीं हुई। संसद परिसर में मीडिया से बातचीत में राहुल गांधी ने कहा कि मोदी जी अदाणी की जांच नहीं करा सकते क्योंकि यदि वह ऐसा कराते हैं तो उनकी भी जांच होगी। मोदी और अदाणी एक हैं। दो नहीं एक हैं। कई इंडिया ब्लॉक पार्टियों के नेताओं ने अदाणी अभियोग मुद्दे पर संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और मामले की संयुक्त संसदीय जांच (जेपीसी) का आह्वान किया। कांग्रेस, आप, आरजेडी, शिवसेना (यूबीटी), डीएमके और वामपंथी दलों के सांसदों ने अपनी मांग को लेकर जमकर नारे लगाए और संसद परिसर में मोदी-अदाणी एक हैं लिखे बैनर पकड़े। हालांकि, टीएमसी ने विपक्ष के विरोध प्रदर्शन से खुद को दूर रखा। कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा, 'अमेरिकी अदालत ने कह दिया है कि भारत में भ्रष्टाचार हुआ है, लेकिन सरकार संसद में चर्चा करने को तैयार नहीं हैं। अदाणी का नाम लेने पर हमारा मुंह बंद करा दिया जाता है। इसलिए हम विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।'

ठीक से काम नहीं किया तो बुलडोजर के नीचे डाल देंगे: गडकरी

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 5 दिसंबर। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को लोकसभा में अपने मंत्रालय से जुड़े कार्यों और सदस्यों के सवालों के जवाब दिए। इस दौरान गडकरी ने सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों पर रोष जाहिर किया। इतना ही नहीं, उन्होंने सड़क परियोजनाओं में कॉन्ट्रैक्टर्स की लापरवाही से लेकर टोल केंद्रों की संख्या को लेकर भी जवाब दिया। दरअसल, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के सांसद हनुमान बेनीवाल ने लोकसभा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे की खामिया गिनाईं थीं और 150 से ज्यादा लोगों की मौत की बात कही थी। नागौर से सांसद ने बताया था कि अकेले दौसा में ही 50 से ज्यादा लोगों की मौतें हुई हैं। उन्होंने एक्सप्रेस-वे पर लगाए गए ठेकेदारों और अफसरों पर कार्रवाई और जांच रिपोर्ट को लेकर केंद्रीय मंत्री से जानकारी मांगी थी। इस पर गडकरी ने कहा, यह देश का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे है और वैश्विक स्तर पर सबसे कम समय में बनाया गया है। इसकी कीमत एक लाख करोड़ रुपये है। केंद्रीय मंत्री ने अपने जवाब में कहा कि लेयर में फर्क आया है, लेकिन मैटेरियल में बदमाशी नहीं हुई है। कुछ जगह पर लेयर जरूर दब गई है, जिसका पता चला। हमने इसको सुधारने के लिए कहा था, जिसे सुधारा गया है। जहां लेयर में फर्क आया है, उसके लिए 4 ठेकेदारों को हमने जिम्मेदार ठहराया और उनको नोटिस देकर कड़ी कार्रवाई

करेंगे। जो अधिकारी हैं, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। गडकरी ने कहा, अगर ऐसे क्वालिटी से जुड़ा खराब काम कॉन्ट्रैक्टर करता है तो वो छह महीने तक कोई टेंडर नहीं भर सकेगा। ऐसी नीति हमने बनाई है और अधिकारी जो हैं, उनको भी विशेष रूप से इसमें कार्रवाई कर के नौकरी से सस्पेंड करेंगे। पीएम मोदी के नेतृत्व में मेरे विभाग ने 50 लाख करोड़ के कार्य किए हैं। किसी भी कॉन्ट्रैक्टर को अपने कॉन्ट्रैक्ट के लिए मंत्रालय नहीं आना पड़ा। हम पारदर्शी हैं, समय सीमा को लेकर प्रतिबद्ध हैं और नतीजे चाहते हैं। मैं सार्वजनिक सभा में कह चुका हूं कि अगर कॉन्ट्रैक्टर काम नहीं करेगा तो बुलडोजर के नीचे उसको डलवा देंगे, याद रखना। इस साल देखो कॉन्ट्रैक्टर को कैसे ब्लैक लिस्ट करवाते हैं। इनको बिल्कुल ठोक पीट कर सीधा कर देंगे। हम किसी के साथ कॉम्प्रोमाइज नहीं करते हैं। गडकरी ने लोकसभा में सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि तमाम कोशिशों के बावजूद देश में सड़क हादसों की वजह से एक साल के अंदर 1.68 लाख लोगों की मौत हुई है। इन दुर्घटनाओं में मरने वालों में 60 फीसदी युवा थे। उन्होंने सदन में कहा कि यह स्थिति दुखद है और इसे रोकने के लिए समाज को सहयोग करना होगा। गडकरी ने कहा, ''दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि कोशिश करने के बावजूद एक साल में 1.68 लाख मौत हुई हैं। ये लोग दंगों में नहीं, सड़क हादसों में मारे गए।'' उन्होंने कहा कि मरने वालों में 60 फीसदी लड़के-लड़कियां थे।

कृषि क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने में मदद करें: राष्ट्रपति मुर्मू

भुवनेश्वर, 5 दिसंबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कृषि क्षेत्र के वैज्ञानिकों से ऐसी तकनीक विकसित करने और प्रसारित करने का आह्वान किया, जो कि प्राकृतिक आपदाओं, जलवायु परिवर्तन के भयानक प्रभावों और संसाधनों के अत्याधिक दोहन की समस्याओं से निपटने में मदद करे। राष्ट्रपति ने यह टिप्पणी ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के 40वें दीक्षांत समारोह में संबोधन के दौरान की। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से अपील की कि वह आगे आकर मृदा, पानी और पर्यावरण को जलवायु परिवर्तन से बचाने के लिए नए विचार लाएं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, कृषि वैज्ञानिकों के पास ऐसे मुद्दों से निपटने की अहम जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, रासायनिक फर्टिलाइजर्स और कीटनाशकों ने इस क्षेत्र के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। इनका मृदा, पानी और पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव हम सभी के लिए चिंता की बात है। युवा वैज्ञानिकों को इन समस्याओं का समाधान ढूंढना होगा। इस बीच राष्ट्रपति ने पिछले एक दशक में कृषि उत्पादन और इसके दूसरे देशों में निर्यात में सफलता को लेकर संतुष्टि जताई। उन्होंने कहा, यह हमारे कृषि वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन और किसानों के कठिन परिश्रम की वजह से संभव हुआ है।

निशिकांत दुबे के राहुल-प्रियंका का नाम लेकर लगाए आरोपों पर भड़की कांग्रेस: थरूर

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 5 दिसंबर। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के उस बयान पर बवाल शुरू हो गया है, जिसमें उन्होंने कांग्रेस और विपक्ष पर संसद, सरकार और अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने का आरोप लगाया था। कांग्रेस ने इसे लेकर भाजपा पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि जब अदाणी समूह के भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया जाता है तो अदाणी के एजेंट सदन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बारे में अपमाजनक बातें करते हैं। निशिकांत दुबे ने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर विदेशी संगठनों और लोगों के माध्यम से देश की संसद, सरकार और अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने की कोशिश करने फ कहा था कि भारत के चुनाव में हस्तक्षेप की कोशिश हो रही है। ये पहली बार हुआ, जब किसी सरकार ने देश के चुनाव में हस्तक्षेप की बात कही। नेता शशि थरूर ने कहा, जब निशिकांत दुबे ने अपमानजनक बयान दिया तो उन्होंने संसद के कम से कम 3 स्पष्ट नियमों का उल्लंघन किया- 1) आप लोगों पर अपमानजनक तरीके से हमला नहीं कर सकते, 2) आप बिना नोटिस दिए या पहले से लिखित में दिए किसी का नाम नहीं ले सकते और 3) आप किसी सांसद के संसदीय विशेषाधिकार का हनन नहीं कर सकते। उन्होंने इन तीनों नियमों का उल्लंघन किया, लेकिन फिर भी उन्हें बोलने दिया गया। थरूर ने कहा, हमने स्पीकर से कहा कि इसे हटा दिया जाना चाहिए और उन्हें माफी मांगनी चाहिए। फिर भी ऐसा नहीं हुआ... हमने विरोध किया और फिर सदन की

कार्यवाही स्थगित हो गई। यह संसदीय समय, हमारा समय, हमारे करदाताओं का समय बर्बाद करना है। दूसरी तरफ कांग्रेस नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर उनसे यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया कि निशिकांत दुबे अपने शब्द वापस लें और माफी मांगें। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के खिलाफ अपमानजनक शब्दों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। वेणुगोपाल ने कहा, ''सबसे दुर्भाग्यपूर्ण घटना लोकसभा में हुई जब पूरी कांग्रेस पार्टी, विपक्ष के नेता राहुल गांधी को संभल यात्रा से रोके जाने का मुद्दा उठा रही थी, तब लोकसभा अध्यक्ष ने निशिकांत दुबे को शून्यकाल में बोलने की अनुमति दी। इस दौरान राहुल गांधी और वायनाड से लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी के साथ पूरी कांग्रेस पार्टी के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जो अस्वीकार्य है।'' उन्होंने दावा किया, ''जब भी हम अदाणी के भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते हैं, तो वे (भाजपा) विपक्ष और कांग्रेस पार्टी को गाली देने पर उतर आते हैं। अदाणी के एजेंट को केवल एक ही काम दिया गया है कि भ्रष्टाचार को उजागर करने वालों को बदनाम करो और उनके साथ दुर्व्यवहार करो।'' वेणुगोपाल ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अदाणी के एजेंट निशिकांत दुबे द्वारा नेता प्रतिपक्ष और प्रियंका गांधी के बारे में अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किए जाने को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इसरो ने प्रोबा-3 मिशन को सफलतापूर्वक किया प्रक्षेपित

श्रीहरिकोटा, 5 दिसंबर। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी-सी59 रॉकेट लॉन्च किया। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के प्रोबा-3 मिशन को लेकर इसने शाम 4.04 बजे उड़ान भरी। इसरो इस मिशन को बुधवार की शाम 4 बजकर 8 मिनट पर लॉन्च करने वाला था, लेकिन प्रोपल्शन सिस्टम में आई खराबी के कारण इसकी लॉन्चिंग को एक दिन के लिए टाल दिया गया था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए स्पेस एजेंसी ने कहा, पीएसएलवी- सी59 सफलतापूर्वक आसमान में उड़ गया। यह यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अभूतपूर्व प्रोबा-3 उपग्रहों को तैनात करने के लिए इसरो की तकनीकी विशेषज्ञता के साथ एमएसआईएल के नेतृत्व में एक वैश्विक मिशन की शुरुआत का प्रतीक है। यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग और भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों के तालमेल का जश्न मनाने वाला पल है। प्रोबा-3, यूरोपीय स्पेस एजेंसी (ईएसओ) के प्रोबा सीरीज का तीसरा सोलर मिशन है। खास बात ये है कि प्रोबा सीरीज के पहले मिशन को भी इसरो ने ही 2001 में लॉन्च किया था। प्रोबा-3 मिशन के लिए स्पेन, बेल्जियम, पोलैंड, इटली और स्विट्जरलैंड की टीमों ने काम किया है। इस पर करीब 20 करोड़ यूरो (करीब 1,778 करोड़ रुपये) का खर्च आया है। प्रोबा-3 (प्रोजेक्ट फॉर ऑनबोर्ड आटोनॉमी) यान में एक डबल-सैटेलाइट शामिल है, जिसमें दो अंतरिक्ष यान सूर्य के बाहरी वायुमंडल के अध्ययन के लिए एक यान की तरह उड़ान भरेंगे। इसरो ने कहा कि प्रोबास एक लातिन शब्द है, जिसका अर्थ है चलो प्रयास करें। इसरो ने कहा कि मिशन का उद्देश्य सटीक संरचना उड़ान का प्रदर्शन करना है और दो अंतरिक्ष यान - कोरोनाग्राफ और ऑकुल्टर को एकसाथ प्रक्षेपित किया जाएगा प्रोबा-3 मिशन के जरिए वैज्ञानिक सूर्य के अंदरूनी और बाहरी कोरोना के बीच बने काले घेरे का अध्ययन करेंगे। सूर्य के कोरोना का तापमान 20 लाख डिग्री फेरनहाइट तक जाता है। किसी उपकरण की मदद से इसका अध्ययन करना मुमकिन नहीं होता है। प्रोबा-3 के दो सैटेलाइट कोरोनाग्राफ (310 किग्रा) और ऑकल्टर (240 किग्रा) मिलकर सूर्यग्रहण की नकल बनाएंगे। इससे सूर्य से निकलने वाली तीव्र रोशनी को रोका जा सकेगा और ऐसा करने से सूर्य के कोरोना का अध्ययन करना भी आसान हो जाएगा।

चीन में जमीन धंसी, 13 मजदूर लापता

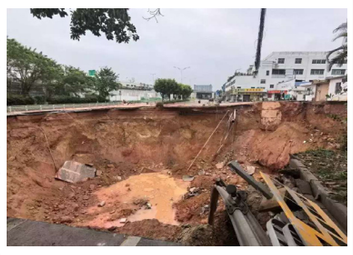

एजेंसी

बीजिंग। चीन के एक शहर में जमीन का बड़ा हिस्सा धंस जाने से 13 मजदूर लापता हो गए। यह हादसा दक्षिण चीन के गुआंगडोंग प्रांत के शेनझेन में हुआ। स्थानीय अधिकारियों ने आज कहा कि रात लगभग 11 बजे शेनझेन में रेलवे परियोजना के एक निर्माण स्थल पर अचानक जमीन का बड़ा हिस्सा धंस गया। इस हादसे में 13 लोग लापता हो गए। यह सभी मजदूर हैं। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी ने बाओआन जिले के आपातकालीन प्रबंधन ब्यूरो के हवाले से कहा कि यह हादसा शेनझेन-जियांगमेन रेलवे के एक खंड के निर्माण स्थल पर हुआ। राहत और बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। आसपास के निवासियों को हटा दिया गया है। हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

पाकिस्तान के कई शहरों में 5.1 तीव्रता का भूकंप

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के लाहौर, गुजरात और पंजाब के कई अन्य शहरों में आज भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.1 दर्ज की गई। लोग घबराकर अपने घरों और इमारतों से बाहर निकल आए।भूकंप के झटके झेलम, कमालिया, खानेवाल के साथ चिचावतनी, भलवाल, चिनिओट और हफीजाबाद सहित क्षेत्रों में महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र खारियन के पास 15 किलोमीटर की गहराई में मापा गया। पाकिस्तान मौसम विज्ञान केंद्र के महानिदेशक ने कहा, पंजाब के प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप से किसी भी तरह की जान-माल की हानि नहीं हुई है। प्रशासन सक्रिय रूप से इमारतों का निरीक्षण कर रहा है।

दक्षिण कोरिया मार्शल लॉ विवादः रक्षा मंत्री का इस्तीफा स्वीकार, रिटायर्ड आर्मी जनरल लेंगे उनकी जगह

सोल । दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सूक योल ने रक्षा मंत्री किम योंग-ह्यून का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। राष्ट्रपति कार्यालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। देश में मार्शल लॉ लागू होने में उनकी कथित भूमिका को लेकर बढ़ते विवाद के बीच यह इस्तीफा हुआ है। बता दें राष्ट्रपति यून सुक-योल ने देश में मंगलवार रात मॉर्शल लॉ लगाने की घोषणा की थी। हालांकि बुधवार सुबह उन्हें अपना फैसला पलटना पड़ा। मार्शल लॉ कुछ ही घंटे तक लागू रहा। आरोप है कि किम ने कथित तौर पर मार्शल लॉ घोषित करने का प्रस्ताव रखा था। उनके इस्तीफे की मांग विपक्षी ही नहीं बल्कि सत्तारूढ़ पार्टी की तरफ से भी गई। यून के चीफ ऑफ स्टाफ चुंग जिन-सुक ने एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि राष्ट्रपति ने किम के उत्तराधिकारी के रूप में चोई ब्युंग-हुक को नामित किया, जो एक रिटायर्ड फोर स्टार आर्मी जनरल हैं और वर्तमान में सऊदी अरब में दक्षिण कोरिया के राजदूत के रूप में कार्यरत हैं। इससे पहले दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री किम योंग-ह्यून ने माफी मांगी और इस्तीफे की पेशकश की। किम ने एक बयान में कहा, मैंने इमरजेंसी मार्शल लॉ की वजह से पैदा हुई उथल-पुथल की जिम्मेदारी लेते हुए राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश

सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर शाम करीब सात बजे मतदान होगा। कोरिया की मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने गुरुवार को कहा कि इसी के साथ प्रथम महिला किम केओन ही की स्वतंत्र जांच शुरू करने के विधेयक पर भी मतदान किया जाएगा। पूर्ण सत्र की अध्यक्षता नेशनल असेंबली के अध्यक्ष वू वोन-शिक ने की। द कोरिया हेराल्ड समाचार पत्र के अनुसार, डेमोक्रेटिक पार्टी और पांच अन्य छोटे विपक्षी दलों ने गुरुवार को लगभग 12:50 बजे शुरू हुए नेशनल असेंबली के पूर्ण सत्र में राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाने का प्रस्ताव पेश किया। इससे पहले नेशनल असेंबली ने लगभग एक बजे सर्वसम्मति से वोट के माध्यम से येओल की आपातकालीन मार्शल लॉ की घोषणा को रद्द कर दिया था। महाभियोग प्रस्ताव पर 191 विपक्षी सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी ने पूर्ण बैठक का बहिष्कार किया।उल्लेखनीय है कि दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल ने महज छह घंटे बाद कल तड़के आपातकालीन मार्शल लॉ को हटाने की घोषणा की। नेशनल असेंबली में आपातकालीन मार्शल लॉ के खिलाफ हुए मतदान के बाद उन्होंने यह फैसला लिया था। येओल के इस फैसले के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर आए थे। दक्षिण कोरिया की मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने कहा था कि वह राष्ट्रपति यूं सुक येओल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाएगी। इसे गुरुवार को होने वाले पूर्ण सत्र में पेश किया जाएगा।द कोरिया हेराल्ड समाचार पत्र ने देश के इस राजनीतिक घटनाक्रम पर कल विस्तार से खबर दी। इसमें कहा गया कि राष्ट्रपति येओल ने छह घंटे की अराजकता के बाद आपातकालीन मार्शल लॉ समाप्त करने की घोषणा की।

सीरियाई सेना ने विद्रोहियों के खिलाफ तेज की लड़ाई, 300 आतंकवादियों को मार गिराया

एजेंसी

दमिश्क । सीरियाई सेना ने विद्रोही गुटों, मुख्य रूप से हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के खिलाफ मध्य प्रांत हामा में भीषण लड़ाई लड़ी, जिसमें कम से कम 300 आतंकवादी मारे गए। सीरियाई रक्षा मंत्रालय ने यह दावा किया। समाचार एजेंसी के अनुसार मंत्रालय ने कहा कि उत्तरी ग्रामीण हामा में फ्रंट लाइन पर तैनात सीरियाई सेना की यूनिट एचटीएस से संबद्ध सशस्त्र आतंकवादी संगठनों के खिलाफ लड़ाई लड़ रही हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, हमारे सुरक्षा बल सभी दिशाओं में आतंकवादियों और उनके काफिलों को तोपखाने, रॉकेट और सीरियाई-रूसी युद्धक विमानों से निशाना बना रहे हैं। बयान के मुताबिक, इन अभियानों के परिणामस्वरूप विदेशी नागरिकों सहित कम से कम 300 आतंकवादियों का सफाया हो गया और 25 से अधिक ड्रोनों को मार गिराया गया है।÷ इसमें यह भी कहा

गया कि अग्रिम मोर्चे को मजबूत करने। विद्रोहियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए अतिरिक्त बल भेजे गए हैं। सीरियन ऑब्ज़र्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के निदेशक रामी अब्दुलरहमान ने कहा कि एचटीएस और उसके सहयोगी गुट तीन मोर्चों - उत्तर, उत्तर-पूर्व और पश्चिम - से आगे बढ़ रहे हैं और हामा शहर तक पहुँचने की कोशिश कर रहे हैं। अब्दुल रहमान ने कहा, हमा एक निर्णायक लड़ाई है; इसीलिए सोशल मीडिया पर एक मीडिया अभियान चलाया जा रहा है। हामा और अन्य क्षेत्रों में हाल ही में संघर्ष बढ़ गया है। हयात तहरीर अल-शाम और उसके सहयोगी विद्रोही गुटों की ओर से पिछले दिनों एक बड़ा ऑपरेशन शुरू किया गया जिसके बाद से विद्रोही गुटों और सरकारी बलों में लड़ाई जारी है। एचटीएस को सीरियाई विद्रोही गुटों में सबसे शक्तिशाली सैन्य गुट माना जाता है। इसे कई देशों द्वारा आतंकवादी समूह घोषित किया गया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने हाल ही में सीरिया में बढ़ी हिंसा पर चिंता जाहिर की और सभी पक्षों तत्काल दुश्मनी खत्म करने की अपील की। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने सभी पक्षों को मानवीय कानून सहित अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत उनकी जिम्मेदारियों की याद दिलाई। यूएन प्रमुख ने सभी पक्षों से सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2254 (2015) के अनुरूप संयुक्त राष्ट्र द्वारा संचालित राजनीतिक प्रक्रिया की ओर तत्काल लौटने की अपील की।

सीरिया में विद्रोह के बीच हयात तहरीर अल-शाम के लड़ाकों का हामा के ग्रामीण क्षेत्र के बड़े हिस्से पर नियंत्रण

एजेंसी

दमिश्क। सीरिया में विद्रोह के बीच अब अल-कायदा समर्थित आतंकवादी समूह हयात तहरीर अल-शाम के लड़ाकों ने हामा गवर्नरेट के ग्रामीण क्षेत्र के बड़े हिस्से में नियंत्रण कर लिया।

इससे पहले लड़ाके सीरिया के महत्वपूर्ण अलेप्पो गवर्नरेट और इदलिब पर नियंत्रण की घोषणा कर चुके हैं।अरबी न्यूज वेबसाइट 963+ के अनुसार, हयात तहरीर अल-शाम के लड़ाकों ने कई स्थानों पर सरकारी सुरक्षा बलों को पीछे लौटने पर विवश कर दिया। हामा मध्य सीरिया का रणनीतिक शहर है। यह अलेप्पो को दमिश्क से जोड़ता है। इसका क्षेत्रफल अनुमानित 9,000 वर्ग किलोमीटर है। इसके पतन का मतलब है कि सीरिया एक बड़ा भौगोलिक क्षेत्र हयात तहरीर अल-शाम के नियंत्रण में आ जाएगा। एक स्थानीय सूत्र ने 963+ को बताया कि लड़ाकों और सशस्त्र विपक्षी गुटों ने उत्तरी और पूर्वी हामा ग्रामीण इलाकों के दर्जनों गांवों पर नियंत्रण कर लिया है। अब उत्तरी, पूर्वी और पश्चिमी हामा पर नियंत्रण के लिए संघर्ष चल रहा है। इस बीच, सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि सीरिया के सरकारी बलों के जवाबी हमले के बाद हामा शहर के पास माउंट जैन अल-अबिदीन को लड़ाकों से मुक्त करा लिया गया।अम्मान के सैन्य और रणनीतिक विशेषज्ञ निदाल अबू जैद का कहना है कि हामा पर नियंत्रण के बाद राजधानी दमिश्क एक तरह से घिर जाएगी। इस बीच उत्तरी सीरिया में बढ़ते तनाव को देखते हुए इराक ने सीरिया के साथ अपनी सीमाओं पर सुरक्षा कड़ी कर दी है।

चोई ब्युंग-ह्युक दक्षिण कोरिया के नये रक्षा मंत्री नियुक्त

एजेंसी

सोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल ने रक्षा मंत्री किम योंग-ह्यून का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और सऊदी अरब में सोल के राजदूत चोई ब्युंग-ह्युक को नया रक्षा मंत्री नियुक्त किया है।

योनहाप समाचार एजेंसी ने गुरुवार को बताया कि राष्ट्रपति ने सऊदी अरब में सोल के राजदूत चोई ब्युंग-ह्युक को दक्षिण कोरिया का नया रक्षा मंत्री नियुक्त किया है। श्री किम ने नागरिकों से माफ़ी मांगी और घोषणा की कि उन्होंने देश में हाल ही में हुए घटनाक्रमों के मद्देनजर राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया है।

भारत में निवेश करना लाभदायक: पीएम मोदी की 'मेक इन इंडिया' पहल की राष्ट्रपति पुतिन ने की तारीफ

एजेंसी

मॉस्को । राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'इंडिया फर्स्ट' पॉलिसी और 'मेक इन इंडिया' पहल जमकर तारीफ की। उन्होंने भारत में मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशन स्थापित करने की रूस की इच्छा व्यक्त की।

मॉस्को में 15वें 'वीटीबी रशिया कॉलिंग इनवेस्टमेंट फोरम' को संबोधित करते हुए प्रेसिडेंट पुतिन ने रूस के 'इंपोर्ट सब्सीट्यूशन प्रोग्राम' और भारत की 'मेक इन इंडिया' पहल के बीच समानताएं बताईं। दो दिवसीय फोरम की शुरुआत मॉस्को में हुई रूसी राष्ट्रपति ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी के पास भी 'मेक इन इंडिया' नामक एक ऐसा ही प्रोग्राम है। हम भी भारत में अपना मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशन स्थापित करने के लिए तैयार हैं। प्रधानमंत्री

मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार देश को सर्वोपरि रखने की नीति के तहत स्थिर परिस्थितियां बना रही है। हमारा मानना है कि भारत में निवेश करना लाभदायक है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि रूसी तेल दिग्गज रोसनेफ्ट ने हाल ही में भारत में 20 अरब डॉलर का निवेश किया है। पुतिन ने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने और विदेशी निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से शुरू की गई 'मेक इन इंडिया' पहल ने ग्लोबल इकॉनोमी में भारत की स्थिति मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बता दें 2025 की शुरुआत में रूसी राष्ट्रपति भारत यात्रा पर आने वाले हैं। क्रेमलिन के सहायक यूरी उशाकोव ने पिछले दिनों कहा, 'आप जानते हैं कि हमारे नेताओं के बीच साल में एक बार एक-दूसरे से मिलने का समझौता है।

अब, 2025 में नई दिल्ली या भारत में किसी अन्य स्थान पर जाने की बारी हमारी है।यूरी उशाकोव ने कहा, 'इसके अलावा, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि पीएम मोदी का निमंत्रण मिल चुका है और निश्चित रूप से इस पर सकारात्मक रूप से विचार किया जाएगा। इसलिए, संभवतः, वर्ष की शुरुआत में हम तारीखें निर्धारित करेंगे।'

पाकिस्तान में छात्र संघ चुनाव पर प्रतिबंध को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती, कानून मंत्रालय, उच्च शिक्षा आयोग, प्रांतीय सरकारों को नोटिस

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में छात्र संघ चुनाव पर लगे प्रतिबंध को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट की छह जजों की संवैधानिक पीठ ने दशकों पुराने प्रतिबंध को चुनौती देने वाली दो याचिकाओं को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया। पीठ ने कानून मंत्रालय, उच्च शिक्षा आयोग (एचईसी) और प्रांतीय सरकारों को नोटिस जारी कर उन्हें अगली सुनवाई में अपने जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।डॉन समाचार पत्र के अनुसार, बैरिस्टर जफरुल्लाह खान और बैरिस्टर उमर इजाज गिलानी के माध्यम से आईजेटी ने दोनों याचिका दायर की हैं। इनमें एक याचिका एलयूएमएस के छात्र नेता हमजा ख्वाजा की है। याचिकाओं में कैंपस हिंसा पर अंकुश लगाने के बहाने छात्र राजनीति पर प्रतिबंध लगाने वाले 1993 के फैसले पर फिर से विचार करने का आग्रह किया गया। याचिकाओं में दावा किया कि छात्र राजनीति पर प्रतिबंध अनुच्छेद 17 के जरिए गारंटीकृत संघ बनाने के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन है। तर्क दिया गया है कि 1993 के

फैसले के बाद से संवैधानिक संशोधनों ने मतदान की आयु 21 से घटाकर 18 वर्ष कर दी है। एक छात्र, जो कानूनी रूप से वोट देने का हकदार है, को संघ बनाने या राजनीतिक संघ के अन्य रूपों में हिस्सा लेने से कैसे रोका जा सकता है। यह भी कहा गया है कि कैंपस राजनीति लोकतांत्रिक मूल्यों के पोषण और भविष्य के नेतृत्व को विकसित करने का माध्यम है। दलील दी गई है कि यह मामला सार्वजनिक महत्व का है, क्योंकि प्रतिबंध पूरे देश में छात्रों को प्रभावित करता है। इस बीच, संवैधानिक पीठ ने चुनाव अधिनियम 2017 में संशोधनों के पूर्वव्यापी कार्यान्वयन के लिए पीटीआई की चुनौतियों पर सुनवाई स्थगित कर दी।

फ्रांस में प्रधानमंत्री बर्नियर अविश्वास प्रस्ताव में हारे

एजेंसी

पेरिस। फ्रांस में प्रधानमंत्री मिशेल बर्नियर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद उनकी सरकार गिर गयी है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की ओर से नियुक्त किए जाने के तीन महीने बाद सांसदों ने उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का भारी समर्थन किया। अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के लिए 288 वोटों की जरूरत थी। जबकि प्रस्ताव के समर्थन में इससे काफी अधिक 331 वोट पड़े। विपक्षी दलों ने श्री बर्नियर द्वारा अपने विशेषाधिकारों का मनमाना प्रयोग करते हुए अपने बजट को बिना मतदान के पारित कराने को लेकर बाद सांसदों में उनके प्रति असंतोष व्याप्त हो गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 1962 के बाद से फ्रांस में ऐसा पहली बार हुआ है जब देश की सरकार अविश्वास प्रस्ताव में पराजित हो कर बेदखल हो गई है। राष्ट्रपति श्री मैक्रों ने साफ किया था कि बुधवार के मतदान का नतीजा चाहे जो भी हो, वह इस्तीफा नहीं देंगे।

लेकिन अब प्रधानमंत्री श्री बर्नियर को त्यागपत्र देना होगा। उन्होंने संसद में जो बजट बिना मतदान पारित कराया था, वह भी निरस्त हो गया है। राष्ट्रपति श्री मैक्रों द्वारा नया प्रधानमंत्री नामित किये तक श्री बार्नियर के कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में बने रहने की संभावना है।मीडिया रिपोर्टों के अनुसार सोमवार को सामाजिक सुरक्षा में सुधार संबंधी विधेयक को राष्ट्रपति के आदेश से लागू करने तथा संसद में उसके लिए पर्याप्त समर्थन हासिल करने में विफल रहने पर सदन में वामपंथी और धुर दक्षिणपंथी दोनों पक्षों के सांसदों ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। गौरतलब है कि संसदीय चुनावों में सबसे ज़्यादा सीटें जीतने वाले वामपंथी गठबंधन न्यू पॉपुलर फ्रंट (एनएफपी) ने राष्ट्रपति मैक्रों की ओर से उनके उम्मीदवार के बजाय मध्यमार्गी श्री बर्नियर को प्रधानमंत्री नियुक्त करने की आलोचना की थी।

मेनका गांधी ने नेपाल के उपराष्ट्रपति को पत्र लिखा, गढ़ीमाई मेले में शामिल न होने की अपील

एजेंसी

काठमांडू। भारत की पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री मेनका गांधी ने नेपाल के उपराष्ट्रपति रामसहाय प्रसाद यादव को पत्र लिखकर बारा जिले के गढ़ीमाई में हर पांच साल में लगने वाले मेले में न शामिल होने की अपील की है। उन्होंने यह आग्रह इसलिए किया है, क्योंकि इस मेले में पशु बलि का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। भारत में पशु अधिकार के लिए लंबे समय से कार्य कर रही मेनका गांधी के प्रेस सलाहकार दिनेश यादव ने गढ़ीमाई मेले में पशु बलि कार्यक्रम के पूर्व यह पत्र लिखे जाने की जानकारी दी है। गढ़ीमाई में जिस स्थान पर मेला लगेगा, वह उपराष्ट्रपति यादव का गृह क्षेत्र है। इस मेले के उद्घाटन के लिए 7 दिसंबर को नेपाल के उपराष्ट्रपति बतौर प्रमुख अतिथि जाने वाले हैं। मेनका गांधी की ओर से उपराष्ट्रपति यादव को लिखे पत्र में नेपाल के सर्वोच्च

न्यायालय की ओर से सन 2019 में दिए गए आदेश का हवाला देकर कार्यक्रम में शामिल न होने का अनुरोध किया गया है। गांधी ने पत्र भेज कर कहा कि अगर वह संगठित और दर्दनाक तरीके से जानवरों की सामूहिक बलि देने की परंपरा के दौरान मौजूद रहते हैं तो इससे उन गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है, जो उनके देश के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ हैं। दरअसल, नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने 2019 में पशु बलि को तुरंत रोकने से इंकार कर दिया था, लेकिन आदेश दिया था कि गढ़ीमाई मेले के दौरान होने वाले पशु बलि को धीरे-धीरे कम किया जाए। हालांकि, कोर्ट का कहना था कि यह धार्मिक मान्यताओं से जुड़ा मामला है, इसलिए इससे जुड़े लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत नहीं किया जा सकता है। हालांकि, इस आदेश के बाद भी उसी वर्ष लगभग 2.5 लाख पुश पक्षियों की बलि दी गई। गांधी ने पत्र में कहा कि मैं नेपाल की सांस्कृतिक परंपराओं का सम्मान करती हूं, लेकिन साथ ही हमें मानव की संवेदनशीलता और करुणा के हमारे मूल सिद्धांत की देखभाल करने की वैश्विक सहमति को भी स्वीकार करना चाहिए, जो हमारी सभ्यता को दर्शाता है। गढ़ीमाई मेला गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी सबसे अधिक सामूहिक बलि प्रथा के रूप में दर्ज है। यहां सबसे पहले बनारस के डोम राज के यहां से आने वाले 5100 पशुओं की बलि दी जाती है। करीब एक महीने तक चलने वाले इस मेले में नेपाल और भारत से प्रत्येक दिन करीब 5 लाख से अधिक दर्शनार्थी आते हैं।

अफगानिस्तान में एड्स के 200 नए मामलों की पुष्टि

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान के सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस साल नागरिकों में एक्वायर्ड इम्यूनो डिफिशिएंसी सिंड्रोम (एड्स)/एचआईवी के 200 नए मामले दर्ज किए हैं। समाचार एजेंसी के अनुसार, सरकारी समाचार एजेंसी बख्तर ने मंत्रालय के हवाले से बताया है कि अफगानिस्तान में एचआईवी/एड्स के लिए आठ उपचार केंद्र और 61 डायग्नोस्टिक सेंटर सक्रिय हैं तथा पूरे देश में एचआईवी/एड्स से पीड़ित व्यक्तियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता शराफत जमान अमरखेल के अनुसार, 1989 से अब तक अफगानिस्तान में एचआईवी के कुल 3,700 मामले सामने आए हैं।फिलहाल, पूरे देश में इस वायरस से संक्रमित 1,400 लोग उपचार प्राप्त कर रहे हैं। हाल ही में एचआईवी/एड्स पर संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम (यूएनएड्स) के आंकड़ों से पता चला है कि साल 2023 में दुनिया भर में लगभग 3.99 करोड़ लोग एचआईवी से संक्रमित थे, जबकि इसी अवधि के दौरान एड्स

से संबंधित बीमारियों के कारण 6,30,000 लोगों की जान चली गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2023 के आंकडों पर नजर डालें तो पिछले साल अफगानिस्तान की एक प्रतिशत आबादी एचआईवी/एड्स से प्रभावित थी। मंत्रालय ने बताया था कि संक्रामक नियंत्रण कार्यक्रम के माध्यम से 3,492 व्यक्तियों की सहायता की गई । साल 1998 से हर साल 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य इस गंभीर बीमारी के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना है। एक्वायर्ड इम्यूनोडेफिशिएंसी सिंड्रोम (एड्स), एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलती है। इस बीमारी के लक्षण तीन चरणों में दिखाई देते हैं। शुरुआत में मरीज को सुपरफिशियल इन्फेक्शन का अनुभव होता है। इसके बाद यह बीमारी बढ़ती जाती है, जिससे बाद अक्सर मरीज को कमजोरी और गंभीर सूजन का सामना करना पड़ता है।

अमेरिकी विदेश मंत्री लू 9 एवं 10 दिसंबर को नेपाल दौरे पर

काठमांडू। अमेरिका के दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू 9 एवं 10 दिसंबर को नेपाल के दौरे पर आ रहे हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली इस समय चीन के दौरे पर हैं। चीन के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के कार्यान्वयन समझौते पर नेपाल के हस्ताक्षर करने की चर्चाओं के बीच अमेरिकी मंत्री का नेपाल दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि लू नेपाल से पहले 03 से 08 दिसंबर तक भारत और श्रीलंका का भी दौरा करेंगे।

गाजा में इजरायली बंधक का शव बरामद, 7 अक्टूबर हमले में हमास ने किया था अपहरण

एजेंसी

यरूशलम । इजरायली सुरक्षा बलों ने घोषणा की है कि उन्होंने 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले के दौरान किडनैप किए गए एक इजरायली बंधक का शव बरामद किया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एक संयुक्त बयान में, शिन बेट आंतरिक सुरक्षा एजेंसी और इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने एक सैन्य अभियान में इटाई स्विर्स्की का शव बरामद करने की पुष्टि की। आईडीएफ के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा, स्विर्स्की को ज़िंदा अगवा किया गया था और बाद में अपहरण करने वालों ने उसे मार डाला।

तेल अवीव के निवासी 38 वर्षीय स्विर्स्की को किबुत्ज बेरी से उस समय अगवा किया गया था, जब वह अपने माता-पिता से मिलने गया था। उसके माता-पिता हमास के हमले के दौरान मारे गए। किबुत्ज बेरी के एक बयान में

स्विर्स्की की मौत हो जनवरी 2024 तक जाने की आशंका जाहिर की गई थी

हगारी ने छह इजरायल बंधकों की मौत की सैन्य जांच के निष्कर्ष भी प्रस्तुत किए, जिनके शव अगस्त में दक्षिणी गाजा के खान यूनिस से बरामद किए गए थे। जांच से पता चला कि उनकी मौत संभावित रूप से उनके बंधक स्थान से 150-200 मीटर की दूरी पर हमास को निशाना बनाकर किए गए इजरायली एयर स्ट्राइक से जुड़ी थी। पैथोलॉजिकल जांच में बंधकों के शरीर पर गोलियों के निशान पाए गए, लेकिन उनकी सुरक्षा कर रहे आतंकवादियों के शरीर पर गोली के कोई निशान नहीं पाए गए। हगारी ने कहा कि सबसे संभावित परिदृश्य यह है कि बंधकों को एयर स्ट्राइक से कुछ समय पहले या उसके दौरान उनके गार्डों ने गोली मारी थी।

हगारी ने कहा, हमले के समय सेना को इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि भूमिगत परिसर में बंधकों को रखा गया था। बता दें कि आज तक, इजरायली सेना ने 38 बंधकों के शव बरामद किए हैं, जबकि 117 बंधकों को जीवित छोड़ा गया है, जिनमें से अधिकांश को बातचीत के जरिए रिहा किया गया है। लगभग 100 अन्य अभी भी गाजा में बंधक हैं, और इजरायल का अनुमान है कि लगभग एक तिहाई बंधक अब जिंदा नहीं हैं।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

दिल्ली में फिर 6 दानिक्स अधिकारियों का स्थानांतरण

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले अधिकारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में भी एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए छह दानिक्स (दिल्ली, अंडमान और निकोबार आइलैंड सिविल सर्विस) अधिकारियों के तबादले का आदेश जारी किया गया। दिल्ली के उपराज्यपाल ने अधिकारियों के ट्रांसफर/पोस्टिंग के आदेश जारी किए हैं। इससे पहले 27 नवंबर को 23 दानिक्स अफसरों का तबादला किया गया था। आदेश के मुताबिक 1996 बैच की दानिक्स अधिकारी रंजना देसवाल, जो पहले पोस्टिंग की प्रतीक्षा कर रही थी, अब नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) में तैनात की गई हैं। 2008 बैच की दानिक्स अधिकारी सौम्यकेतु मिश्रा को गृह विभाग में अतिरिक्त सचिव नियुक्त किया गया है। 2009 बैच के दानिक्स अधिकारी अरुण कुमार झा को डीएसएसएसबी में परीक्षा नियंत्रक बनाया गया है।इसी क्रम में 2014 बैच के दानिक्स अधिकारी हरमिंदर सिंह को एडीएम (उत्तर पश्चिमी) से एनडीएमसी में भेजा गया है। 2014 बैच के अधिकारी शिमराय असाइवा बेलरोस एडीएम(उत्तर पश्चिमी) के रूप में कार्यभार संभालेंगे। 2015 बैच के दानिक्स अधिकारी किशोर कुमार दत्ता को भूमि और भवन विभाग में डिप्टी सचिव के साथ-साथ डिप्टी डायरेक्टर (यूटीसीएस) का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

पीएम मोदी ने कुवैत के विदेश मंत्री का किया स्वागत, बोले- द्विपक्षीय संबंधों में प्रगाढ़ता को लेकर भारत प्रतिबद्ध

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुवैत के विदेश मंत्री एच.ई. अब्दुल्ला अली अल-याहया का स्वागत किया। पीएम मोदी ने कुवैत के विदेश मंत्री से मुलाकात को लेकर कहा कि द्विपक्षीय संबंधों में प्रगाढ़ता को लेकर हम प्रतिबद्ध हैं।

मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सितंबर में न्यूयॉर्क में कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबा खालिद अल-हमद अल-सबा के साथ अपनी मुलाकात को याद करते हुए द्विपक्षीय संबंधों में बढ़ती गति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कुवैत के विदेश मंत्री के साथ व्यापार, निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, संस्कृति और लोगों के बीच मजबूत संबंधों में सहयोग बढ़ाने के उपायों पर चर्चा हुई। इस दौरान पीएम मोदी ने कुवैत

में रहने वाले दस लाख मजबूत भारतीय समुदाय की देखभाल के लिए कुवैत के नेतृत्व को धन्यवाद दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि कुवैत की जीसीसी की मौजूदा अध्यक्षता के तहत भारत और खाड़ी सहयोग परिषद के बीच घनिष्ठ सहयोग और मजबूत होगा। उन्होंने पश्चिम एशिया की स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता की शीघ्र वापसी के लिए समर्थन व्यक्त किया। साथ ही, प्रधानमंत्री मोदी ने यथाशीघ्र कुवैत का दौरा करने के लिए कुवैत नेतृत्व के निमंत्रण को स्वीकार भी कर लिया। वहीं, कुवैत के विदेश मंत्री से मुलाकात के पश्चात पीएम मोदी सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर पोस्ट भी किया। जिसमें उन्होंने लिखा, कुवैत के विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल-याहया का स्वागत करके खुशी हुई। मैं भारतीय नागरिकों के कल्याण के लिए कुवैती नेतृत्व को धन्यवाद देता हूं। भारत अपने लोगों और क्षेत्र के लाभ के लिए अपने गहरे और ऐतिहासिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

आआपा दिल्ली के विकास कार्यों के लिये अपने हिस्से का पैसा न देकर प्रोजेक्ट्स को लटका रही है : विजेंद्र गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। । दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आम आदमी पार्टी (आआपा) की सरकार पर दिल्ली की जनता की सुविधा के लिये बनाये जा रही केंद्र सरकार की परियोजनाओं के लिये अपने हिस्से की धनराशि न देने का आरोप लगाया है। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन की कार्यवाही के दौरान उन्होंने दिल्ली मेट्रो की ओर से 20 नवंबर 2024 को दिल्ली के मुख्य सचिव को भेजे गये पत्र का हवाला देते हुए कहा कि मैट्रो के चौथे फेस के अंतर्गत बनाये जा रहे ऐरोसिटी से तुगलकाबाद, आरके आश्रम से जनकपुरी (वेस्ट) और मुकुंदपुर से मौजपुर कॉरिडोर के लिये दिल्ली सरकार से उसके हिस्से के लिये संशोधित बजट अनुमान में कुल सात हजार करोड़ रुपये देने का दिल्ली सरकार से अनुरोध किया गया था, लेकिन हैरानी की बात है कि दिल्ली सरकार ने अपने राजस्व के खर्चे में तो बढ़ोत्तरी करके इसे संशोधित बजट अनुमान में शामिल कर लिया लेकिन मैट्रो के इस पत्र को नजरअंदाज करते हुए गृह मंत्रालय को भेजे गये संशोधित बजट अनुमान में इस राशि का प्रवधान नहीं किया। जिसका साफ मतलब है कि आम आदमी पार्टी सरकार दिल्ली के लोगों को मैट्रो के चौथे फेज के अंतर्गत बनने वाले रूटों की सुविधा नहीं देना चाहती और जानबूझकर इस प्रोजेक्ट में अड़ंगा लगा रही है। उन्होंने सदन में उपस्थित दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना से मांग की कि वह दिल्ली सरकार के हिस्से का पैसा जल्द से जल्द देने का कष्ट करें ताकि दिल्ली की दो करोड़ जनता की सुविधाओं के लिये बनाई जा रही इन परियोजनाओं को समय से पूरा किया जा सके।

राजीव गांधी पुरस्कार

नई दिल्ली ! इस्लामीक सेन्टर लोधी रोड मे भारी जन समूह के बीच डाक्टर आमीन जी ने राजीव गान्धी पुरस्कार द्वारा सम्मानित ओम प्रकाश पहलवान (मुख्य अतिथी) को कश्मीरी शाल एवं प्रशंसा पत्र नगद शशि से उन्हें सम्मानित किया समारोह मे क्रिकेट कोच परमजीत मारवा डॉक्टर

मोहम्मद मुजाम कंचन चौधरी मुकेश पहलवान कुश्ती राजेंद्र क्रिकेट श्याम पहलवान राजवीर पहलवान अन्य खेल प्रेमी समझ में शामिल हुए समारोह में कल्चरल प्रोग्राम का भी आयोजन किया गया समारोह में भारी जन समूह में लोग उपस्थित थे समारोह की अध्यक्षता डॉक्टर आमीन जी ने की समारोह में सभी अतिथियों को शॉल स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया !

सुरक्षा और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सदन में अनुकरणीय आचरण प्रदर्शित करें : सभापति

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सदस्यों से आग्रह किया कि सुरक्षा और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सदन में अनुकरणीय आचरण प्रदर्शित करें। सभापति का बयान विपक्षी सदस्यों के विदेश मंत्री के वक्तव्य के बाद प्रश्न पूछे जाने की मांग ठुकराए जाने पर किए गए बहिर्गमन के बाद आया।

सभापति ने कहा कि वे बार-बार सदस्यों से कहते आये हैं कि पूरा देश हमें देख रहा है। हर बार अशोभनीय आचरण पर वे सदस्यों से इस बात का आग्रह करते हैं। उनका मकसद केवल सदस्यों की गरिमा को बहाल रखना है। वे चाहते हैं कि सदस्य नियमों पर विश्वास रखते हुए सदन की कार्यवाही में योगदान दें।राज्यसभा में आज विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीन और भारत के संबंधों पर एक वक्तव्य दिया। कल उन्होंने यही वक्तव्य लोकसभा में दिया था। वक्तव्य के बाद विपक्ष की ओर से प्रश्न पूछे जाने की मांग की गई, जिसे

सभापति जगदीप धनखड़ ने ठुकरा दिया। सभापति ने कहा कि सदन की नियमावली के अनुसार किसी विषय पर किसी मंत्री के सदन में दिए गए बयान पर प्रश्नोत्तर नहीं होता। इसके बावजूद भी विपक्षी दल के नेता अपनी मांग पर रेडी रहे और बाद में सदन से बाहर गमन किया। दूसरी ओर आज लोकसभा में भी अध्यक्ष ओम बिरला ने सदस्यों को विधेयक पर चर्चा के दौरान मर्यादित चर्चा करने का आग्रह किया। अध्यक्ष ने कहा कि विधेयक पर चर्चा के दौरान उससे जुड़े मुद्दों पर ही बोलने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने सदस्यों से विधेयक को पढ़ने उसपर होने वाली ब्रीफिंग को सुनने और फिर संसद में उसके आप-पास बातीच रखें। संसद की गरिमा बनाए रखें। वरिष्ठ सांसद भी आरोप-प्रत्यारोप में लग जाते हैं तो नए लोग क्या सीखेंगे।

पॉशअधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का राष्ट्रीय महिला आयोग ने किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने पॉश अधिनियम (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम पर सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक फैसले का तहे दिल से स्वागत किया है। आयोग ने जारी एक बयान में कहा कि यह फैसला भारत में सभी कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एनसीडब्ल्यू ने सभी मुख्य सचिवों और राज्य सरकारों को एक पत्र भी भेजा है जिसमें उनसे अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में सभी क्षेत्रों और कार्यस्थलों में पॉश अधिनियम का सख्ती से कार्यान्वयन सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है। एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कहा कि पॉश अधिनियम को पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्ठा के साथ लागू किया जाना चाहिए। यह जरूरी है कि हर संगठन सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के सिद्धांतों को बनाए रखे ताकि यह

सुनिश्चित हो सके कि महिलाओं को न केवल सुरक्षा मिले, बल्कि उन्हें अपने पेशेवर माहौल में आगे बढ़ने का अवसर भी मिले। यह फैसला बदलाव के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा, जहां उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और महिलाओं के अधिकारों की पूरी तरह से रक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस फैसले के मद्देनजर, एनसीडब्ल्यू ने सरकार और निजी क्षेत्र के संगठनों से आग्रह किया है कि पोश अधिनियम का पूरी तरह से पालन करने के लिए तत्काल, निर्णायक और सक्रिय कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि यह केवल एक कानूनी जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि कार्यस्थल बनाने की दिशा में एक नैतिक दायित्व है जहां महिलाएं सुरक्षित, मूल्यवान और पेशेवर रूप से उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सशक्त महसूस करती हैं। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पॉश कानून के प्रभावी पालन के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों से 25 मार्च, 2024 तक रिपोर्ट मांगी और निजी क्षेत्रों में अनुपालन बढ़ाने को कहा।

सुखबीर बादल की जान बचा पंजाब पुलिस ने पेश की मिसालः केजरीवाल

नई दिल्ली। पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल के ऊपर हुए जानलेवा हमले की आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने विधानसभा में दिल्ली में बिगड़ी कानून व्यवस्था पर चर्चा के दौरान सुखबीर बादल पर हुए हमले पर कहा कि सुखबीर बादल के ऊपर किसी ने गोली चलाने की कोशिश की लेकिन पंजाब पुलिस की मुस्तैदी की वजह से बड़ा हादसा होते-होते बच गया। पंजाब पुलिस ने न सिर्फ इस घटना को रोका बल्कि पूरे देश के सामने एक मिसाल पेश की है कि किस तरह से कानून-व्यवस्था को मुस्तैदी से बरकरार रखा जा सकता है। इस घटना के बाद पूरी भाजपा पंजाब की कानून व्यवस्था पर बोलने लगी लेकिन दिल्ली में बिगड़ी कानून व्यवस्था पर वह बिल्कुल चुप है। दिल्ली विधानसभा में शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सदन में कहा कि आज पंजाब में एक बहुत बड़ा हादसा होने से बच गया। पूर्व उप-मुख्यमंत्री सुखबीर बादल के ऊपर किसी ने गोली चलाने की कोशिश की। पंजाब पुलिस की मुस्तैदी की वजह से और उनके अच्छे काम की वजह से एक बहुत बड़ा हादसा होते-होते बच गया। सुखबीर बादल सुरक्षित हैं। मैं इस घटना की कड़े से कड़े शब्दों में निंदा करता हूं।

भाजपा नेता प्रवेश रत्न आआपा में शामिल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दलित नेता प्रवेश रत्न आम आदमी पार्टी (आआपा) में शामिल हो गए। पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में आआपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने प्रवेश रत्न को पटका और टोपी पहनाकर सदस्यता दिलाई। प्रवेश रत्न ने कहा कि वह अरविंद केजरीवाल के विकास कार्यों से प्रभावित होकर पार्टी से जुड़े हैं। उन्होंने दिल्ली भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि वह दलित समाज से आते हैं, इसलिए भाजपा ने उन्हें तवज्जों नहीं दी। मेरे खिलाफ परिस्थितियां पैदा कीं। उन्होंने कहा कि वह समाज को जोड़ने का काम करेंगे। मनीष सिसोदिया ने कहा कि प्रवेश रत्न करीब 15-20 साल भाजपा में रहे हैं और प्रदेश युवा मोर्चा में कई सीनियर पदों पर रहे हैं। डिस्ट्रिक्ट में सचिव रहे हैं। उन्होंने पटेल नगर विधानसभा सीट से भाजपा के लिए चुनाव भी लड़ा था।

दिल्ली विधानसभा से भाजपा विधायकों ने किया वॉकआउट

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा सत्र के दौरान जब विशेष उल्लेख के तहत दिल्ली की कानून व्यवस्था पर चर्चा शुरू हुई, तब भाजपा विधायकों ने भी मांग की कि उनके भी कई मुद्दे हैं, जिस पर चर्चा होनी चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने उन्हें इसकी इजाजत नहीं दी, जिसके बाद सभी भाजपा के विधायक नारेबाजी करते हुए सदन से वॉकआउट कर गए। भाजपा विधायक अभय वर्मा ने कहा कि उन्होंने विधानसभा में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के तहत केजरीवाल जिस सरकारी आवास में रहते थे, वहां करोड़ों रुपये सुख-सुविधा पर खर्च किया, इस पर वह चर्चा चाहते हैं। एक तरफ दिल्ली सरकार रोजमर्रा के कामकाज के लिए केंद्र से फंड मांग रही है और दूसरी तरफ ऐशो आराम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। विधानसभा में नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने भी कहा कि जनता जिस मुद्दे पर सरकार का पक्ष जानना चाहती है, उन मुद्दे पर यहां कोई बात नहीं, सिर्फ राजनीति करने के लिए यहां सत्ता पक्ष के विधायकों को बोलने का समय दिया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के बस्तर ओलंपिक और पुलिस अवार्ड कार्यक्रम में 13 दिसंबर को शामिल होंगे अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कल दिल्ली दौरे पर पहुंचे। इस दौरान देरशाम को उन्होंने केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह से मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने गृहमंत्री शाह को 13 दिसंबर को आयोजित बस्तर ओलंपिक के समापन और पुलिस अवार्ड कार्यक्रम में शामिल होने के लिए औपचारिक निमंत्रण दिया, जिसे गृहमंत्री ने स्वीकार कर लिया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने इस दौरान राज्य में नक्सल विरोधी अभियानों की हालिया उपलब्धियों और बस्तर संभाग में चलाए जा रहे विकास कार्यों के सम्बन्ध में केंद्रीय गृहमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि रोजगारपरक योजनाओं से माओवादी प्रभाव कमजोर हुआ है। राज्य सरकार और सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयासों के कारण बस्तर क्षेत्र में नक्सल प्रभावित इलाकों में घटनाओं में तेजी से कमी आई है। बस्तर अब नक्सल मुक्त होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि 2026 तक छत्तीसगढ़ को

पूरी तरह नक्सल मुक्त कर लिया जाएगा। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री को अवगत कराया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों और नक्सल प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए योजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके तहत प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 15,000 मकानों के निर्माण को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृहमंत्री को बस्तर ओलंपिक के महत्व और राज्य में इसके प्रभावों के बारे में भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यह आयोजन युवाओं को खेलों के माध्यम से जोड़ते हुए शांति और विकास की दिशा में एक प्रभावशाली कदम है। अब तक इस ओलंपिक में 1.65 लाख से अधिक युवाओं ने हिस्सा लिया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि बस्तर ओलंपिक में हॉकी, फुटबॉल, कबड्डी और वॉलीबॉल समेत 11 पारंपरिक खेलों को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की एक नई लहर का प्रतीक है।

बेटे ने ही माता-पिता और बहन को मारा, गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के नेब सराय इलाके में एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या के मामलें को सुलझाते हुए पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित अर्जुन मृतक का बेटा है। पूछताछ में आरोपित ने खुलासा किया कि उसके पिता उसके साथ बहुत मारपीट करते थे और बहनको ज्यादा प्यार करते थे। जिससे नाखुश होकर उसने एक एक माता पिता व बहन की चाकू घोपकर हत्या कर दी। फिलहाल पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। पुलिस के मुताबिक बुधवार सुबह पुलिस को नेबसराय इलाके में एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। जांच में पता चला कि मैरिज एनिवर्सरी के दिन ही दंपत्ति की हत्या कर दी गई।बेटे ने पुलिस को दी हत्या की सूचना पुलिस के मुताबिक बेटे अर्जुन ने बताया कि वह सुबह पार्क से टहलकर आया तो उसने देखा कि फर्श पर खून से लथपथ मां और उसकी बहन पड़ी हुई है जब उसने फर्स्ट फ्लोर पर जाकर देखा तो पिता भी खून से लथपथ मिले। इसके बाद बेटे ने इसकी सूचना दिल्ली पुलिस को दी। पुलिस ने बताया कि तीनों के ऊपर किसी धारदार चीज से हमला किया गया है। आगे जांच में पता चला कि नेब सराय इलाके में रहने वाले राजेश और कोमल की शादी साल 1997 में हिंदू रीति रिवाज के साथ हुई थी। राजेश और कोमल दोनों ही हरियाणा के निवासी हैं। हालांकि बीते 10 सालों से अधिक वक्त से वे दक्षिणी दिल्ली के नेब सराय देवली इलाके में अपने खुद के बनाए मकान में रह रहे थे। उनके एक बेटी और एक बेटा था। राजेश कुमार आर्मी से रिटायर थे और प्राइवेट सिक्योरिटी ऑफिसर के तौर पर काम करते थे। राजेश की 23 वर्षीय बेटी कविता मार्शल आर्ट में ब्लैक बेल्ट थी। डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि करीब सुबह 7:00 बजे कॉल मिली जिसमें बताया गया कि तीन लोगों को चाकू लगा हुआ है।

संसद सत्र के समय ही होती है देश की छवि बिगाड़ने की कोशिशः सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली, 5 दिसंबर। फ्रांस के एक अखबार ने हाल ही में ओसीसीआरपी (ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट) की रिपोर्ट को लेकर एक खबर प्रकाशित की है। जिसमें दावा किया गया है कि ओसीसीआरपी की रिपोर्ट तटस्थ नहीं है और इसे अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस की ओर से फंडिंग मिलती है। फ्रांस के अखबार की इस रिपोर्ट के आधार पर भाजपा ने विपक्ष को घेर लिया है और विपक्ष पर विदेशी हस्तक्षेप को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस मुद्दे पर राहुल गांधी और पूरे विपक्ष पर गंभीर आरोप लगाए। वहीं भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने भी राज्यसभा में ये मुद्दा उठाया। इस रिपोर्ट को लेकर विपक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जब भी भारत की संसद का सत्र चल रहा होता है, तभी विदेशों में कोई न कोई ऐसी रिपोर्ट सामने आती है, जिससे देश की छवि खराब होती है। भाजपा सांसद ने भारत को अस्थिर करने के लिए विदेशी हस्तक्षेप का आरोप लगाया। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने शून्य काल के दौरान राज्यसभा में कहा कि जब भारत पीएम मोदी के नेतृत्व में सामरिक, आर्थिक और कूटनीतिक शक्ति बनकर उभरा है, तब से विदेश की बहुत सी ऐसी गतिविधियां हैं, जो भारत की व्यवस्था के आर्थिक, नैतिक, सामाजिक पक्ष पर हमला कर रही हैं। फ्रांस के एक प्रकाशन ने ऑर्गनाइज क्राइम करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट पर एक रिपोर्ट पेश की है।

NAME CHANGE

I, hitherto known as RAKESH KUMAR S/o NANUA residing at 173, Gyan Khand 1, Indirapuram, Shipra Sun City, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201014 have changed my name and shall hereafter be known as DEEPAK.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SAKSHI Daughter of Mr. SHIV KUMAR residing at H. No. 40, Kh. No. 432, Grover Sariya Mill Compound, Meerut Road, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001 have changed my name and shall hereafter be known as SAKSHI SHARMA.

NAME CHANGE

I, Chandan Pandey S/o Shashank Shekhar Pandey R/o Flat 202, Tower O, Pan Oasis Apartments , Sector 70, Noida, Gautam Budh Nagar, 201301, (U.P.) Have Changed My Minor Son Name from Pushkal Pandey to Raghvendra Pandey for All Future Purposes.

NAME CHANGE

I, RANVIR SINGH S/o SADI SINGH, Residing at Village Khad Mohan Nagar, Bulandshahar, Uttar Pradesh - 245412, have changed the name of my minor son YUGANK aged 14 years and he shall hereafter be known as BHAVYA CHAUDHARY.

NAME CHANGE

I, BHARTI ARORA W/o MANOJ ARORA residing at C-1/234 , Yamuna Vihar, North East Delhi, Delhi-110053 have changed the name of my minor Daughter ALISHA ARORA aged 9 years and She shall hereafter be known as DAKSHITA ARORA.

NAME CHANGE

I, BHARTI ARORA W/o MANOJ ARORA residing at C-1/234 , Yamuna Vihar, North East Delhi, Delhi-110053 have changed the name of my minor Daughter AYESHA ARORA aged 13 years and She shall hereafter be known as SATVIEKA ARORA.

NAME CHANGE

I, hitherto known as MEERA SHARMA W/o SUSHIL KUMAR SHARMA residing at Flat No. 130 - G, Pocket - 4, Mayur Vihar Phase -1, Patparganj, East Delhi, Delhi - 110091 have changed my name and shall hereafter be known as MIRA SHARMA.

NAME CHANGE

It is for general information that I, GOVIND SINGH S/o SHANKER, R/o 1804, Gali Mandir Wali, Chowk Shah Mubarak, Bazar Sita Ram, Delhi, G.P.O, North Delhi, Delhi-110006,declare that name of mine has been wrongly written as GOBIND SINGH in my SC Certificate No. SC/02/31/169/4/2/2005/1918. The actual name of mine is GOVIND SINGH respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It Is for General Information That I, Sunil Kumar S/o Hari Shankar R/o RZB-80, Gali No-5,Raj Nagar Part-1,Palam Village,South West Delhi-110045,Declare That My Name Has Been Wrongly Written as Sunil Kumar Agarwal in 10th Class Marks Sheet and Certificate Etc.of My Minor Daughter Himanshi Agarwal.The Actual Name of Mine is Sunil Kumar, Which May Be Amended Accordingly.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मेरे मुवक्किल श्री ओम पुत्र श्री सुबे सिहं, एंव श्रीमती सोनू पत्नी श्री ओम, दोनों निवासी मकान न0-13, न्यू कॉलोनी पार्ट-2, ततेशर गाँव, नोर्थ वेस्ट दिल्ली, दिल्ली-110081, ने अपने बेटे साहिल पुत्र श्री ओम निवासी मकान न0-13, न्यू कॉलोनी पार्ट-2, ततेशर गाँव, नोर्थ-वेस्ट दिल्ली, दिल्ली-110081 को उसके नियन्त्रण में ना होने, व उसके साथ अभद्र व्यवहार करने और लड़ाई-झगडा करने के कारण उसे अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहे हैं और उससे अपने सारे सम्बन्ध विच्छेद कर रहे हैं। भविष्य में कोई व्यक्ति साहिल पुत्र श्री ओम के साथ किसी प्रकार का लेन-देन व व्यवहार रखता हैं तो उसका जिम्मेदार वह स्वंय होगा, मेरे मुवक्किल व उसके परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

J.P.SINGH ADVOCATES
CH. NO.534 DWARKA COURT COMPLEX LAWYERS CHAMBERS BLOCK SECTOR-10, DWARKA NEW DELHI-110075.

NAME CHANGE

I,PUNIT MALIK S/o VIJAY MALIK R/o B-109/1 STREET NO-II,SHAHDARA SHAHDARA DELHI-110032 have changed my minor son's name from ARIN MALIK to ARIN CHAUDHARY for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Suman W/o Prem Lal Verma R/o Flat No-B 502, 5th Floor, Block-B, Plot No-8, Durga Pooja Apartment, Sector-13, Dwarka, Delhi-110075,Have Changed My Name To Suman Verma For All Future Purpose

NAME CHANGE

I, Bharti Aggarwal W/o Amit Aggarwal R/o House No-226, First Floor, Huda Plots, Kendriya Vihar, Sector-56, Gurgaon, Haryana-122011Have Changed My Minor Son Name Parnav Aggarwal To Pranav Aggarwal For All Future Purpose

NAME CHANGE

I, M AMUDHA Wife of JC-774660Y Rank-SUB Name-R MUTHAMIL SELVAN Residing at MUNAIVENDRI POST, ILAYANGUDI TALUK, DIST-SIVAGANGA, TAMIL NADU-623701 have changed my name from M AMUDHA to AMUDHA R for all future purposes vide Affidavit dated 26/11/2024 before Sub Divisional Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

Ajay Kumar Yadav s/o Shri shyam Dhari Yadav R/o C-1268 J J Colony Tigri New delhi Dr-Abedkar Nagar - Post Office Pushpa Bawan Dist: South Delhi 110080 Declare that name of father has been wrongly written my 10 -12 marksheet educational documents Shri shyam Bihari yadav the actual name of my father is Shri shyam Dhari Yadav which may be amended accordingly

NAME CHANGE

I PRAVIN S/O GOVIND RAM R/O SRS B13/04253 GALI NO-8 NEAR PRITAM PALACE FREINDS COLONY SIRSA HARYANA 125055 HAVE CHANGED MY NAME TO PRAVIN KUMAR

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client that Mr. Laxman Kumar Gupta is claiming to be owner of Plot bearing No. 59, area measuring 50 sq. yds., out of Khasra No. 333, situated in the area of Village Nasinpur, Delhi State Delhi, Colony known as Madan Puri, West Sagarpur, New Delhi; vide GPA, ATS & Will. All persons are hereby informed that above mentioned owner wants to sell the property to a person who wants to obtain a loan from our client against the said property. If, anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said property, its sale/mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 7 days of the present.

Kumar & Associates
(Advocates & Consultants)
200, Second Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, New Delhi - 15
legal@knalegal.com
PH: 011-41112527-28

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Inzmamul Haque S/O Inam Khan R/O H. No E-57/A- 574, Jhuggi, Sunder Nagri , Nand Nagri , North East Delhi, -Delhi -110093, declare that name of my father has been wrongly written as Anam Khan in my all educational documents and my birth certificate No. MCDOLIR-0115-006576323 and my Passport No. M8479544 and my Driving licence No. DL05 20130234077, the actual name of my father is Inam Khan

NAME CHANGE

I, Meenu Sharma alias Meenu Kapila D/O Govind Ballabb Sharma W/O Naveen Kapila R/O WZ-25, First floor Mukh Ram Park Extn. Tilak Nagar , PO: Tilak Nagar,Dist: West Delhi , Delhi -110018, have changed my name to Meenu Sharma

NAME CHANGE

I, MAHARASI MAHARAJA Wife of No-15808744N Rank-SEP Name-MAHARAJA C Residing at 63/3, PILLYAR KOVIL STREET PANNIRKULAM, KAYATHAR, TAMILNADU-628952 have changed my name from MAHARASI MAHARAJA to MAHARASI P for all future purposes vide Affidavit dated 25/11/2024 before Sub Divisional Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I SWAMI KUMAR SINGH S/O MANORANJAN SINGH R/O B-410, Khasra No-45/15 Bhagya Vihar, Madanpur Dabas North West Delhi, Delhi-110081, declare that name of mine and my wife name has been wrongly written as SWAMI SINGH and PRIYA SINGH in my minor daughter namely SHREETI SINGH aged 17 years in her school record. The actual name of mine and my wife are SWAMI KUMAR SINGH and PRIYA SINGH BISWAS respectively which may be amended accordingly

NAME CHANGE

I, No-15814685H Rank-HAV Name-ANIL JOSE S/o JOSE MJ Presently residing at MANALEL HOUSE, MARUTHORVATTOM PO, CHERTHALA TEH, ALAPPUZHA DIST, KERALA-688539 have changed my mother's name from MARYKUTTY to MARYKUTTY JOSE for all future purposes vide Affidavit dated 05/12/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Naveen S/o Naresh Kumar R/o House No-104, Bhondsi(168), Gurgaon-122102, Haryana, Have Changed My Name To Naveen Kumar For All Future Purpose

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that **Mrs. Rekha** is the owner of Third Floor, With roof rights, Back Side RHS, Unit Bearing No. 306, Built on Plot No. 55, 55A, 55B, 56, 56A and 56B, area measuring 80 Sq. yds., out of Khasra No. 29, 30, 31 and 32 Min, Situated in the area of Village Nawada Majra Hastsal, Colony known as Vipin Garden Extension, Uttam Nagar, New Delhi through Sale Deed dated 29.11.2022 doc. No. 30405 executed by M/S Balaji Builders through its Partner Mr. Hans Raj Goyal in favour of Mrs. Rekha in respect of the Said Floor. **Mrs. Rekha** intends to transfer the ownership by way of Sale Deed of aforementioned Floor to **Abhishek Kumar and Mrs. Neeru Kumari.** Subsequently, **Abhishek Kumar and Mrs. Neeru Kumari** are in the process of mortgaging the said property with **SMFG India Home Finance Co. Ltd. (Formerly Fullerton India Home Finance Co. Ltd.).** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client. If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting

Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

यमुनानगर विधानसभा क्षेत्र में चल रहें विकास कार्य तय समय पर होंगे पूरेः घनश्याम दास अरोड़ा

एजेंसी

यमुनानगर। भाजपा के सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि यमुनानगर विधानसभा क्षेत्र में पिछले दस वर्षों में प्रदेश की भाजपा सरकार ने करोड़ों रूपये के विकास कार्य करवाएं और आगे भी विकास की ऐसे ही जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में चल रहें विकास कार्य तय समय पर होंगे। सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के वार्ड नंबर-10 के अंतर्गत आजाद नगर में लगभग 25 लाख रुपये की लागत से स्टोर्म वाटर ड्रैनेज पाइप लाइन के कार्यों का शिलान्यास किया। विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि उन्होंने भाजपा सरकार के माध्यम से यमुनानगर विधानसभा क्षेत्र में पिछले 10 साल से लगातार सैकड़ों करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाए जा चुके हैं व आगे भी विकास कार्य ऐसे ही जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश भाजपा सरकार ने आउटसोर्सिंग व हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत लगे कर्मचारियों की नौकरी सुरक्षित कर एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि यह विकास कार्य तैय समय में हो व विकास कार्यों में अच्छी गुणवत्ता की सामग्री लगे इस बात का सभी लोग ध्यान रखें।

बेघरों व किरायेदारों को प्लॉट देने की निगम ने प्रक्रिया की शुरूः आयुष साल सिन्हा

यमुनानगर। किरायेदारों व बेघरों को घर देने के लिए मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत नगर निगम द्वारा प्लाट देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्लाट देने से पहले सरकार सभी पात्रों से स्व घोषणा पत्र लेगी। ताकि योजना के तहत किसी ऐसे व्यक्ति का लाभ न मिल सके, जो पहले से योजना के तहत लाभ ले चुका है या उसके पास पहले से अपना मकान है। पहले चरण में जगाधरी के सेक्टर 23 में 2008 पात्रों को प्लॉट दिए जाएंगे। नगर निगम आयुक्त आयुष सिन्हा ने स्व-घोषणा पत्र भरवाने में लगे कर्मचारियों की बैठक ली। उन्होंने दो दिन में सभी कर्मियों को यह कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। ताकि पात्रों को जल्द से जल्द योजना के तहत प्लाट दिए जा सके। उन्होंने बताया कि सरकार ने मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत प्लॉट लेने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा हाउसिंग फॉर ऑल विभाग पोर्टल पर 13 सितंबर 2023 को रजिस्ट्रेशन शुरू किए गए थे। अंतिम तिथि तक प्लॉट लेने के लिए रजिस्ट्रेशन कराने वालों के लिए बुकिंग शुरू की थी। हाउसिंग फॉर ऑल विभाग के पोर्टल पर 15 फरवरी तक 3139 लाभार्थियों ने प्लाट के लिए बुकिंग कराई थी। बीती 24 जून को ऑनलाइन ड्रॉ के माध्यम से इन पात्रों के प्लाटों का आवंटन किया गया था। इन पात्रों को जगाधरी के भटौली व जय सिटी के पास स्थित सेक्टर 22, 23, 24 व 26 में प्लॉट दिए जाने है।

गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस ने घाटा टी-प्वायंट पर चलाया रिफ्लेक्टिव

गुरुग्राम। गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस ने घाटा टी-प्वायंट पर रिफ्लेक्टिव गुरुग्राम अभियान चलाया। इस दौरान वाहन चालकों के हेलमेट पर व वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाए गए। सहायक पुलिस आयुक्त यातायात मुख्यालय/हाईवे विकास कुमार, यातायात निरीक्षक बिजेंद्र सिंह, जोनल अधिकारी महेंद्र सिंह घाटा टी प्वाइंट और आरएसओ टीम की सहायता से रिफ्लेक्टर टेप लगाने की मुहिम को जारी रखा गया। जिसमें कोहरे वाली सर्दियों के मौसम के दौरान सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए चल रहे प्रयासों के तहत गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस और सड़क सुरक्षा संगठन ने घाटा टी-प्वायंट पर अपना रिफ्लेक्टिव गुरुग्राम अभियान चलाया। यह अभियान सर्दियों के कोहरे के कारण कम दृश्यता की स्थिति के दौरान उनकी दृश्यता बढ़ाने के लिए साइकिल, मैन्युअल रूप से खींचे जाने वाले रिक्शा, गाडियां, ऑटो-रिक्शा और ट्रैक्टर ट्रॉली पर प्रतिबिंबित टेप चिपकाने पर केंद्रित था। घाटा टी-प्वाइंट, एक व्यस्त केंद्र होने के नाते गैर-मोटर चालित और धीमी गति से चलने वाले वाहनों की एक महत्वपूर्ण उपस्थिति देखी जाती है। जो विशेष रूप से कोहरे के मौसम के दौरान असुरक्षित होते हैं। यातायात पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों और आरएसओ टीम ने सक्रिय रूप से वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाए। जिससे उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। सडक़ दुर्घटनाओं के जोखिम को कम किया जा सके।

गीता स्थली ज्योतिसर में 5 से 11 दिसंबर तक होगी श्रीमद् भागवत कथा

चंडीगढ। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के ऐतिहासिक पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाने और सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं द्वारा हिन्दू संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर अनेक प्रकार के यज्ञ व भगवान श्री राम व श्री कृष्ण की कथाओं के आयोजन किए जाते हैं। इसी कड़ी में गीता जयंती समारोह के अवसर पर कल 5 दिसंबर से 11 दिसंबर तक दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा।कुरुक्षेत्र में स्थित भगवान दत्तात्रेय मन्दिर की कथावाचक साध्वी मोक्षिता ने श्रीमद् भागवत कथा के बारे पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए बुधवार को बताया कि श्रीमद् भागवत कथा ऐसे ऐतिहासिक एवं पवित्र स्थल पर होने जा रही है, जहां पर भगवान श्री कृष्ण ने अपने शिष्य अर्जुन को गीता के उपदेश के माध्यम से मोक्ष प्राप्ति एवं मुक्ति का मार्ग दिखाया था।

लघु सचिवालय की सुरक्षा के लिए एसडीएम व सीटीएम ने किया निरीक्षण

एजेंसी

गुरुग्राम। लघु सचिवालय भवन की सुरक्षा व अन्य कार्यों को लेकर उपायुक्त अजय कुमार के निर्देशानुसार एसडीएम रविंद्र कुमार व नगराधीश कुंवर आदित्य विक्रम ने निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी उनके साथ मौजूद रहे। लघु सचिवालय परिसर में पड़े कूड़े के ढेर से धुआं सुलगने तथा आसपास स्थित महत्वपूर्ण रिकार्ड रूम को इस प्रकार की घटनाओं से सुरक्षित रखने के लिए उपायुक्त ने एसडीएम रविंद्र कुमार को बिल्डिंग का मुआयना करने के निर्देश दिए थे। एसडीएम ने नगराधीश कुंवर आदित्य विक्रम के साथ लघु सचिवालय भवन की सभी मंजिलों का अवलोकन किया। उन्होंने देखा कि कई स्थानों पर बिजली, सीसीटीवी कैमरा, जनरेटर, एसी, एलईडी स्क्रीन आदि की तारें अस्त-व्यस्त ढंग से लटकी हुई हैं, जिनमें कभी भी शार्ट सर्किट हो सकता

है। इसी प्रकार सचिवालय परिसर के आसपास वृक्षों की अधिकता के कारण सूखे पत्ते के ढेर लगे रहते हैं। यहां आने वाले नागरिक और कुछ कर्मचारी कहीं भी कूड़ा-करकट डाल देते हैं। जिस कारण कचरे के ढेर में कभी भी आग सुलगने की आशंका बनी रहती है।सरल केंद्र, मोटर व्हीकल रिकार्ड रूम, आरटीए ऑफिस रिकार्ड रूम आदि का निरीक्षण करने के बाद एसडीएम ने कहा कि सचिवालय परिसर की सफाई व्यवस्था को और अधिक चाक-चौबंद बनाया जाएगा तथा प्रमुख स्थानों पर बड़े डस्टबिन रखवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस बिल्डिंग का फायर सेफ्टी प्लान लोक निर्माण विभाग ने स्वीकृति के लिए मुख्यालय रखा है। जिसकी अनुमानित लागत करीब 1.5 करोड़ रुपये है। यह प्लान लागू होने तक भवन के कमरों में रोशनदान की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा केबल ट्रे, डक तथा शॉफ्ट लगवा कर बिखरी हुई तारों को सही ढंग से लगवाया जाएगा। नगराधीश कुंवर आदित्य विक्रम ने बताया कि सचिवालय परिसर में एसडीएम ऑफिस, जिला राजस्व अधिकारी, तहसीलदार, सरप्लस, उपायुक्त कार्यालय की शाखाओं के रिकार्ड रूम स्थापित हैं। इन कमरों में विशेष रूप से अग्नि सुरक्षा के इंतजाम किए जाएंगे। सचिवालय में सीवरेज सिस्टम की सफाई करवाई जाएगी।

उपायुक्त ने अधिकारियों को शिकायतों का शीघ्र निपटारा करने के निर्देश दिए

एजेंसी

सोनीपत। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने समाधान शिविर में 53 शिकायतों की सुनवाई की। इनमें से 05 शिकायतों का मौके पर समाधान किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकोंकी समस्याओं का गंभीरता से यथाशीघ्र निपटारा करें और पात्र व्यक्तियों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करें।लघु सचिवालय में आयोजित इस शिविर में उपायुक्त ने कहा कि शिकायतों का नियमानुसार निदानसुनिश्चित किया जाए। साथ ही, अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे शिविर में उपस्थित नागरिकों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देकर जागरूक करें। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री स्वयं भी इन शिविरों की प्रगति की नियमित समीक्षा कर रहे हैं। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त अंकिता चौधरी, नगराधीश रेणुका नांदल, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त नरेश कुमार, एसीपी मलकीत सिंह और अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। उपायुक्त ने जानकारीदी कि जिला स्तर पर लघु सचिवालय के कॉन्फ्रेंस रूम में समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। गोहाना, गन्नौर और खरखौदा में एसडीएम के नेतृत्व में शिविर आयोजित हो रहे हैं। शहरी स्थानीय निकाय विभाग से जुड़ी समस्याओं के लिए नगर निगम, नगर परिषद और नगरपालिकाओंमें भी समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं। डॉ. मनोज कुमार ने नागरिकों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए इन शिविरों में भाग लें और त्वरित व प्रभावी सेवा का लाभ उठाएं।

समाधान शिविर बन रहे हैं जन सुनवाई का केंद्र बिंदु : डीसी

एजेंसी

फरीदाबाद। आमजन से जुड़ी शिकायतों का निदान करने सहित विभिन्न प्रकार की जन समस्याओं की सुनवाई करते हुए समस्या का समाधान करने के लिए प्रत्येक कार्य दिवस पर। फरीदाबाद जिला में समाधान शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार जन कल्याण के साथ जन समस्याओं के समाधान को समर्पित है। लोगों की हर प्रकार की समस्याओं के तुरंत समाधान के लिए समाधान शिविरों के आयोजन की अनूठी शुरूआत की गई है। आम जनमानस को इसका पूर्ण लाभ उठाना चाहिए। इसके लिए अधिकारियों-कर्मचारियों को विशेष निर्देश दिए गए हैं। समाधान शिविर में आने वाला कोई भी व्यक्ति निराश नहीं लौटेगा।डीसी के अनुसार समाधान शिविर के माध्यम से लोगों की प्रमुख समस्याओं का निपटारा किया जा रहा है। इनमें प्रमुख तौर पर प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, जमीन का पंजीकरण, लोकल बॉडी का नो ड्यूज सर्टिफिकेट, म्युनिसिपल कमेटी से नक्शा अनुमोदन, बिजली-सिंचाई-सार्वजनिक स्वास्थ्य, समाज कल्याण पेंशन तथा अपराध की

शिकायतें और राशन कार्ड को शामिल किया गया है। इनसे संबंधित हर प्रकार की शिकायतों के समाधान के लिए समाधान शिविर में संपर्क किया जा सकता है।डीसी ने कहा कि संबंधित विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ एसडीएम भी समाधान शिविरों में आने वाली शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करवा रहे है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी लोगों के लिए उपलब्ध रहेंगे, ताकि आम जन को किसी भी प्रकार की समस्याएं पेश न आयें। यदि कोई समस्या आती है तो तुरंत उसका समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। समाधान शिविर में एसडीएम फरीदाबाद शिखा, सीटीएम अंकित कुमार, जिला परिवाद एवं कष्ट निवारण समिति के सदस्य वजीर सिंह डागर सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

सोनीपत में गीता जयंती समारोह के भव्य आयोजन की तैयारी शुरू

एजेंसी

सोनीपत। जिला स्तरीय गीता जयंती समारोह 9 से 11 दिसंबर तक सुभाष स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इस समारोह को भव्य और दिव्य बनाने के लिए जिला प्रशासन, विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों की बैठक हुई। सभी ने समारोह को सफल बनाने के लिए सहयोग करने का निर्णय लिया। बैठक में गीता जयंती के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन संध्या, गीता पाठ और प्रवचन जैसे आयोजनों पर चर्चा की गई। शहरवासियों को अधिक संख्या में समारोह में शामिल करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया गया। सरदार मोहन सिंह मनोचा ने कहा कि यह त्यौहार सभी के लिए महत्वपूर्ण है और इसे यादगार बनाने के लिए सभी संस्थाएं पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेंगी।

11 दिसंबर को शोभा यात्रा निकाली जाएगी, जो सेक्टर-15 के कम्युनिटी सेंटर से शुरू होकर सुभाष स्टेडियम तक जाएगी। इस यात्रा में 15 से अधिक झांकियां गीता के उपदेशों को प्रदर्शितकरेंगी और शहरवासियों को प्रेरित करेंगी। बैठक में जिले के प्रमुख सामाजिक और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने

इस आयोजन को सफल बनाने के लिए समर्पित प्रयासों का आश्वासन दिया। इस बार का गीता जयंती समारोह शहरवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और गीता के संदेशों को हर घर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बैठक में शशिकरण नासा, नरेन्द्र बुटानी, प्रवीण वर्मा, रविन्द्र सरोहा, सुरेश कालरा, योगेन्द्र सरोहा, दिनेश तनेजा, ऊषा भंडारी, मदनलाल तनेजा, सुभाष अरोड़ा, पवन तनेजा, हवा सिंह, बीआर आहुजा, रोहित आहुजा, मनोज डिंबला, राम प्रकाश हुड्डा, नरेन्द्र राय, जयवीर गहलावत, संजीव सरदाना, प्रमानंद बत्रा, मोहन तनेजा, सतीश विज, अरूण बंसल, रमेश जागीर, ऊषा भारद्वाज, सीमामक्कड़, डॉ मीनू अग्रवाल, बीके सुनीता, केसी डुडेजा, एसएस अरोड़ा, नवीन तनेजा, आरके गिरधर, रमेश, प्रेम गौतम, डीके, भूपेश, आचार्य वेद निष्ठ सहित जिला के सभी सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि सदस्य शामिल हुए।

कर्म, भक्ति और ज्ञान का संगम नजर आएगा गीता महोत्सव में 9 से 11 तक : डीसी

एजेंसी

फरीदाबाद। फरीदाबाद जिला में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव की श्रृंखला में एक बार फिर कर्म, भक्ति और ज्ञान का संगम 9 से 11 दिसम्बर तक जिला स्तरीय गीता महोत्सव में नजर आएगा। जिला फरीदाबाद के सेक्टर-12 स्थित हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) कन्वेंशन हॉल में 9 से 11 दिसंबर 2024 तक तीन दिवसीय जिला स्तरीय गीता महोत्सव के लिए प्रशासन की ओर से तैयारियां आरंभ कर दी गई हैं जिसमें जिला की धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं का सहयोग भी लिया जाएगा। डीसी विक्रम सिंह ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही शहर की धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों की बैठक ली और महोत्सव को गरिमामयी ढंग से मनाने

की रूपरेखा तैयार की गई। डीसी ने सभी से कहा कि गीता महोत्सव के सफल आयोजन के लिए समर्पण भाव से जिला प्रशासन का आप सहयोग करें। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि गीता महोत्सव प्रेरणादायी होने के साथ-साथ भव्य और आकर्षक भी होगा। उन्होंने कहा कि तीन दिन तक चलने वाले गीता महोत्सव के दौरान तीनों दिन विभिन्न विभागों व सामाजिक संगठनों द्वारा प्रदर्शनी लगाई जाएगी। प्रदर्शनी के माध्यम से विभागों द्वारा सरकार की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी, ताकि अधिक से अधिक पात्र लोग सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। तीनों दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा, जिसमें शिक्षण संस्थान के विद्यार्थियों के अलावा स्थानीय लोक कलाकार भी अपनी प्रस्तुति देंगे। डीसी ने कहा कि गीता महोत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही तीन दिन के दौरान गीता पूजन हवन, सेमिनार का आयोजन होगा, जिसमें वक्ता गीता के महत्व पर अपने व्याख्यान देंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ स्कूली बच्चों द्वारा गीता का श्लोकोच्चारण किया जाएगा। इसके अलावा अंतिम दिन नगर शोभा यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें गीता पर आधारित झांकियां शामिल होंगी। नगर शोभा यात्रा में धार्मिक व सामाजिक संस्थाएं भी गीता पर आधारित अपनी झांकी शामिल करेंगी। उन्होंने शहर की सभी धार्मिक, मन्दिर व सामाजिक संस्थाओं से गीता महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील भी की।

भारतीय नौसेना का आदर्श वाक्य शानौ वरुना हैःडा. तराना नेगी

एजेंसी

सोनीपत। राजकीय महाविद्यालय पिपली में रक्षा अध्ययन विभाग द्वारा भारतीय जल सेना दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्या डॉ. तराना नेगी ने कहा कि भारतीय जल सेना की स्थापना 1612 ईस्वी में हुई थी और 1947 में इसे एक स्वतंत्र सेना के रूप में मान्यता मिली। भारतीय नौसेना का आदर्श वाक्य शानौ वरुना है, जिसका अर्थ है, जल के देवता वरुण हमारे लिए मंगलकारी रहे। डा. नेगी ने कहा कि भौगोलिक दृष्टि से भारत की सीमा तीन ओर से समुद्र से घिरी है। प्राचीन काल से हिंद महासागर भारत के लिए युद्धक रणनीति और व्यापारिक मार्ग का मुख्य केंद्र रहा है। इसकी सुरक्षा न केवल भारत के लिए बल्कि पूरे विश्व के लिए महत्वपूर्ण है। भारतीय नौसेना राष्ट्रीय सुरक्षा, व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा और मानवीय सहायता के कार्यों में तत्पर रहती है। कार्यक्रम में छात्र बिंदू ने नौसेना की संगठनात्मक संरचना और कार्य प्रणाली की जानकारी दी। डॉ. विनोद मलिक ने 1971 के युद्ध में भारतीय नौसेनाकी गौरवशाली भूमिका पर प्रकाश डाला।उन्होंने बताया कि नौसेना का कार्य केवल जल क्षेत्रकी रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि थल सेना और वायु सेना को सहयोग प्रदान करना भी इसका प्रमुख दायित्व है। प्राचार्या ने छात्रों को देश की सेनाओं में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में श्रीमती किरण सरोहा, डॉ. योगेश बाजवान और सुधीर भी उपस्थित रहे।

समाधान शिविर में डीसी ने महिला ओमवती की पेंशन बनवाकर दी सहूलियत

एजेंसी

पलवल। जिला प्रशासन द्वारा समाधान शिविर में आने वाले शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जा रहा है। जिला मुख्यालय पर आयोजित समाधान शिविर में डीसी डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने ऐसे ही एक शिकायतकर्ता ओमवती पत्नी जयप्रकाश की काफी दिनों से पेंशन से संबंधित समस्याओं को लेकर परेशान शिकायत का समाधान करते हुए पेंशन बनवाकर शिकायतकर्ता को राहत पहुंचाई। शिकायत का समाधान होने उपरांत ओमवती ने प्रदेश सरकार के द्वारा लगाए जा रहे समाधान शिविरों की पहल की सराहना करते हुए प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया है। ओमवती ने बताया कि वोटर कार्ड में जन्मतिथि में गलती की वजह से उसकी वृद्धावस्था पेंशन काफी समय से नहीं बन पा रही थी। आज मैंने जिला प्रशासन की ओर से समाधान शिविर में अपनी शिकायत रखी और डीसी साहब ने मेरी समस्या का निदान कर दिया, जिसके लिए मैं जिला प्रशासन की आभारी हूं। डीसी डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि समाधान शिविर में आने वाली समस्याओं जैसे बिजली, पानी, स्वास्थ्य सेवाएं, राशन कार्ड, फैमिलि आईडी, पैंशन, आधार कार्ड के अतिरिक्त अन्य सभी प्रकार की समस्याओं का मौके पर ही निपटारा

किया जाता है। उन्होंने कहा कि आज समाधान शिविर में आई 22 शिकायतों में से 17 शिकायतों का मौके पर निपटारा किया गया और शेष 5 शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए।डीसी डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि हरियाणा सरकार राज्य के लोगों की समस्या को प्राथमिकता देकर उनका निदान करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। यही कारण है कि सरकार ने लोगों की समस्याओं का समाधान करने के लिए समाधान शिविर लगाने का फैसला किया, जोकि आज पूरी तरह फलीभूत होता नजर आ रहा है। यह समाधान शिविर न केवल जिला स्तर अपितु उपमंडल स्तर पर स्थित लघु सचिवालयों में भी आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से आमजन की समस्या का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाता है, ताकि शिकायतकर्ता को बेवजह परेशान न होना पड़े। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक चन्द्रमोहन, अतिरिक्त उपायुक्त अखिल पिलानी, जिला परिषद सीईओ जितेंद्र कुमार, नगराधीश अप्रतिम सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी व प्रार्थी मौजूद रहे।

विस अध्यक्ष ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संस्थान का दौरा किया

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की 15वीं विधान सभा के विधायकों के प्रशिक्षण की आगामी योजना के लिए विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने चंडीगढ़ के सेक्टर 26 स्थित महात्मा गांधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान का दौरा किया।

इस दौरान उन्होंने संस्थान के महानिदेशक अनिरुद्ध तिवारी (आईएएस) से चर्चा की और कार्यक्रम की व्यवस्थाओं के संबंध में बातचीत की। महानिदेशक ने विस अध्यक्ष को ऑडिटोरियम और कॉन्फ्रेंस हॉल दिखाया और प्रशिक्षण संबंधी विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। दो दिवसीय यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जनवरी माह में आयोजित किया जा सकता है। इस अवसर पर लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला भी मौजूद रहेंगे।

प्रधान महालेखाकार ने की विस अध्यक्ष से मुलाकात

प्रधान महालेखाकार शैलेंद्र विक्रम सिंह ने हरियाणा विधान सभा पहुंच विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने समितियों की कार्यप्रणाली समेत अनेक विषयों पर बातचीत की। प्रधान महालेखाकार ने इस संबंध में विस अध्यक्ष को विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान समितियों को प्रभावी बनाने व लोकहित के कार्य पूरे करने पर चर्चा हुई।

60 साल पार आवेदन के बाद भी पेंशन नहीं बनी, अब बनेगी

एजेंसी

गुरुग्राम। 60 साल पार कर चुकी बुजुर्ग महिला द्वारा आवेदन करने के बाद भी बुढ़ापा पेंशन नहीं बनाई गई। अपनी इस समस्या को लेकर बुजुर्ग बिमला देवी समाधान शिविर में पहुंची। जिला उपायुक्त के समक्ष उन्होंने अपनी समस्या रखी। इस पर उपायुक्त ने उनकी पेंशन तुरंत से उनकी पेंशन शुरू हो जाएगी। समाधान शिविर में 16 समस्याएं रखी गई।

तीन शिकायतों का तत्काल निवारण किया। 13 में कार्यवाही के निर्देश दिए गए। समाधान शिविर में बंधवाड़ी गांव की बिमला देवी शिकायत लेकर आई कि वह बीपीएल परिवार से संबंध रखती है। उसकी आयु 60 साल हो चुकी है। उसने वृद्धावस्था पेंशन के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था, लेकिन अभी तक कोई जवाब उसके पास नहीं आया है। इस पर उपायुक्त अजय कुमार ने समाज कल्याण विभाग के अन्वेषक अशोक कुमार को बिमला देवी के आवेदन के बारे में अपडेट जानने को कहा। अशोक कुमार ने बताया कि चंडीगढ़ मुख्यालय से उक्त महिला की पेंशन स्वीकृत हो गई है। इसे कल गुरुवार से ऑनलाइन शुरू कर दिया जाएगा। शिविर में गांव बसई की निवासी

निर्मला शर्मा ने शिकायत रखी कि उनके गांव में एक निर्माण कंपनी द्वारा लाल डोरे की जमीन में अवैध रूप से कब्जा किया जा रहा है। उनकी बड़ी मशीनरी रात भर चालू रहने के कारण ग्रामवासी काफी परेशान हैं। इसके अलावा कुछ केमिकल भी कपंनी की मशीनों से छोड़े जा रहे हैं। इस पर उपायुक्त ने कहा कि एमसीजी के संयुक्त आयुक्त इस मामले में प्रभावी कार्यवाही करें। समाधान शिविर में गांव धनकोट निवासी हरि सिंह ने शिकायत रखी कि उसे वर्ष 1980 में 100 गज का एक प्लाट पंचायती जमीन पर सरकार से मिला था। इस प्लाट पर एक महिला द्वारा उपले व ईंधन आदि डालकर अवैध कब्जा करने की कोशिश की जा रही है। उपायुक्त ने कहा कि एसडीएम रविंद्र कुमार इस मामले में मौके का मुआयना कर अपनी रिपोर्ट देंगे। इस अवसर पर एसडीएम रविंद्र कुमार, नगराधीश कुंवर आदित्य विक्रम, जुवेनाईल बोर्ड के सदस्य रणजीत सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत रबी सीजन 2024-25 के लिए बीमा प्रक्रिया शुरू

एजेंसी

जींद। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत कलस्टर 2 जिसमें जिला जींद शामिल है के लिए हरियाणा सरकार द्वारा खरीफ 2024 से रबी 2025-26 तक एचडीएफसी इरगो जनरल इंश्योरेंस कंपनी का चयन किया गया है। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि रबी सीजन में गेहूं, जौ, सरसों, चना और सूरजमुखी फसलों का बीमा किया जाएगा। इस योजना के तहत फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2024 है। किसान बैंक और सीएससी के माध्यम से बीमा करवा सकते हैं। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि फसलों के लिए बीमा प्रीमियम की दरें तय कर दी गई हैं। जिसमे गेहूं के लिए 1148.15 रुपये प्रति हेक्टेयर, जौ के लिए 731.85 रुपये प्रति हेक्टेयर, सरसों के लिए 770.95 रुपये प्रति हेक्टेयर, चने के लिए 564.33 रुपये प्रति हेक्टेयर और सूरजमुखी के लिए 778.38 रुपये प्रति हेक्टेयर हैं। उपायुक्त ने बताया कि जो ऋणी किसान फसल बीमा नहीं कराना चाहते हैं, उन्हें अंतिम तिथि से सात दिन पूर्व बैंक में लिखित आवेदन देना होगा। यदि आवेदन नहीं दिया गया तो सभी किसानों का बीमा काटना बैंकों के लिए अनिवार्य होगा। अगर किसान अपनी फसल में बदलाव करना चाहते हैं तो उन्हें अंतिम तिथि से दो दिन पहले बैंक में इसकी सूचना देनी होगी। सूचना न देने पर फसल में बदलाव स्वीकार नहीं किया जाएगा। फसल खराबे (अत्यधिक बारिश या ओलावृष्टि) की स्थिति में किसान केआरपीएच (14447) या मोबाइल एप के माध्यम से खराबे की सूचना 72 घंटे के भीतर दर्ज करवा सकते हैं। उपायुक्त ने सभी किसानों से अपील की है कि वे अपनी फसलों का बीमा कराकर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का अधिकतम लाभ उठाएं।

एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज ने आईपीओ के लिए डीआरएचपी किया दाखिल

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 37 करोड़ रुपये जुटाने की है। सेबी के पास जमा दस्तावेज के मुताबिक कंपनी इस आईपीओ के जरिए 185 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी। 1.08 करोड़ शेयरों की बिक्री ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए की जाएगी। इसके साथ ही ओएफएस के हिस्से के रूप में प्रमोटर साकेत चंद्र सिंह प्रताप सिंह ढंडोरिया और संदीप सुधाकर असोलकर सहित मौजूदा शेयरधारक अपने शेयर बेचेंगे। एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 48.17 फीसदी है, जबकि शेष 51.83 फीसदी शेयर पब्लिक शेयरहोल्डर्स के पास हैं। कंपनी इस आईपीओ के तहत फ्रेश इश्यू से होने वाली आय का इस्तेमाल मुख्य रूप से कर्ज चुकाने और वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने के लिए करेगी। इस इश्यू के लिए आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज, जेएम फाइनेंशियल और नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट को बुक रनिंग लीड मैनेजर नियुक्त किया गया है। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के साथ-साथ कंपनी के पास वेस्ट-वाटर ट्रीटमेंट सेगमेंट में 621 इंस्टॉलेशन है।

मिनीरत्न कंपनी मॉयल ने नवंबर में 1.63 लाख टन मैंगनीज अयस्क का किया उत्पादन

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की मिनीरत्न कंपनी मॉयल लिमिटेड ने नवंबर, 2024 में 1.63 लाख टन मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया है, जो स्थापना के बाद से नवंबर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। चालू वित्त वर्ष 202425 के पहले आठ महीनों के दौरान कंपनी ने 11.80 लाख टन उत्पादन किया है, जो पिछले वित्?त वर्ष की इसी अवधि (सीपीएलवाई) की तुलना में 8.46 फीसदी अधिक है। इस्पात मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि बिक्री के मोर्चे पर भी कंपनी ने नवंबर में 1.33 लाख टन की अब तक की सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 32 फीसदी अधिक है। मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 के पहले आठ महीनों के दौरान कंपनी ने 9.90 लाख टन की बिक्री की है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि से 4.76 फीसदी अधिक है। कंपनी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के 8 महीनों के भीतर मॉयल लिमिटेड ने एक हजार करोड़ रुपये का कारोबार के आंकड़ा पार कर लिया है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में एक महीने पहले ही हासिल किया गया है। इसी तरह अन्वेषण पर अत्यधिक जोर देते हुए मॉयल लिमिटेड ने अप्रैल-नवंबर, 2024 के दौरान 63,654 मीटर की अन्वेषणात्मक कोर ड्रिलिंग की है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 1.28 गुना अधिक है। मॉयल के सीएमडी अजीत कुमार सक्सेना ने कहा कि यह खुशी की बात है कि कंपनी ने उत्पादन और बिक्री दोनों में ही बेहतर प्रदर्शन की गति जारी रखी है। उन्होंने आगे कहा कि मॉयल की टीम एक और सफल वित्तीय वर्ष दर्ज करने के लिए तैयार है।

आरबीआई की एमपीसी बैठक शुरू, छह दिसंबर को होगा फैसलों का ऐलान

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक मुंबई में शुरू हो गई है। तीन दिनों तक चलने वाली बैठक में इस बार भी नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में बदलाव की संभावना कम है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में छह सदस्यीय एमपीसी की बैठक 6 दिसंबर तक चलेगी। आरबीआई गवर्नर 6 दिसंबर को नीतिगत ब?याज दर रेपो रेट की घोषणा करेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई एमपीसी की समीक्षा बैठक में नीतिगत ब्यावज दर रेपो रेट को एक बार फिर अपरिवर्तित रख सकता है। दरअसल, केंद्रीय बैंक के पास इस बार बहुत कम विकल्प होंगे, क्योंकि खुदरा महंगाई दर छह फीसदी से ऊपर है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी ग्रोथ 5.4 फीसदी की दर से बढ़ी है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने फरवरी, 2023 से नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 6.5 फीसदी पर बरकरार रखा है। कोरोना महामारी से पहले 6 फरवरी, 2020 को रेपो रेट 5.15 फीसदी पर था।

तीसरी पीढ़ी की होंडा अमेज लॉँच, कीमत 799900 रुपये से शुरू

नयी दिल्ली। प्रीमियम यात्री वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड (एचसीआईएल) ने आज भारत में बहुप्रतीक्षित नयी तीसरी पीढ़ी की होंडा अमेज लॉँच की जिसकी शुरूआती एक्स शोरूम कीमत 799900 रुपये है।कंपनी के अध्यक्ष और सीईओ ताकुया त्सुमुरा ने नई अमेज़ के लॉन्च के मौके पर कहा, हम ऑल-न्यू अमेज़ को पेश करते हुए बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। यह कार अपने स्टाइल, सुरक्षा, कनेक्टिविटी, ड्राइविंग अनुभव और आराम के मामले में शानदार साबित होगी। अमेज़ हमेशा से भारतीय उपभोक्ताओं के दिलों में एक खास जगह रखती आई है। यह नई पीढ़ी का मॉडल हमारे ग्राहकों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। हमें पूरा भरोसा है कि यह नई अमेज़ इस सेगमेंट में नए मानक स्थापित करेगी और भारत में होंडा की विरासत को और मजबूत बनाएगी।

सर्राफा बाजार में सपाट कारोबार, सोने-चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सपाट स्तर पर कारोबार हो रहा है। सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज भी 77,930 रुपये से लेकर 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,450 रुपये से लेकर 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में भी आज लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। इस वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत आज भी 91,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,930 रुपये प्रति 10

ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,830 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना बुधवार के भाव पर ही कारोबार कर रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना भी 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

आरबीआई ने यूपीआई लाइट वॉलेट की लिमिट 5000 रुपये तक बढ़ाई

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। ऑनलाइन ट्रांजेक्शन करने वालों के लिए खुशखबरी है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने यूपीआई लाइट वॉलेट की लिमिट को बढ़ाकर 5,000 रुपये और प्रति लेन-देन सीमा को बढ़ाकर 1,000 रुपये कर दिया है। इसका मकसद मोबाइल फोन के जरिए तत्काल भुगतान की प्रणाली को और ज्यादा बढ़ावा देना है, ताकि इसको व्यापक रूप से अपनाया जा सके। आरबीआई की ओर से जारी एक अधिसूचना के मुताबिक रिजर्व बैंक ने जनवरी 2022 में जारी 'ऑफलाइन ढांचे' में संशोधन किया है, जिसका उद्देश्य ऑफलाइन मोड में छोटे मूल्य के डिजिटल भुगतान को सुविधाजनक बनाना है। वर्तमान में ऑफलाइन भुगतान लेन-देन की ऊपरी सीमा 500 रुपये है, जबकि किसी भी समय भुगतान साधन पर ऑफलाइन लेन-देन की कुल सीमा 2,000 रुपये है। यूपीआई लाइट लेन-देन इस सीमा तक ऑफ़लाइन होते हैं कि अतिरिक्त प्रमाणीकरण कारक (एएफए) की जरूरी नहीं होती है, जबकि लेन-देन अलर्ट वास्तविक समय में नहीं भेजे जाते हैं रिजर्व बैंक की ओर से जारी एक परिपत्र में कहा गया है, यूपीआई लाइट के लिए बढ़ी हुई सीमा 1,000 रुपये प्रति लेन-देन होगी, जबकि किसी भी समय कुल भुगतान की सीमा 5,000 रुपये होगी। इस संबंध में केंद्रीय बैंक ने इस वर्ष अक्टूबर महीने में इसकी घोषणा की थी। गौरतलब है कि ऑफलइन भुगतान का अर्थ है ऐसा लेन-देन जिसके लिए इंटरनेट या दूरसंचार कनेक्टिविटी की आवश्यकता नहीं होती।

ईएसआईसी ने एशिया-प्रशांत सामाजिक सुरक्षा फोरम में 4 पुरस्कार जीते

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) को सऊदी अरब के रियाद में आयोजित एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय सामाजिक सुरक्षा फोरम (आरएसएसएफ एशिया-पैसिफिक) में चार पुरस्कार मिले हैं।

श्रम और रोजगार मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि ईएसआईसी को सामाजिक सुरक्षा लाभों की विभिन्न विधाओं में सेवा प्रदान करने में उत्कृष्टता के लिए चार पुरस्कार मिला है। ईएसआईसी के महानिदेशक अशोक कुमार सिंह ने मंगलवार को पुरस्कार प्राप्त किया। मंत्रालय के मुताबिक ईएसआईसी को उसके मोबाइल एप्लीकेशन (आस्क एन अप्वाइंटमेंट-एएए+) के लिए जूरी से विशेष उल्लेख के साथ एक उत्कृष्टता प्रमाण पत्र और कार्यस्थल पर होने वाली दुर्घटना और बीमारी, सतत निवेश और व्यवस्था में लचीलापन के लिए तीन उत्कृष्टता प्रमाण पत्र दिए गए हैं। निगम को ये सम्मान अंतरराष्?ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (आईएसएसए) ने 03 दिसंबर, 2024 को सऊदी अरब के रियाद में आयोजित एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय सामाजिक सुरक्षा फोरम में दिया गया।

आस्क एन अप्वाइंटमेंट मोबाइल ऐप

एंड्रॉइड तथा आईओएस दोनों

पर उपलब्ध ईएसआईसी का आस्क एन अप्वाइंटमेंट मोबाइल ऐप (एएए+) बीमित व्यक्तियों, लाभार्थियों, कर्मचारियों और ईएसआई पेंशनभोगियों को सेवा प्रदान करता है। यह ऐप अंग्रेजी, हिंदी तथा छह क्षेत्रीय भाषाओं सहित 8 भाषाओं में भी उपलब्ध है। पिछले दो वर्षों में लाभार्थियों के लिए आधार सीडिंग, होम सैंपल कलेक्शन अनुरोध और विभिन्न ईएसआई लाभों के लिए पात्रता जांच जैसी नई सुविधाएं इससे जोड़ी गई हैं। इसके अतिरिक्त, फार्मेसी काउंटरों पर प्रेसक्रिप्?शन को प्राथमिकता दी जाती है जिससे एएए+ पर अपॉइंटमेंट के लिए कुशल सेवा सुनिश्चित होती है।

उलेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ की स्थापना 1927 में जिनेवा स्थित अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के तत्वावधान में की गई थी। यह सामाजिक सुरक्षा संगठनों, सरकारों और सामाजिक सुरक्षा विभागों के लिए प्रमुख संगठन है। इसका उद्देश्य एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सामाजिक सुरक्षा संगठनों के बीच सहयोग और विशेषज्ञता के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है।

एनएसआईसी ने सरकार को 37.97 करोड़ रुपये लाभांश का दिया चेक

एजेंसी

नई दिल्ली।राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड (एनएसआईसी) ने वित्?त वर्ष 2023-24 के लिए केंद्र सरकार को 37.97 करोड़ रुपये का लाभांश दिया है। एनएसआईसी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डा. सुभ्रांशु शेखर आचार्य ने केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री जीतन राम मांझी और राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे को लाभांश चेक प्रदान किया। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि एनएसआईसी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डा. सुभ्रांशु शेखर आचार्य ने केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी और राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 37.97 करोड़ रुपये का लाभांश चेक प्रदान किया। इस अवसर पर एससीएल दास, सचिव (एमएसएमई) और मंत्रालय और एनएसआईसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। मंत्रालय ने कहा कि यह एनएसआईसी द्वारा दिया गया अब तक का सबसे अधिक लाभांश है। अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. सुभ्रांशु शेखर आचार्य ने कहा कि निगम का परिचालन से राजस्व वित्त वर्ष

2023-24 में 3,273 करोड़ रुपये था, जो 18.16 फीसदी की वृद्धि दर्ज करता है और वित्?त वर्ष के लिए कर के बाद लाभ (पीएटी) 126.56 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष से 14.55 फीसदी अधिक है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने आग्रह किया कि एनएसआईसी को देशभर में एमएसएमई को सेवा प्रदान करते रहना चाहिए तथा कौशल विकास और उद्यम सृजन के लिए नए रास्ते तलाशने चाहिए।

फॉर्च्यून सुपोषण ने जीता इंडियन सीएसआर पुरस्कार

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी खाद्य और एफएमसीजी कंपनियों में से एक, अदाणी विल्मर लिमिटेड को नई दिल्ली में प्रतिष्ठित भारतीय सीएसआर पुरस्कार 2024 में अपनी प्रमुख सीएसआर पहल, फॉर्च्यून सुपोषण के लिए 'वर्ष 2024 की सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण बाल स्वास्थ्य सेवा पहल' का पुरस्कार मिला है। यह सम्मान ग्रामीण भारत में कुपोषण और एनीमिया से निपटने की दिशा में परियोजना के महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता प्रदान करता है, जिसमें बच्चों, किशोरियों और प्रजनन क्षमता वाली महिलाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। 2016 में शुरू किया गया फॉर्च्यून सुपोषण कार्यक्रम अदानी विल्मर की एक पहल है, जिसे अदाणी समूह की सीएसआर शाखा अदाणी फाउंडेशन द्वारा क्रियान्वित किया गया है। यह परियोजना अपने अनूठे दृष्टिकोण के साथ अनगिनत लोगों के जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रही है, जिसमें ग्राम पंचायतों, स्थानीय प्रशासन, स्वास्थ्य सुविधाओं और आशा कार्यकर्ताओं सहित हितधारकों के साथ सक्रिय जुड़ाव शामिल है।

लाइसेंसिंग व सत्यापन प्रक्रिया सरल बनाने के लिए ईमैप विकसित कर रहा है केंद्र

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार राज्य विधिक मापविज्ञान विभागों और उनके पोर्टलों को एकीकृत राष्ट्रीय प्रणाली में समायोजित करने के लिए राष्ट्रीय विधिक मापविज्ञान पोर्टल (ईमैप) विकसित कर रही है। इस पहल का उद्देश्य लाइसेंस जारी करने, सत्यापन करने और प्रवर्तन और अनुपालन के प्रबंधन की प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना है। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि केंद्र सरकार का उपभोक्ता मामले का विभाग ईमैप विकसित कर रहा है। इसका उद्देश्य लाइसेंस जारी करने, सत्यापन करने और प्रवर्तन एवं अनुपालन के प्रबंधन के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाना है। इसके लागू होने पर व्यवसाय और उद्योग जगत ऑनलाइन आवेदन करके कानूनी माप-पद्धति अनुमोदन, लाइसेंस और पंजीकरण प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकते हैं। मंत्रालय के मुताबिक एक केंद्रीकृत डेटाबेस होने से ईमैप हितधारकों को कई राज्य पोर्टलों पर पंजीकरण करने की जरूरतें समाप्त हो जाएगी, जिससे व्यापार करने में आसानी होगी और व्यापार नियमों में पारदर्शिता को भी बढ़ावा मिलेगा।

पोर्टल के विकास के लिए उपभोक्ता मामले विभाग के सचिव की अध्यक्षता में एक हाइब्रिड बैठक 28 नवंबर को हुई जिसमें उद्योग और फिक्की, सीआईआई, पीएचडी, एसोचैम जैसे उद्योग संघ, राज्य कानूनी माप विज्ञान विभागों के प्रतिनिधि और एनआईसी की टीम शामिल हुई। बैठक के दौरान प्राप्त सुझावों की समीक्षा की जा रही है और पोर्टल को कुशल और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने के लिए उन्हें शामिल किया जा रहा है।

नीति आयोग ने नई दिल्ली में 'ट्रेड वॉच क्वार्टरली' का शुभारंभ किया

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग की उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के लिए भारत के व्यापार सांख्यिकीय आंकड़ों का विश्लेषण करने वाले ट्रेड वॉच क्वार्टरली का नई दिल्ली में शुभारंभ किया। इस अवसर पर आयोग के सदस्यों डॉ. वीके सारस्वत एवं डॉ. अरविंद विरमानी, मुख्य कार्यपालक अधिकारी बीवीआर सुब्रह्मण्यम और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

नीति आयोग ने एक बयान में बताया कि व्यापार संबंधी क्षेत्रों पर नजर रखने वाला यह प्रकाशन वैश्विक मांग-आपूर्ति परिप्रेक्ष्य, क्षेत्रीय प्रदर्शन और उभरते व्यापार अवसरों की अंतर्दृष्टि को समाहित करते हुए भारत की व्यापार स्थिति की समग्र तस्वीर प्रस्तुत करता है।

वित्त वर्ष 2024-24 की पहली तिमाही के दौरान भारत के व्यापार प्रदर्शन में स्थिरता और मध्यम वृद्धि देखी गई। देश का कुल व्यापार 576 अरब डॉलर रहा, जो साल-दर-साल 5.45 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। ये प्रकाशन एक त्रैमासिक शृंखला का शुभारंभ है, जिसका उद्देश्य भारत की व्यापार गतिशीलता के बारे में समय पर जानकारी प्रदान करना है। आयोग के मुताबिक व्यापारिक निर्यात में सीमित वृद्धि देखी गई है, जो लोहा और इस्पात जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के साथ-साथ प्राकृतिक रूप से पाये जाने वाले और मोती की खेती (पर्ल कल्चर) के क्षेत्र में गिरावट से प्रभावित थी

। दूसरी ओर विमान, अंतरिक्ष यान, खनिज ईंधन और वनस्पति तेलों सहित उच्च मूल्य वाली वस्तुओं के आयात में वृद्धि देखी गई और सेवाओं के निर्यात में उत्साह दिखा है। नीति आयोग के सदस्य डॉ. विरमानी ने यह व्यापक व्यापार प्रकाशन तैयार करने के लिए पूरी टीम को बधाई दी। उन्?होंने कहा कि यह दस्तावेज भारत के उभरते व्यापार परिदृश्य को दिशा देने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कर नोटिस जारी करते समय राजस्व से पहले अर्थव्यवस्था के हित का रखें ध्यानः राजस्व सचिव

एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्व सचिव संजय मल्?होत्रा ने यहां राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों से कहा कि वे तस्करी गिरोहों के सरगना को पकड़ें, लेकिन वाणिज्यिक धोखाधड़ी के मामलों में बड़े व्यापारियों के खिलाफ नोटिस जारी करने से पहले अर्थव्यवस्था के हित को भी ध्यान में रखें। संजय मल्होत्रा ने नई दिल्ली में राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के 67वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। राजस्व सचिव ने कहा कि विभाग के लिए प्रौद्योगिकी बदलाव के अनुरूप कौशल तथा कार्यबल को उन्नत करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे सरगनाओं एवं आकाओं पर ध्यान केंद्रित करें और तस्करी गिरोहों का भंडाफोड़ करें। राजस्व सचिव ने अधिकारियों से कहा कि संभावित वाणिज्यिक धोखाधड़ी के मामलों में शामिल व्यापारियों या व्यवसायों के

खिलाफ कार्रवाई करते समय ''बेहद सतर्क'' रहने की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि कुछ वस्तुओं पर समूचे उद्योग में कुछ कर मांगें तथा वर्गीकरण विवाद तकनीकी प्रकृति के हो सकते हैं, जिसके कारण बहुत अधिक डिमांड नोटिस जारी किए जाते हैं। वहीं, सीबीआईसी के अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि आज के डिजिटल युग में वित्तीय अपराधों की जटिलता कई गुना बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि तस्करों और अपराधियों ने पता लगाने से बचने के लिए तकनीक का लाभ उठाते हुए परिष्कृत तरीके अपनाए हैं। डीआरआई ने इन खतरों का मुकाबला करने के लिए ब्लॉकचेन तकनीक जैसे क्षेत्रों में कौशल वृद्धि और अत्याधुनिक उपकरणों को अपनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए तेजी से अनुकूलन किया है। इससे पहले राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल के साथ मिलकर भारत में तस्करी रिपोर्ट 2023-24 और अप्रैल से 24 सितंबर तक के डीआरआई बुलेटिन का अनावरण किया है, जिसमें संगठित तस्करी के रुझान, वाणिज्यिक धोखाधड़ी और अंतरराष्ट्रीय प्रवर्तन संचालन और सहयोग का विश्लेषण किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के तहत राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) देश में तस्करी विरोधी क्षेत्र में भारतीय सीमा शुल्क की शीर्ष एजेंसी है।

भारतीय रेलवे प्रत्येक टिकट पर 46 प्रतिशत छूट प्रदान करता है : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेलवे प्रत्येक टिकट पर 46 प्रतिशत छूट प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे प्रतिवर्ष सभी श्रेणी के यात्रियों को कुल 56,993 करोड़ रुपये की सब्सिडी देता है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान रेल सेवाओं से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा कि भारत सरकार रेलवे में यात्रियों को किफायती रखने के लिए 56,993 करोड़ रुपये की सब्सिडी दे रही है। उन्होंने कहा कि यदि किसी पैसेंजर सर्विस को ऑपरेट करने की कॉस्ट सौ रुपये है तो उसमें टिकट का मूल्य मात्र 54 रुपये रखा गया है सभी यात्रियों को 46 प्रतिशत सब्सिडी दी जा रही है।वैष्णव ने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार गरीबों के प्रति समर्पित है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रत्येक नागरिक तक बेहतर रेल सुविधा उपलब्ध कराने के लिए

जनरल कोच की संख्या बढ़ा रही है। वैष्णव ने कहा कि आज फर्स्ट एसी, सेकेंड एसी और थर्ड एसी के कोच बढ़ाने पर फोकस नहीं है बल्कि जनरल कोच की संख्या बढ़ाने पर प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इस साल दिसंबर के अंत तक एक हजार जनरल कोच बढ़ाए जाएंगे। इसके साथ ही 10 हजार जनरल कोच के स्पेशल प्रोडक्शन का कार्यक्रम हाथ में लिया गया है।

गुजरात में छोटे व्यवसायों के कर्ज में 69 प्रतिशत की वृद्धि- एक्सपेरियन

अहमदाबाद। एक्सपेरियन इंडिया के श्वेत पत्र में बताया गया है कि गुजरात ने 10 लाख रुपये तक के व्यवसायिक कर्जों में 69 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि देखी है, जिससे राज्य को भारत के बढ़ते छोटे टिकट लेंडिंग बाजार में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में मजबूत किया गया है। एक्सपेरियन इंडिया के एक नए श्वेत पत्र की ओर से यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार एक्सपेरियन इंडिया ने हाल ही में एक रिपोर्ट का शीर्षक 'स्मॉल इज बिग- हाउ फिनटेक आर रेवोल्यूशनाइजिंग लेंडिंग' नामक एक श्वेत पत्र जारी किया है। जिसमें एफवाय'24 के दौरान गुजरात की लेंडिंग वृद्धि को एफवाय'23 के मुकाबले उजागर किया गया है, जो राज्य की वित्तीय समावेशन में प्रगति को दिखाता है, जो फिनटेक-प्रेरित समाधानों के माध्यम से संभव हुई है।

लगातार चौथे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 2.07 लाख करोड़ का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार लगातार चौथे कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी तेजी के साथ हुई थी। दोपहर 12 बजे के बाद बिकवाली के दबाव के कारण शेयर बाजार कुछ देर के लिए लाल निशान में भी गिर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.14 प्रतिशत और निफ्टी 0.04 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के बाद बैंकिंग, आईटी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और हेल्थकेयर सेक्टर में खरीदारी होती रही। दूसरी ओर ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी, मेटल, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी का माहौल बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.83 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.68 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई तेजी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 455.59 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया, जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 453.52 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.07 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,070 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,386 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,582 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 102 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,490 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,495 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 995 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 22 शेयर हरे निशान में और 28 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 190.47 अंक की तेजी के साथ 81,036.22 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण सूचकांक में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक दोपहर 12 बजे तक 399.64 अंक उछल कर 81,245.39 अंक तक पहुंच गया। हालांकि, दोपहर 12 बजे के बाद बिकवाली के दबाव की वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 600 अंक से ज्यादा टूट कर 215.22 अंक की कमजोरी के साथ 80,630.53 अंक तक गिर गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने दोबारा जोर लगाया, जिसके कारण ये सूचकांक हरे निशान में अपनी जगह बनाने में सफल रहा। पूरे दिन की खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 110.58 अंक की तेजी के साथ 80,956.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ।सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 31.60 अंक उछलकर 24,488.75 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवालों ने खरीदारी का जोर बना दिया, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 12 बजे तक ये सूचकांक 116.05 अंक उछल कर 24,573.20 अंक तक पहुंच गया। हालांकि, ये तेजी अधिक देर तक नहीं टिकी और दिन के दूसरे सत्र में अचानक बिकवाली का दबाव बढ़ जाने के कारण ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 200 अंक से ज्यादा लुढ़क कर 90.85 अंक की कमजोरी के साथ 24,366.30 अंक तक गिर गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने एक बार फिर जोर लगाया।

एक दिन में कितनी बार पेशाब करना नॉर्मल हर घंटे पर प्रेशर बनना किस बीमारी का संकेत, डॉक्टर से समझें

सर्दियों के मौसम में अगर आपको हर घंटे पर पेशाब जाने की जरूरत महसूस हो रही है, तो यह किसी परेशानी का संकेत हो सकता है. लोगों को इसे लेकर डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए. फ्रीक्वेंट यूरिनेशन किसी भी मौसम में नॉर्मल नहीं होता है.

सर्दियों के मौसम में लोगों को ज्यादा पेशाब आने लगता है. कई बार तो लोग हर घंटे पर पेशाब करने जाते हैं. हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो गर्मियों के मुकाबले सर्दियों में लोगों को ज्यादा बार यूरिनेशन की जरूरत होती है, क्योंकि इस दौरान लोगों का पसीना कम निकलता है और शरीर से एक्स्ट्रा पानी पेशाब के जरिए ही बाहर निकलता है. कोल्ड सेंसेशन से पेशाब ज्यादा आता है. सर्दियों में हवा में नमी होती है और सांस लेने के दौरान हमारे शरीर में नमी भी पहुंचती है. इससे फेफड़ों को फंक्शनिंग के लिए कम पानी की जरूरत होती है. ऐसे में पेशाब ज्यादा बनने लगता है. सर्दियों में पेशाब ज्यादा बनने की कई वजह हो सकती हैं, लेकिन हर घंटे पर पेशाब का प्रेशर बनना बीमारियों का संकेत हो सकता है.

नई दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल के यूरोलॉजी डिपार्टमेंट के वाइस चेयरमैन डॉ. अमरेंद्र पाठक ने हृद्2ह्य18 को बताया कि 24 घंटे में 7 से 8 बार पेशाब करना नॉर्मल माना जाता है. अगर किसी को हर घंटे पर पेशाब जाने की जरूरत महसूस हो रही है, तो इसे फ्रीक्वेंट यूरिनेशन माना जाएगा. सर्दियों के मौसम में लोग ज्यादा चाय-कॉफी पीने लगते हैं, जिनमें ड्यूरेटिक प्रॉपर्टी होती हैं. इससे लोगों को ज्यादा पेशाब आने लगता है. इसके अलावा 40 से 45 की उम्र के बाद प्रोस्टेट बढ़ने की परेशानी पैदा हो सकती है. इसकी वजह से लोगों को बार-बार यूरिनेशन के लिए जाना पड़ सकता है. कई हेल्थ प्रॉब्लम्स की वजह से भी लोग बार-बार पेशाब जाने लगते हैं. अगर कोई हर घंटे पर पेशाब जा रहा है, तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए.

डॉक्टर पाठक ने बताया कि हमारी पेशाब की थैली में 300 से 400 द्रव्य पेशाब होल्ड करने की क्षमता होती है. जब किसी व्यक्ति की पेशाब की थैली सेंसिटिव हो जाती है, तब 100 द्रव्य पेशाब भरने पर भी यूरिनेशन की जरूरत महसूस होने लगती है. इस परेशानी को ओवरएक्टिव ब्लेडर भी कहा जाता है. प्रोस्टेट की बीमारी, यूरिन इंफेक्शन और हाई ब्लड शुगर होने पर भी लोगों को बार-बार पेशाब जाने की जरूरत होती है. कभी-कभी हार्ट के पेशेंट्स को बीपी कंट्रोल करने के लिए जो दवाएं दी जाती हैं, उनसे भी यूरिनेशन बढ़ जाता है. डायबिटीज के मरीजों को फ्रीक्वेंट यूरिनेशन का ज्यादा सामना करना पड़ता है, क्योंकि जब पेशाब के जरिए शुगर बाहर निकलती है, तब यूरिन इंफेक्शन का खतरा भी बढ़ता है. इससे लोगों को बार-बार पेशाब जाना पड़ता है.

यूरोलॉजिस्ट का कहना है कि लोगों को सर्दियों में गर्मियों के मुकाबले यूरिनेशन के लिए ज्यादा जाना पड़ता है. इसे कंट्रोल करने के लिए चाय-कॉफी का सेवन लिमिट में करना चाहिए और डायबिटीज को कंट्रोल करने की कोशिश करनी चाहिए. अगर आपको यूरिन इंफेक्शन है, तो डॉक्टर से मिलकर जांच करानी चाहिए. हालांकि फ्रीक्वेंट यूरिनेशन की समस्या हो, तो सबसे पहले यूरोलॉजिस्ट से मिलना चाहिए. डॉक्टर आपको फिजिकल एग्जामिनेशन के बाद कुछ दवाएं दे सकते हैं. इसके बाद पेशाब का फ्लो टेस्ट, अल्ट्रासाउंड और यूरिन टेस्ट, शुगर लेवल टेस्ट करा सकते हैं. इन टेस्ट की रिपोर्ट्स के बाद पता चल जाएगा कि आपको क्या समस्या है. फिर आपको इन परेशानियों की दवाएं दी जाएंगी, ताकि फ्रीक्वेंट यूरिनेशन से निजात मिल सके.

एक नए राजनैतिक नक्षत्र का उभार

हेमंत की सफलता दो को छोड़कर सारे आदिवासी ठिकानों से अपने अर्थात झामुमो और इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार जिताना नहीं है। उसे इनसे या अधिकांश आदिवासी वोट पाने भर से ठीक से समझा ही नहीं जा सकता। सारी रिजर्व सीटों पर तो भाजपा पिछली बार भी हारी थी। हेमंत का असली बड़ा काम है अलग-अलग कबीलों में अब तक बंटे रहे झारखंड के आदिवासी समाज को एकजुट करना।

झारखंड के विधायकों द्वारा मुख्यमंत्री चुन लिए जाने के बाद जब हेमंत सोरेन जब दिल्ली आकर अपने शपथ ग्रहण समारोह का न्यौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को देने आए तो कई लोगों को हैरानी हुई क्योंकि उनकी पिछली पारी में इसी जोड़ी ने उनका राज करना मुश्किल कर दिया था और आखिर में लंबी जेल भी काटने को मजबूर किया था। चुनावी लड़ाई में भी चंपई सोरेन और सीता सोरेन जैसे करीबी लोगों को तोड़कर भाजपा ने अपनी राजनैतिक लड़ाई को काफी हद तक सोरेन परिवार के खिलाफ निजी खुंदक जैसा बना लिया था। जो लोग हेमंत सोरेन और झारखंड के आम आदिवासियों का स्वभाव जानते थे उनके लिए यह न्यौता न तो महज औपचारिकता थी ना ही भाजपा के जले पर नामक छिड़कने की कोशिश। न ही इसमें यह जताने का भाव था कि आपने जितना परेशान किया मुझे आदिवासियों और झारखण्डियों का उतना ही पक्का समर्थन मिला। बताना न होगा कि मोदीजी और शाह की अनुपस्थिति के बिना भी हेमंत सोरेन का शपथ ग्रहण समारोह ग्रैंड था और उन्होंने चुनावी वायदों को पूरा करने का भरोसा दिया।हेमंत ने इस अवसर पर ही नहीं अपनी सरकार को गिराने की भाजपाई कोशिश के पूरे पांच साल के दौर में बहुत ही मैच्योर पॉलिटीशियन होने का प्रमाण दिया, जो उनके पिता शिबू सोरेन अर्थात गुरुजी समेत कोई आदिवासी नेता नहीं देता था। आम स्वभाव में अन्याय का तगड़ा प्रतिरोध करने वाला आदिवासी अक्सर ऐसी स्थितियों में काफी उग्र प्रतिक्रिया देता रहा है जबकि उसके नेता लोभ और दबाव में टूट जाते रहे हैं। यह बात देश भर पर लागू होती है लेकिन झारखंड पर खास तौर से। वहां नेता बार-बार %बाइक% हैं लेकिन जनता का बगावती तेवर मद्धिम नहीं पड़ा है। हेमंत ने इसी स्वभाव को पहचान कर उसे अपनी लड़ाई का मुख्य हथियार बनाया। उन्होंने झारखंड और आदिवासियों से भेदभाव का सवाल केन्द्रीय रखा और अपना दावा कभी कमजोर नहीं पड़ने दिया। और जब जेल जाने की स्थिति बनी तो सीधी टकराहट (जैसा दिल्ली में अरविन्द केजरीवाल ने दिखाया) या अपने परिवार के किसी को कुर्सी सौंपने की जगह कोलहान टाइगर नाम से मशहूर चंपई सोरेन को गद्दी सौंप दी। जेल से छूटने के बाद उन्होंने गद्दी वापस ली तो भाजपा ने उसे भी मुद्दा बनाकर और कुछ लोभ देकर चंपई को अपने पक्ष में किया। माना जाता है कि अगर उनके निर्वाचन क्षेत्र में आदित्यपुर और गमरिया जैसे जमशेदपुर के शहरी हिस्से न होते तो उनको भी आदिवासी नकार चुके होते।चंपई हों या सीता सोरेन उनका व्यवहार पहले कांग्रेस या भाजपा या कहें सत्ता के प्रलोभनों और दबाव में टूटे अन्य आदिवासी नेताओं जैसा ही रहा। जबकि हेमंत ने तब भी दो पावर सेंटर न बनने देने की जबरदस्त व्यावहारिक सोच दिखाते हुए(कहा जाता है कि यह सुझाव सोनिया गांधी का था) मुख्यमंत्री की कुर्सी वापस ले ली। और देखा कि उन्होंने कितनी मुश्किल लड़ाई को किस आसानी से जीत लिया। शिवराज सिंह चौहान और हेमंत बिस्वा सरमा जैसों की महीनों की कवायद और भाजपा का सारा संसाधन धरा रह गया। घुसपैठ का मुद्दा बनाने के लिए भाजपा ने(जिसके असली सूत्रधार मोदी-शाह ही रहे) आखिरी दिन तक छापा, गिरफ़्तारी, कथित मनी-ट्रेल बनाने जैसी सारी तैयारियां पूरी कर ली थी, लेकिन कुछ काम न आया। बल्कि उसे अब तक आराम से मिलने वाला ओबीसी वोट भी इस बार पहले से कम हुआ और उसे सिर्फ शहरी और अगड़ा वोटरों का सहारा रह गया। आदिवासी वोट तोड़ने की सारी कवायद फेल हो गई और अंतिम समय अपनी पार्टी का विलय करके भाजपा अध्यक्ष बने बाबूलाल मारांडी को भूमिहार वोट के सहारे जीतना पड़ा। इसके लिए नाराज पूर्व सांसद रवींद्र राय को मनाना और बागी नित्यानंद राय को बैठाने में जोर लगाना पड़ा। उल्लेखनीय है कि भाजपा की तरफ से सिर्फ बाबूलाल मारांडी और चंपई सोरेन ही जीत पाए थे।

हेमंत की सफलता दो को छोड़कर सारे आदिवासी ठिकानों से अपने अर्थात झामुमो और इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार जिताना नहीं है। उसे इनसे या अधिकांश आदिवासी वोट पाने भर से ठीक से समझा ही नहीं जा सकता। सारी रिजर्व सीटों पर तो भाजपा पिछली बार भी हारी थी। हेमंत का असली बड़ा काम है अलग-अलग कबीलों में अब तक बंटे रहे झारखंड के आदिवासी समाज को एकजुट करना। आपको याद होगा कि मुख्यमंत्री रहते हुए भी शिबू सोरेन उरांव प्रभुत्व के तमाड़ इलाके में जाकर अनजान पीटर से हार गए थे। आदिवासियों की नई एकजुटता तो भाजपा द्वारा पहला गैर-आदिवासी मुख्यमंत्री(रघुवर दास) बनाने से ही शुरू हुई थी लेकिन उसे एक अंजाम तक लाना आसान न था। हेमंत ने यह काम किया और आज वे शिबू सोरेन समेत किसी भी आदिवासी नेता की तुलना में बड़ा और ज्यादा ताकतवर बन चुके हैं।

इसलिए अब उनकी जवाबदेही ज्यादा बड़ी है-झारखंड के साथ मुल्क भर के आदिवासियों की आवाज बनाना और देश की राजनीति में आदिवासी स्वर को अधिक प्रमुख स्थान दिलाना। हेमंत ने अपना कौशल इंडिया गठबंधन के साथी दलों के दावों और उम्मीदवारों को संभालने में भी दिखाया। यह जरूर है कि राहुल गांधी ने उनको फ्री-हैंड दिया लेकिन झारखंड चुनाव अभियान लगभग पूरी तरह हेमंत के कंधों से ही चला।

अगर कोई श्रेय में दावेदारी कर सकता है तो वह उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ही हैं जिन्होंने घटक दलों की पंचायत या सरकारी कामकाज भी निपटाने जैसे जिम्मों से मुक्त होकर हेमंत से भी ज्यादा चुनावी सभाएं कीं। वे अच्छा बोलती हैं तथा कार्यकर्ताओं और खास तौर से महिलाओं के बीच अच्छे व्यवहार से असर छोड़ती हैं। बिना किसी राजनैतिक प्रशिक्षण के एक बार में ऐसी भूमिका निभाकर उन्होंने सबको हैरान किया है। भाजपा ने चाहे जिस रणनीति से हेमंत को जेल भेजा हो पर उसने कल्पना न की थी कि इस संकट से कल्पना सोरेन जैसी नेता उभर कर आएंगी। झारखंड के आदिवासियों में औरतों का स्थान आम हिन्दुस्तानी परिवार से ऊंचा है, उनकी आर्थिक कामकाज में भी हिस्सेदारी ज्यादा होती है लेकिन विधायक-सांसद होकर भी आदिवासी महिलाएं पार्टी के नेतृत्व में या राज्य की राजनीति नेतृत्व नहीं करती थीं। कल्पना सोरेन के रूप में इस बार उन्हें एक नया नेता मिला है तो हेमंत सोरेन को बोनस। और हैरानी नहीं कि दो हेमंतों की लड़ाई में हेमंत सोरेन ने इस सहारे से हिमंत बिस्वा सरमा को उनके राजनैतिक कैरियर का सबसे बड़ा झटका दिया है।

संपादकीय

महाराष्ट्र में लोकतंत्र का मजाक

महाराष्ट्र चुनावों के नतीजों में बड़ी गड़बड़ी की आशंकाओं और सवालों के बीच 3 दिसम्बर को चुनाव आयोग के सामने एक सुनहरा मौका आया था कि वह अपनी साख को सुधार ले। यह मौका दिया था कि मालशिरस विधानसभा क्षेत्र के मरकरवाड़ी गांव के लोगों ने। लेकिन चुनाव आयोग ने यह अवसर अपने हाथ से गंवा दिया। दरअसल मालशिरस विधानसभा क्षेत्र से शरद पवार की एनसीपी के उम्मीदवार उत्तम जानकर को जीत हासिल हुई है, उन्होंने भाजपा के राम सातपुते को 13,147 वोटों से हराया है, लेकिन मरकरवाड़ी गांव में राम सातपुते को उत्तम जानकर से अधिक वोट मिले।

श्री जानकर को 843 और श्री सातपुते को 1003 वोट मिले, जबकि यहां के लोगों को दावा था कि राम सातपुते को सौ, दो सौ वोटों से अधिक नहीं मिल सकते, इसमें ईवीएम की गड़बड़ है। अपने संदेह को दूर करने के लिए ग्रामीणों ने ऐलान किया कि हम अपने खर्च और व्यवस्था से मतपत्रों से फिर से चुनाव कराएंगे, इसके लिए उन्होंने मालशिरस के तहसीलदार को अनुमति के लिए आवेदन दिया था। लेकिन अनुमति देने की जगह प्रशासन ने यहां न केवल वोट डालने वालों पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी, बल्कि धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी ताकि एक साथ पांच लोग इकठ्ठा न हो पाएं। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पांच दिसंबर तक निषेधाज्ञा लागू करने का ऐलान किया गया है। पुलिस की सख्ती और नागरिकों के मतदान की मांग के कारण अराजकता उत्पन्न न हो इस वजह से फिलहाल ग्रामीण अपनी मांग से पीछे हट गए हैं, हालांकि इस मुद्दे को आगे चुनाव आयोग और न्यायपालिका तक ले जाने का उनका फैसला अटल है, क्योंकि सवाल लोकतंत्र की रक्षा का है।मालशिरस के एक गांव में अगर फिर से मतदान होता, तो जाहिर है उसका कोई कानूनी आधार नहीं होता, न ही उन नतीजों से महाराष्ट्र के नतीजे प्रभावित होते, लेकिन जिस तरह पूरे राज्य में ईवीएम को लेकर सवाल उठे हैं और पूरे महाविकास अघाड़ी के बीच यह आशंका बलवती है कि उन्हें छल कपट से हराया गया, इस मतदान से कम से कम उन सवालों के जवाब मिल जाते। मरकरवाड़ी गांव के लोगों का कहना है कि यहां 2009, 2014, 2019 और पांच महीने पहले लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को इतने वोट नहीं मिले थे, तो इस बार उत्तम जानकर को कम और राम सातपुते को ज्यादा वोट कैसे मिल सकते हैं। ग्रामीणों की यह आशंका मतपत्रों से चुनाव से दूर हो सकती थी और तब भी नतीजे अगर 23 तारीख को आए नतीजों की तरह रहते, तो ऐसे में चुनाव आयोग का दावा पुख्ता हो जाता कि ईवीएम में कोई गड़बड़ी नहीं की गई। छोटी सी आबादी वाले एक गांव में मतपत्रों से चुनाव की एक छोटी सी कवायद पर अनावश्यक सख्ती दिखाकर चुनाव आयोग और भाजपा दोनों ने अपने चारों तरफ बन चुके संदेह के घेरे को और गाढ़ा कर लिया है। इधर महाराष्ट्र में जिस तरह सरकार बनाने में देरी हो रही है, उससे भी कई सवाल उपज रहे हैं।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र में 20 नवंबर को मतदान हो गया था, 23 तारीख को नतीजे आ गए और नतीजों में भाजपानीत महागठबंधन को पूर्ण बहुमत हासिल हो गया है, इसके बावजूद अब तक सरकार गठन का काम लटका हुआ है। निवर्तमान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की कभी हां, कभी ना और भाजपा की दबाव बनाकर सत्ता को मुट्ठी में रखने की राजनीति ने महाराष्ट्र की जनता के भविष्य को अधर में लटका दिया है। 70 सालों में शायद ही ऐसा मौका किसी राज्य में आया होगा कि किसी दल या गठबंधन को प्रचंड बहुमत मिलने के बावजूद सरकार गठित करने और मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा करने में 10 दिन से ऊपर लग जाएं। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को खत्म हो चुका है और अगर किसी की भी तरफ से सरकार बनाने का प्रस्ताव न जाए तो कायदे से राज्यपाल को स्वतः कार्रवाई कर लेनी चाहिए। लेकिन महाराष्ट्र में कायदा भी शायद दिल्ली से और दिल्ली का ही चल रहा है, इसलिए महायुति की बैठक के लिए तारीख पर तारीख घोषित हो रही है और इन पंक्तियों के लिखे जाने तक न कोई बैठक हुई, न कोई फैसला हुआ।

नकली भारतीय मुद्रा की बढ़ती संख्या से अर्थव्यवस्था के अस्थिर होने का खतरा

नकली मुद्राएं वैश्विक समस्या उत्पन्न करती हैं। यू.एस. डॉलर को दुनिया की सबसे ज़्यादा जाली मुद्रा कहा जाता है

नकली मुद्राएं वैश्विक समस्या उत्पन्न करती हैं। यू.एस. डॉलर को दुनिया की सबसे ज़्यादा जाली मुद्रा कहा जाता है। कुछ नकली यू.एस. डॉलर बहुत उच्च गुणवत्ता के बताये जाते हैं। धोखेबाज़ उन्हें वैध मुद्रा के रूप में बेचने की कोशिश करते हैं, या उनका उपयोग ऋण या क्रेडिट लाइन प्राप्त करने के लिए करते हैं। 2002 में मुद्रा लॉन्च होने के बाद से दूसरा सबसे लोकप्रिय नकली बैंक नोट यूरो है।

अह गंभीर चिंता का विषय है कि महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला के 500 रुपये के नकली नोटों की संख्या 2018-19 और 2023-24 के बीच लगभग चार गुना, और 2020-21 से 2,000 रुपये के नकली नोटों की तीन गुना हो गयी है। ध्यान रहे कि 2,000 रुपये के नोट वैध मुद्रा बने हुए हैं और इन्हें रिजर्व बैंक के कार्यालयों में बदला जा सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, मई 2023 में 2000 के मुद्रा नोटों को वापस लेने के कदम के बाद से इनमें से 98 प्रतिशत नोट वापस आ चुके हैं। लेकिन 500 और 200 रुपये के नकली नोटों का तेजी से बढ़ता प्रचलन चिंता का विषय बन गया है। 500 रुपये के नोट रोजमर्रा के लेन-देन की रीढ़ बन गये हैं और पिछले कुछ सालों में इसके प्रचलन में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। सरकार और रिजर्व बैंक दोनों ही इस बात से चिंतित हैं। पिछले हफ्ते केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने देश में नकली नोटों के बढ़ते प्रचलन को लेकर लोकसभा में चिंता जताई थी।आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2018-19 में 2,18,650 लाख पीस नकली नोट पकड़े गये थे। 2022-23 में यह 9,11,100 लाख के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जो 2023-24 में थोड़ा कम होकर 8,57,110 लाख हो गया। यह 2018-19 में पकड़े गये2,18,650 लाख पीस से काफी अधिक है। हालांकि, पकड़े नहीं गये नकली नोटों की संख्या का अंदाजा लगाना मुश्किल है। आमतौर पर ये ग्रामीण या अर्ध-शहरी बाजारों में प्रचलन में होते हैं। संचालक और ग्राहक पहचान से बचने के लिए बैंकों से बचते हैं।नकली भारतीय मुद्रा नोटों का उपयोग मुख्य रूप से देश की अर्थव्यवस्था को पंगु बनाने और आर्थिक आतंक पैदा करने के लिए आतंकवादी गतिविधियों में किया जाता है। माना जाता है कि पश्चिम बंगाल और असम की सीमाएं बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल से नकली भारतीय मुद्रा के प्रमुख प्रवेश बिंदु हैं। कहा जाता है कि बांग्लादेश और पाकिस्तान दोनों ही देश के पूर्वी हिस्से में नकली भारतीय मुद्रा भेजने के लिए नेपाल का उपयोग कर रहे हैं।हाल ही में, पुलिस द्वारा नकली मुद्रा संचालन पर एक बड़ी कार्रवाई में, असम के गोलाघाट शहर के गुलाम पट्टी क्षेत्र से चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने अत्याधुनिक मुद्रा मुद्रण उपकरण और विभिन्न मूल्यवर्ग के नकली नोट जब्त किये और प्रमुख संचालकों के रूप में ब्रांडेड दुदु अली और राजीबुद्दीन अहमद सहित कई लोगों को गिरफ्तार क्रिया। हालांकि, सरगना गिरफ्तारी से बचे रहने में कामयाब रहे।हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक के एक अनुमान से पता चला है कि देश में जब्त किये गये कुल नकली नोटों का लगभग 80 प्रतिशत मालदा, मुर्शिदाबाद और नादिया के तीन भारत-बांग्लादेश सीमावर्ती जिलों से आता है। इन तीन जिलों से भेजी जाने वाली नकली नोटों की सबसे ज़्यादा मात्रा मालदा से आती है। बांग्लादेश न सिर्फ़ नकली भारतीय नोटों के लिए एक अहम ज़रिया है, बल्कि वहां नकली नोट भी छापे जा रहे हैं। बांग्लादेश की सीमा से लगे पश्चिम बंगाल के इन तीन मुस्लिम बहुल जिलों के ज़रिये इन्हें देश में भेजा जाता है। इन जिलों के युवाओं का एक बड़ा हिस्सा गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में ठेके पर मज़दूरी करके अपनी आजीविका चलाता है। कहा जाता है कि उनमें से कई बांग्लादेश के ज़रिये तस्करी करके लाये गये नकली भारतीय नोटों के कूरियर के तौर पर इस्तेमाल किये जाते हैं।हाल ही में, बांग्लादेश में नकली भारतीय नोटों की आपूर्ति और वितरण नेटवर्क काफ़ी बढ़ गया है। हाल ही में सीमा के ज़रिये भारत में जाली भारतीय मुद्रा के अवैध प्रेषण में तेज़ी आई है, जो चिंता का विषय बन गया है। कुछ समय पहले ही ढाका में पुलिस ने बड़ी संख्या में जाली भारतीय मुद्रा नोटों से भरी बोरियां जब्त की थीं। ढाका में स्थानीय मीडिया ने बांग्लादेश पुलिस के हवाले से कहा कि पाकिस्तान में लाहौर स्थित एक सिंडिकेट ऐसे जाली नोट छापता है, जिन्हें फिर संगमरमर के पत्थरों से भरे कंटेनरों में श्रीलंका के ज़रिये बांग्लादेश ले जाया जाता है। भारत में तस्करी से पहले सिंडिकेट के सदस्यों के घरों में % विशेष कक्षों' में खेप छिपाई जाती है। बांग्लादेश में जाली भारतीय मुद्रा नोटों के उछाल का पता भारतीय पुलिस ने एक जांच के बाद लगाया था।

यह पाया गया कि उन अवैध मुद्रा नोटों को पाकिस्तान में छापा गया था और फिर उन्हें नेपाल और बांग्लादेश की सीमा के ज़रिए या दुबई, बैंकॉक, हांगकांग और कोलंबो को जोड़ने वाले दूसरे मार्गों से अवैध रूप से भारत में आयात किया गया था। पाकिस्तान और बांग्लादेश जाली भारतीय मुद्रा नोटों के दो प्रमुख उत्पादक और वितरक हैं। इसका लक्ष्य आतंकवाद को फ़ंड देना, भारत में मुद्रास्फीति दर बढ़ाना और मुद्रा में विश्वास को कम करना है। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन (इंटरपोल) के अनुसार, जालसाजी वित्तीय साधनों से भूमिगत अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है और संगठित आपराधिक तथा आतंकवादी नेटवर्क की गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है। जाली मुद्रा की मात्रा का सही आकलन करने के लिए पार्ट्स पर मिलियन (पीपीएम) माप का उपयोग किया जाता है।

कली मुद्राएं वैश्विक समस्या उत्पन्न करती हैं। यू.एस. डॉलर को दुनिया की सबसे ज़्यादा जाली मुद्रा कहा जाता है। कुछ नकली यू.एस. डॉलर बहुत उच्च गुणवत्ता के बताये जाते हैं। धोखेबाज़ उन्हें वैध मुद्रा के रूप में बेचने की कोशिश करते हैं, या उनका उपयोग ऋण या क्रेडिट लाइन प्राप्त करने के लिए करते हैं। 2002 में मुद्रा लॉन्च होने के बाद से दूसरा सबसे लोकप्रिय नकली बैंक नोट यूरो है। हालांकि, दुनिया के कई हिस्सों में केंद्रीय बैंक नवीनतम तकनीक का उपयोग करके नकली-प्रूफ़ मुद्राएं बनाने के लिए काम कर रहे हैं, जिसमें ऐसी विशेषताएं हैं जिनके नकली बनाना मुश्किल है।ऐसी विशेषताओं में बिलों पर उभरी हुई इंटाग्लियो प्रिंटिंग, सीरियल नंबर, वॉटरमार्क और सुरक्षा धागे और सिक्कों पर मिल्ड या पीछे हटने वाले किनारे शामिल हैं। प्रशिक्षित आंखों के लिए, नकली भारतीय मुद्रा नोटों की पहचान करना बहुत मुश्किल नहीं है। असली भारतीय मुद्रा नोटों में नोट में एक सुरक्षा धागा लगा होता है। जांच करने के लिए, किसी को लेबल को पारदर्शी रखना होगा और उसे थोड़ा घुमाना होगा हालांकि, स्मार्ट करेंसी जालसाजों के भी नवीनतम तकनीक तक पहुंच हैं। यह केंद्रीय बैंकिंग प्रणाली के सामने एक बड़ी समस्या खड़ी कर रहा है। धोखाधड़ी करने वाले समूह या व्यक्ति दुनिया भर में नकली बैंक नोट और अन्य वित्तीय साधनों के लिए उभरती हुई तकनीक का उपयोग कर रहे हैं।दुनिया के सबसे ज़्यादा नकली नोटों में शामिल हैं- अमेरिकी डॉलर, ब्रिटिश पाउंड, यूरो, ऑस्ट्रेलियाई डॉलर, फिलीपीनपेसो, कनाडाई डॉलर, दक्षिण अफ्रीकी रैंड, न्यूजीलैंड डॉलर और मलेशियाईरिंगिट।

संयोग से, ये सभी परिवर्तनीय मुद्राएं हैं। दूसरी ओर, भारतीय रुपया केवल आंशिक रूप से परिवर्तनीय है। जबकि इसे वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार के लिए स्वतंत्र रूप से विदेशी मुद्रा में और इसके विपरीत परिवर्तित किया जा सकता है, यह पूंजी खाते में पूरी तरह से परिवर्तनीय नहीं है जिसका अर्थ है कि इसे केवल सीमित कारणों से विदेशी मुद्राओं में और इसके विपरीत बदला जा सकता है। इस प्रकार, नकली भारतीय मुद्रा ज्यादातर भारतीयों की समस्या बनी हुई है।

पहली मुलाकात में ठीक से जानें एक-दूसरे को

जब भी कपल्स एक-दूसरे से मिलने के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले जेहन में ये बात जरूर आती है कि आखिर पहली मुलाकात में हम बात क्या करेंगे? यही सवाल हमें परेशान करता रहता है और वैसे भी पहली-पहली मुलाकात तो बहुत खास होती है, जो हमेशा याद रहती है।

लेकिन इस मुलाकात में हम एक-दूसरे से बात ही न कर पाएं या यूं कहें कि उस समय क्या बात करें? ये समझ ही न आए तो क्या करें? क्योंकि हमने आमतौर पर देखा है कि हमारे मन में बातें तो ढेरों रहती हैं, लेकिन पहली मुलाकात पर वे बातें जुबान पर आ ही नहीं पाती और हम शांत बैठे रह जाते हैं। और यहांवहां देखकर बस यही सोचते रह जाते हैं कि बातें करें तो क्या?

आखिर क्या बातें फर्स्ट मीटिंग में करें? कैसे बातों से एक-दूसरे को समझने में आसानी हो सकती है? ऐसी कौन सी बातें हैं, जो आपके पार्टनर को बोर नहीं होने देंगी? आइए जानते हैं।

जब भी किसी के साथ पहली मुलाकात के लिए जाएं तो बातों की शुरुआत आप उनके प्रोफेशन से कर सकते हैं, क्योंकि अधिकतर लोगों को इसमें इंट्रेस्ट जरूर आता है। चाहे प्रोफेशन के बारे में गॉसिप अच्छी हो या बुरी, इस बारे में बात करना लोग काफी पसंद करते हैं। पार्टनर के फेवरेट एक्टर या एक्ट्रेस के बारे में आप पूछ सकते हैं या अभी रिसेंट उन्होंने कौन सी मूवी देखी है? इस बारे में भी आप बात कर सकते हैं। तारीफ किसको पसंद नहीं आती? जनाब तो कॉम्प्लीमेंट करना बिलकुल भी न भूलें। उन्हें नोटिस करें और उनकी तारीफ कीजिए। आप उनके ड्रेसिंग सेंस की तारीफ कर सकते हैं। दोस्तों के बारे में बात करें, क्योंकि लड़का हो या लड़की- सभी को अपने दोस्तों के बारे में बात करना पसंद आता है। तो आप पूछ सकते हैं कि आपके फ्रेंड्स कैसे हैं? किस फ्रेंड्स से अपनी बातें शेयर करते हैं? इस तरह की बातें आपकी मुलाकात को और इंट्रेस्टिंग बनाएंगी। वीकेंड के बारे में पूछें कि उनके इस वीकेंड क्या प्लान हैं? यदि कोई प्लान नहीं हैं, तो आप प्लान कर सकते हैं जिससे कि एक-दूसरे को अच्छे से समझने के लिए और समय मिल सके। अगर बातें बोरिंग हो रही हैं तो आप हंसी-मजाक कर सकते हैं कि उनके साथ ऐसा वाकया कब हुआ, जब उनकी हंसी रुक ही नहीं रही थी। ऐसी कोई फनी बात, जो आपके साथ हुई हो तो वह बात भी आप उनसे शेयर कर सकते हैं।

ड्राइंग रूम की सजावट में रखें इन बातों का ध्यान

वास्तु शास्त्र में कोई भी भवन खरीदते या उसकी सजावट करते समय कई बातों का ध्यान देना आवश्यक बताया गया है, क्योंकि घर का मुख्य कक्ष, बैठक कहें या ड्राइंग रूम वह जगह है, जहां हम अपने परिवारजनों और कुछ खास मित्रों के साथ कुछ क्षण आनंद से गुजारना चाहते हैं। अक्सर देखने में आता है कि किसी अन्य मित्र के घर के ड्राइंग रूम में जाने पर हमें अजीब-सा भारीपन महसूस होता है, जबकि दूसरे मित्र के ड्राइंग रूम में हल्कापन लगता है। आइए जानें कैसी हो ड्राइंग रूम की सजावट-

- ड्राइंग रूम में प्रकाश, घड़ी, कैलेंडर और तस्वीरों के चयन में भी सावधानी रखी जानी चाहिए।
- विशेष रूप से यह ध्यान रखना चाहिए कि वे तनाव बढ़ाने वाले न हों। जहां तक हो सके प्रयास किया जाए कि अध्ययन कक्ष, बेडरूम तथा अन्य कक्षों के भीतरी भाग बैठक से नजर न आएं।
- बैठक से अध्ययन कक्ष की मेज तथा काम के अन्य उपकरण दिखाई देने से भी बैठक में तनाव बढ़ता है।
- वास्तु और फेंगशुई के प्रचार के बाद से वास्तव में लोग अपने मकान के निर्माण या बना-बनाया फ्लेट खरीदते समय वास्तु आदि पर ध्यान तो देने लगे हैं, किंतु मकान में प्रवेश करने के बाद उसकी सजावट करते हुए वास्तु और फेंगशुई को प्राय: भूल जाते हैं।
- जबकि सोफा, टेबल आदि फर्नीचर का आकार, दीवारों की सजावट, चित्रों की विषय वस्तु, प्रकाश व्यवस्था आदि सब मिलकर वास्तु का प्रभाव तय करते हैं।
- दरवाजे के ठीक ऊपर लगा कैलेंडर या बंद पड़ी घड़ी से भी बैठक की अच्छी ऊर्जा प्रभावित हो जाती है।
- फर्नीचर खरीदी करने का तरीका अक्सर यह रहता है कि दुकान पर गए, जो पसंद आया, उठा लाए। फिर चाहे वह बैठक के अनुपात में हो, रंगों आदि से मेल खाता हो या न हो।
- ड्राइंग रूम के आकार के अनुपात से बड़ा सोफा अच्छी ऊर्जा अर्थात ची को प्रभावित करता है और भारी सोफा गृहस्वामी के अलावा आगंतुकों के लिए भी भारीपन की रचना करता है। इसलिए सलाह दी जाती है कि ड्राइंग रूम के लिए फर्नीचर का चुनाव करते हुए उनके आकार का ध्यान जरूर रखें।

ब्राइट स्किन के लिए इस तरह चेहरे पर लगाएं शहद और केसर

हर महिला की इच्छा होती है कि उसकी स्किन लाइटन, ब्राइटन और ग्लोइंग नजर आए। आमतौर पर महिलाएं अपनी नेचुरल ब्यूटी को बढ़ाने के लिए बाजार में मिलने वाली तरह-तरह की क्रीम का सहारा लेती हैं। जहां एक ओर मार्केट में मिलने वाले यह ब्यूटी प्रॉडक्ट आपकी जेब धीरे-धीरे खाली कर देते हैं, वहीं दूसरी ओर कभी-कभी इनके विपरीत परिणाम भी देखने को मिलते हैं। ऐसे में अगर आप चाहें तो घर पर ही ब्राइट स्किन पाने के लिए शहद और केसर से बनने वाले फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। तो चलिए जानते हैं इस बेहतरीन होममेड फेस पैक के बारे में-

ऐसे बनाएं फेस मास्क

स्किन केयर एक्सपर्ट के अनुसार, इस मास्क को बनाने के लिए आप आधा छोटा चम्मच केसर लें और एक बाउल में केसर के साथ एक चम्मच शहद मिक्स करें। जब यह अच्छी तरह मिक्स हो जाए तो पहले अपने फेस को अच्छी तरह साफ करें। इसके बाद आप फेस मास्क ब्रश की मदद से इस पैक को अपने चेहरे पर अप्लाई करें और करीबन दस मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। आखिरी में हल्के गुनगुने पानी से चेहरे को वॉश करें।

रखें इसका ध्यान

अगर आप इस फेस मास्क को अपने चेहरे पर अप्लाई कर रही हैं तो आपको कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए। सबसे पहले तो आप आर्गेनिक शहद ही खरीदें ताकि स्किन पर किसी भी तरह की इरिटेशन या अन्य समस्या होने का खतरा ना रहे। वहीं अगर आप केसर को पाउडर नहीं कर सकतीं तो ऐसे में आप केसर के धागों को ही शहद में मिक्स करें। आप इस मास्क को अपनी किचन सिंक या बाथरूम में अप्लाई करें ताकि वह टपककर जमीन पर ना गिरे और फिर आपको इसे क्लीन करने की मेहनत अलग से ना करनी पड़े।

मिलते हैं यह लाभ

स्किन केयर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस मास्क से आपकी स्किन को कई बेहतरीन लाभ मिलते हैं। सबसे पहले तो शहद आपकी त्वचा को साफ और मॉइस्चराइज करेगा। इसमें जीवाणुरोधी गुण भी होते हैं जो आपकी त्वचा को बैक्टीरिया और मुंहासे पैदा करने वाले कीटाणुओं से मुक्त रखेंगे। वहीं शहद और केसर का कॉम्बिनेशन आपकी स्किन को ब्राइटन व लाइटन करके स्किन कॉम्पलेक्शन को बेहतर बनाता है।

उपहार का ऐसा लेनदेन ना ही करो तो बेहतर

बेबी की दोस्त अलका ने कान में जो टॉप्स पहने थे उसमें एक सफेद मोती चिपका था। वो बड़े जतन से उसे संभाल कर पहने थी। कहीं गिर न जाएं। बेबी ने पूछा ऐसे क्यों कर रही ? अलका ने बड़े प्यार और गर्व से बताया कि मेरी भाभी नेपाल से ये टॉप्स सच्चे मोती के लाई है। बहुत महंगे हैं। सुन कर बेबी जोर-जोर से हंसने लगी। बोली ये टॉप्स आड़ा बाजार के हैं। ठेलों में दस-दस रूपये में मिल रहे हैं। तेरी भाभी जब खरीद रही थी तब मैं भी वहीं खड़ी थी। ये देख मैंने भी लिये। अलका का मुंह उतर गया। शर्मिंदगी होने लगी खुद पर। सोचने लगी उसकी भाभी ने ऐसा उसके साथ क्यों किया? पर कोई कारण उसे समझ ही नहीं आया। एक बार लक्ष्मी को डॉक्टर ने हवा पानी बदलने की सलाह दी। ज्यादा दूर जाने की बजाय उसके घर के लोगों ने उन्हें पचमढ़ी जाने की सलाह दी। उस की बड़ी बहन भी भोपाल ही रहती थी तो उसे भी ठीक लगा। वहां एक रात रुकने का इरादा किया। अगली सुबह पचमढ़ी, फिर वापिस इंदौर लौट आने का कार्यक्रम तय हो गया। अपनी नन्ही सी बेटी के साथ निजी वाहन में चल पड़े। शादी के बाद पहली बार बहन के घर जा रहे थे। बड़े खुश थे। रात को पहुंच कर खाना खाया और सुबह निकलने की तैयारी की। बहन हाथ में कुछ पैकेट लिए आई। कंकू लगाया और पैकेट थमा दिए। लक्ष्मी ने ऐसे के ऐसे ही बेग में रख लिए। तय कार्यक्रम से पचमढ़ी टूर पूरा किया, घर लौट आये। सभी के सामने बड़ी बहन के दिए गिफ्ट खोले। उसमें लक्ष्मी की सालभर की गुडिया का छोटा सा गर्मियों में पहनने सा दो बद्दी वाला लेडिस रुमाल के जितने कपड़े वाला फ्राक/झबला, पति के लिए खादी का कुरता, लक्ष्मी के लिए सलवार कुर्ता था।

यहां तक तो ठीक है पर जब देखा तो उसमें प्राइज टेग लगे थे। उनमें सभी की कीमत लिखी थी। जानते हैं उनमें क्या कलाकारी थी? उसने उन सभी में अंक बढा दिए थे। किसी में आगे जीरो किसी में पीछे संख्या। साथ ही जिस पेन से किये उनकी स्याही का रंग व लिखावट में भारी अंतर था। वो भूल गई की सभी अन्न खाते हैं।

लक्ष्मी के ससुर उसी वक्त घर के सामने ही खादी ग्रामोद्योग की दुकान गए और वहां से उनकी असल कीमत जानी। कितनी हद है यह तो। आपने अपनी मर्जी से दिए थे न, तो फिर ऐसी नालायकी करने की क्या जरुरत आ पड़ी। उसकी बहन का पति बैंक मनेजर, वो खुद सेंट्रल गवरमेंट की अच्छी खासी नौकरी में थी। शायद लक्ष्मी व उसके पति को उसने अपनी झूठी शान की छाप छोड़ने के लिए ऐसी बेवकूफाना हरकत की हो। पर ये निरी परम मूर्खता ही थी। जिससे लक्ष्मी को तो लज्जित होना ही पड़ा, संबंधों में भी आजन्म खटास पैदा हो गई। लक्ष्मी ने तुरंत यह कह कर सब वापिस भेज दिए कि हम इतने महंगे कपड़े नहीं पहनते। उसकी बहन को समझ तो सब आ गया था पर जिसकी आंखों और अक्ल में बेशर्मी की पटटी चढ़ी होती है उसे कुछ भी दिखाई जो नहीं देता। और ऐसे लोग ऐसी हरकतों से बाज भी नहीं आते। कभी 'म्यांमार' की साड़ी पहनी है आपने? साडियां पहनने वाला भारत देश अब म्यांमार से साड़ी बुलवाएगा। सोच कर ही तरस आता है ऐसे लोगों पर। निधि के मकान का वास्तु हुआ था। उसकी मामी ने एक साड़ी उसे यह कहकर ओढाई की तेरे मामा इसे म्यांमार से तेरे लिए लाये हैं। हरे रंग की मोटे रेग्जिन से कपड़े वाली साड़ी का वे जोर जोर से सबके बीच 'इम्पोर्टेड है' कह कर बखान रहे थे। निधि पढी-लिखी डॉक्टरेट थी। पर चुप थी। उसकी भाभी ने बताया की यह साड़ी मामी को उनके पीहर से उनकी भाभी ने दी थी जो इन्हें पसंद नहीं आई। आनी भी नहीं थी। हम भारतवासीयों को म्यांमार' की साड़ी कैसे पसंद ? बस उन्होंने 'टिका' दी निधि को। अकेले में निधि ने मामी से पूछ ही लिया कि 'मामी विदेशों में वो भी म्यांमार जैसी जगह साडियां कैसे? मैंने तो कहीं पढ़ा-सुना नहीं। यदि हैं तो गईं भारत से ही होंगी न? वैसे ऐसी साड़ी मैंने आपके पीहर में किसी के पास देखी है।' बस मामी को काटो तो खून नहीं। उनका दांव फेल जो हो गया था। आज की भाषा में 'एक्सपोज' होना कहते हैं इसे। क्यों करते हैं लोग ऐसा समझ से ही परे है। इन सभी परिस्थितियों को आपको खुद ही अपनी बुद्धि व विवेक से परिस्थितियों के मद्देनजर निपटना व सुलझाना होता है। इस बीमारी का कोई परमानेंट ईलाज आज तक नहीं मिल पाया है। 'जैसे को तैसा' वाला फार्मूला चला सकें तो लगाइए। वरना भुगतें । सहन करें। या 'मुंह फट' हो जाइए। क्योंकि ऐसा ही कुछ आपके, हमारे, हम सभी के साथ कभी न कभी घटता है। यदि नहीं तो आप बहुत भाग्यशाली हैं।

ये सारे लोग किसी दूसरे ग्रह से नहीं आते। यहीं होते हैं हमारे साथ, हमारे आस-पास। कुछ अपने कुछ पराये जिन्हें दूसरों के साथ ऐसा करने की गन्दी लत पड़ी होती है। यह तो कुछ छोटे से, जरा से ही उदाहरण मैंने पेश किए हैं। इनके आलावा भी कई और कई प्रकार के , कई मौकों पर गिफ्ट-गेम इज्जत का फलूदा करते-कराते खेले जाते हैं और खेले जाते रहेंगे। कारण कई हो सकते है क्योंकि ये जीवन है, इस जीवन का यही है.यही है.रंग रूप, थोड़े गम हैं थोड़ी खुशियां यही हैं.यही हैयही है छांव धूप.

सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज अब मिनिमली इनवेसिव सर्जरी से संभव

भारत में सिर और गर्दन का कैंसर एक आम समस्या बनती जा रही है। इन समस्याओं में ओरल यानी कि मुंह के कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। अन्य देशों की तुलना में भारत में इस कैंसर का खतरा बहुत ज्यादा है। हालांकि, शुरुआती निदान के साथ इस कैंसर का इलाज संभव है, लेकिन दुर्भाग्य से वेस्टर्न दुनिया की तुलना में भारत में इस कैंसर का सरवाइवल रेट बहुत कम है।

ग्लोबोकैन 2018 की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश की 24 प्रतिशत आबादी सिर और गर्दन के कैंसर से पीड़ित है, और हर साल इस कैंसर के 2.75 लाख नए मामले रजिस्टर किए जाते हैं। आईसीएमआर की नेशनल कैंसर रेजिस्ट्री प्रोग्राम के डाटा के अनुसार, देश के तीन कैंसर मामलों में से एक बीआईएमएआरयू राज्यों (बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और उत्तर प्रदेश) से संबंधित होता है। 2016 में, भारत में 14.5 लाख कैंसर के मामले दर्ज किए गए थे, जबकी 2017 में यह संख्या बढ़कर 15.17 लाख हो गई। इनमें से 5.75 लाख मामले बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के थे। चार बीआईएमएआरयू राज्यों में से एक यूपी में कैंसर के 2.5 लाख मामले देखे गए जो देश के किसी भी राज्य की तुलना में सबसे ज्यादा हैं। यूपी की बात करें तो इसका मुख्य कारण यह है कि, वहां के लोग पान मसाला और तंबाकू का सेवन बहुत ज्यादा करते हैं।

पहले का इलाज केवल कैंसर और बीमारी को ठीक करने के लिए किया जाता था, जिसके कारण मरीज को अन्य समस्याओं, जैसे टेढ़ा चेहरा, निशान, टेढ़-मेढ़े दांत, चेहरे के आकार में बदलाव, कंधों में झुकाव आदि से जूझना पड़ता था। टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ आज मिनमली इनवेसिव सर्जरी के जरिए सिर और कैंसर के चौथे चरण का इलाज भी संभव हो गया है, जिसके परिणाम भी अच्छे होते हैं। ऐसे कैंसरों के इलाज को बेहतर करने के लिए आज देश में ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी (टीओआरएस) भी उपलब्ध है। इस सर्जरी के परिणाम बेहतर होने के साथ ही मरीज का चेहरा भी खराब नहीं होता है और न ही कोई निशान रह जाते हैं। टीओआरएस के साथ मरीजों के सरवाइवल रेट में भी सुधार आया है।

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी- इलाज के लिए एक मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी एक नई तकनीक है, जो कैंसर की खतरनाक से खतरनाक सेल्स को भी हटा देता है। रोबोटिक हाथ, बिना कोई चीरा लगाए गर्दन की सभी कैंसर कोशिकाओं को हटा देता है। पहले जुबान के ज्यादा अंदर, यानी कि टॉन्सिल्स तक पहुंचना मुश्किल होता था, लेकिन आज टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ वहां तक पहुंचना भी संभव हो गया है। ये प्रक्रिया न सिर्फ कैंसर के मरीजों के लिए बल्कि सर्जनों के लिए भी एक वरदान साबित हुई है। सर्जरी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों को रोबोटिक सिस्टम से कंट्रोल किया जाता है, जिसकी मदद से छोटी से छोटी जगह तक भी आसानी से पहुंच कर इलाज किया जा सकता है। चीरा लगाने की जरूरत न होने के कारण न्यूरोवस्कुलर टिशूज को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है, जिससे मरीजों को निगलने में आसानी होती है और अस्पताल से डिस्चार्ज भी जल्दी कर दिया जाता है। सर्जरी के बाद मरीज की देखभाल का पूरा ख्याल रखा जाता है, जिससे उनमें ब्लीडिंग, इंफेक्शन या कोई और समस्या न हो सके।

टीओआरएस- एक एडवांस तकनीक

रोबोटिक सर्जरी होने के कारण कैंसर के इलाज में बदलाव हुए हैं। मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया की मदद से अब ओपन सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ती है। पहले इस प्रकार के कैंसर के इलाज के लिए कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन देर से निदान के कारण इलाज के परिणाम कुछ खास नहीं होते थे। दुर्भाग्य से, टीओआरएस से पहले सर्जरी पूरी तरह से इनवेसिव (सर्जरी के लिए बड़ा चीरा लगाना पड़ता था) हुआ करती थी। चीरे और काट-पीट के कारण रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के बाद भी मरीजों के चेहरों के आकार खराब हो जाते थे। लेकिन यह मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया 100 फीसदी सुरक्षित है।

भारत में टीओआरएस का भविष्य कैसा होगा?

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी का इस्तेमाल जुबान, मुंह, गला और सिर व गर्दन के कई अन्य स्थानों के कैंसर के इलाज के लिए किया जाता है। सर्जिकल उपकरणों में प्रगति के साथ, रोबोटिक टेक्नोलॉजी की मदद से सभी प्रकार के ट्यूमर तक पहुंचना संभव हो गया है।

टीओआरएस की मदद से सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज करना बेहद आसान हो गया है, जिसमें न तो आवाज जाने का खतरा होता है और न ही निगलने में परेशानी होती है। इसके अलावा, इस एडवांस सर्जरी की मदद से मरीज जल्दी ठीक हो जाता है और उसके चेहरे पर कोई निशान भी नहीं रहते हैं। देश के कई डॉक्टर इस विकल्प को पसंद कर रहे हैं।

- डॉक्टर समीर कौल

टेस्टी अंगूर के आश्चर्यजनक फायदे

मीठे अंगूर के दाने न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि ये सेहत का खजाना भी है। आपको हेल्दी रखने के साथ ही अंगूर आपकी त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद होता है। इंस्टेंट एनर्जी के लिए भी आप अंगूर का सेवन कर सकते हैं।

- ब्रेस्टफीट कराने वाली महिलाओं को रोजाना करीब 100 ग्राम अंगूर खाना चाहिए। इससे दूध बढ़ता है है।
- कब्ज की वजह से सिरदर्द, चक्कर जैसी समस्याएं हो रही हैं, तो इससे राहत के लिए रोजाना नियमित रूप से 25 ग्राम अंगूर का रस पीएं।
- एसिडिटी होने पर 25-25 ग्राम अंगूर और सौंफ को रातभर 250 मि.ली. पानी में भिगोकर रखें। सुबह उसे मसलकर छान लें। फिर उसमें 10 ग्राम शक्कर मिलाकर पीएं। कुछ दिनों तक नियमित रूप से ऐसा करने से एसिडिटी से राहत मिलेगी।

- यदि आपको कमजोरी महसूस हो रही है, तो 25 ग्राम अंगूर खाएं और उसके बाद आधा लीटर दूध पीएं। इससे कमजोरी दूर होगी।
- पेशाब में गर्मी की समस्या होने पर 50 ग्राम काले अंगूर को रातभर ठंडे पानी में भिगोकर रखें। सुबह मसलकर छान लें। फिर इसमें थोड़ा-सा जीरा चूर्ण मिलाकर पीएं। इससे पेशाब की गर्मी दूर होगी।
- पथरी दूर करने में अंगूर फायदेमंद होता है। अंगूर के बीज को पीसकर चूर्ण बना लें। इसे फांककर ऊपर से एक ग्लास दूध पीएं। ऐसा करने से पथरी गलकर बाहर आ जाएगी।
- अंगूर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को न केवल कैंसर से, बल्कि हार्ट डिसीज, नर्व डिसीज, अलझमर, वायरल और फंगल इंफेक्शन से लड़ने की ताकत देते हैं।
- प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फैट, सोडियम, फाइबर, विटामिन ए, सी, ई, के, कैल्शियम, कॉपर, मैग्नीशियम, मैंग्नीज, जिंक और आयरन के गुणों से भरपूर अंगूर में कैलोरी मात्रा बहुत कम होती है।
- शरीर के किसी भी हिस्से से खून निकलने पर एक ग्लास अंगूर के जूस में दो चम्मच शहद घोलकर पिलाने से खून की कमी दूर हो जाती है और खून बहना बंद हो जाता है।
- अंगूर में ग्लूकोज व विटामिन ए पर्याप्त मात्रा में होता है, इसलिए अंगूर खाने से भूख बढ़ती है और पाचन शक्ति ठीक रखती है। अंगूर आंखों, बालों व त्वचा को भी शाइनी बनाता है।
- अंगूर फोड़े-फुंसियों व पिंपल्स को सुखाने में मदद करता है। अंगूर के रस से गरारे करने से मुंह छालों से राहत मिलती है।

गुड़ और आटे का हलवा

सामग्री

- ¼ कप घी
- 1 कप आटा
- ½ कप गुड़
- इलाइची पाउडर
- 10-15 रेसे केसर
- बादाम
- काजू पिस्ता बारीक कटे हुए

विधि

सबसे पहले एक पैन लें और उसमें घी गरम करें अब पैन में आटा डालें और आटे को घी में खूब भूनें। जबतक आटा थोड़ा सुनहरा न हो जाए तब तक उसे भूनें। इससे आटा पैन में चिपकेगा नहीं। इसके बाद 2 कप पानी में कुछ देर के लिए गुड़ को भिगो दें। जब गुड़ पानी में पिघल जाए तो उस पानी को आटे में डालें। इसके बाद मिश्रण में इलाइची पाउडर, केसर डालें और उसे अच्छी तरह से मिक्स करें। इसे तब तक पकाएं जब तक यह मिश्रण थिक न हो जाए। अब हलवे को ड्राय फ्रूट्स से गार्निश करें और गरम-गरम खाने के लिए परोसें। आप इस हलवे को 3 से 4 दिन तक फ्रिज में रख कर प्रीहीट करके भी खा सकते हैं।

पनीर रैप

सामग्री

- नीर- 150 ग्राम
- ऑयल-1 बड़ा चम्मच
- प्याज- 1 छोटा
- हरी शिमला मिर्च- 1 मीडियम साइज
- लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- बीन स्प्राउट्स- 1/2 कप
- सलाद पत्ते- 4 बड़े
- नमक- स्वादानुसार
- Veeba Vinaigrette ड्रेसिंग- 2 बड़े चम्मच
- वीबा मिंट मेयोनेज- 4 बड़े चम्मच

विधि

इस टेस्टी स्नैक रेसिपी को बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को दो स्ट्रिप्स, प्याज को लंबा-लंबा, शिमला मिर्च को पतली स्ट्रिप्स में काट लें। फिर कड़ाही में तेल गर्म करें। एक बार जब तेल पर्याप्त गर्म हो जाए, तो इसमें प्याज के स्लाइस डालें और आधे मिनट के लिए सौते करें। अब इसमें हरी शिमला मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, पनीर स्ट्रिप्स, नमक डालकर मीडियम आंच पर 2 मिनट के लिए सौते करें। अब इसमें बीन स्प्राउट्स मिलाएं और एक और मिनट के लिए फिर से सौते करें। पैन को गैस पर से उतार लें और एक तरफ रख दें। रैप तैयार करने के लिए, पनीर मिश्रण को 2 बराबर भागों में बांटे। वर्कटॉप पर रैप रखें और उसके ऊपर सलाद पत्ता रखें। फिर उस पर समान रूप से वीबा मिंट मेयोनेज का 1 टीस्पून लगाएं और फिर रैप के बीच में पर्याप्त मात्रा में पनीर मिश्रण रखें। फिर इसमें आधा चम्मच Veeba Vinaigrette ड्रेसिंग मिलाएं। आपका टेस्टी पनीर रैप तैयार है इसे गर्मा-गर्म परोसें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। पुराने मित्र मिलेंगे। शुभांक-4-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक क्षुचताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-1-4-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-1-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2668

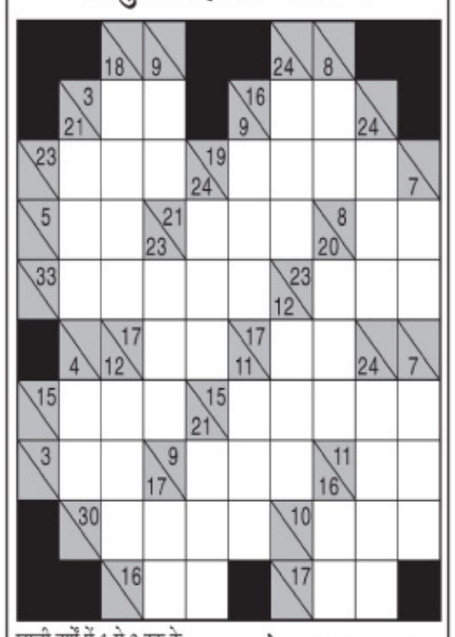

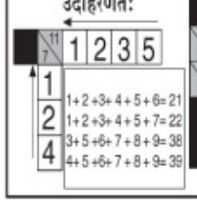

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ इनके रंग के आगे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरणतः

काकुरो - 2667 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक सेठ अपने बेटे को कॉलेज में नाम लिखवाने आये.

'सेठजी आप लेट हो गए हैं, अब तो कोई भी सीट खाली नहीं है.' प्रधानाचार्य ने कहा.

सेठजी ने कहा-आप चिन्ता न करें, मेरे बेटे का नाम लिख लें. सीट मैं नयी बनवा दूँगा.

□ □ □

'कुँवारे व्यक्ति को तुम स्वार्थी क्यों कहती हो ?' पहली फिल्म अभिनेत्री ने दूसरी फिल्म अभिनेत्री से पूछा.

दूसरी अभिनेत्री ने कारण बताया, 'क्योंकि कुँवारा व्यक्ति किसी महिला को तलाक का अवसर नहीं देता.'

□ □ □

विवाह के कुछ दिन बाद पति-पत्नी में लड़ाई हो गयी. पत्नी बोली, 'मैं मायके जा रही हूँ, अब नहीं आऊँगी.'

पति शांत रहा. उसने जेब में हाथ डाला और उसे रुपये देकर बोला, 'यह लो ट्रेन का किराया.'

पत्नी ने रुपये गिने और बोली, 'ट्रेन की वापसी का किराया कौन देगा ?'

□ □ □

युवती-किसी ने सत्य ही कहा है कि जिसे शक्ल मिलती है उसे अक्ल नहीं मिलती.

युवक-इसलिए तो मैंने तुमसे प्रेम किया है.

फिल्म वर्ग पहेली- 2668

बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी ?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है. ?-२
२२. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गँवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2667

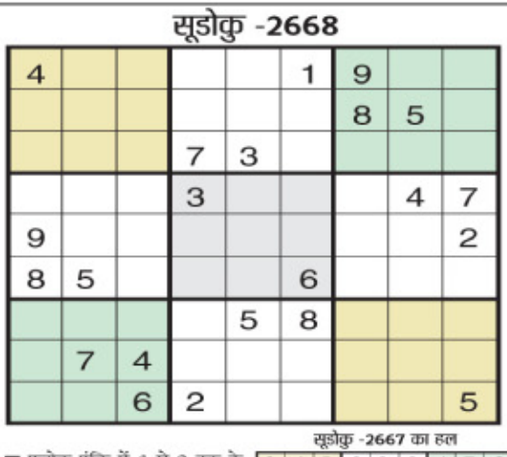

सूडोकू -2668

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू -2667 का हल

शब्द पहेली - 2668

बाएँ से दाएँ

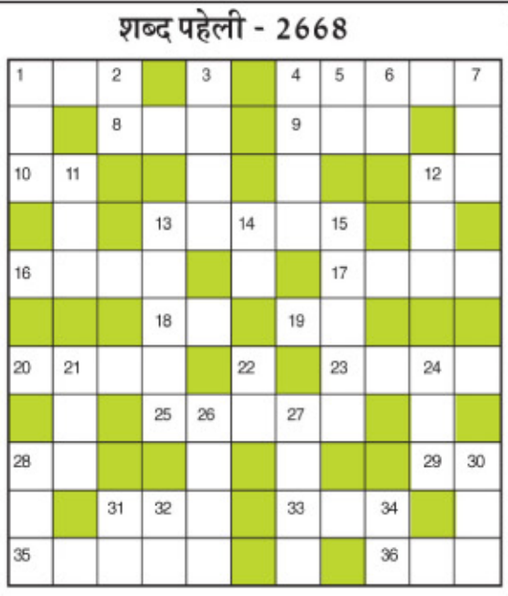

1. द्वेष,झगड़ा,रार-3
4. बुरकापोश-5
8. गागर,घड़ा-3
9. प्याऊ (उर्दू-3)
10. पैंदा,तला-2
12. बरस,वर्ष-2
13. सतत,लगातार-5
16. मजार,समाधि-4
17. उदारता,बड़प्पन-4
18. वायदा,कसम-2
19. महीना,माह-2
20. हमसफर-4
23. आदेश,आज्ञा-4
25. कहानी लेखक-5
28. गधा,गर्दभ-2
29. श्रवणेंद्रिय-2
31. बारिश,वर्षा-3
33. देवर्षि-3
35. दया करना-3,2
36. चिंतन

ऊपर से नीचे

1. कुपुत्र-3
2. अधिकार-2
3. सलाह,राय-4
4. अफसोस,खेद-4
5. शीतकालीन फसल-2
6. दलहन-2
7. ठंडा,सर्द-3
11. जिज्ञासा,उत्साह-3
12. बारिश का मौसम-3
13. धारावाही,अविराम, सीरियल-5
14. रीत,परंपरा-2
15. जीवनसाथी, हमराही-5
21. मोर-3
22. जल,नीर-2
24. पीहर-3
26. गजशाला, हाथी घर-4
27. करतब, करामात-4
28. उपभोग,खर्च-3
30. नेत्र,चक्षु,आंख-3
31. सवारी गाड़ी-2
32. रहन,गिरवी वस्तु-2
34. ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली -2667 का हल

आंदोलन को 297 दिन हो गए हैं लेकिन हमारी सुनी नहीं जा रही : स्वर्ण सिंह पंढेर

एजेंसी

भोपाल । किसान मजदूर मोर्चा के प्रमुख स्वर्ण सिंह पंढेर शंभू बॉर्डर का मानना है कि केंद्र सरकार उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं ले रही है जबकि वो अन्नदाताओं के हित में आंदोलन कर रहे हैं। एक वीडियो संदेश जारी कर पंढेर ने अपनी नाराजगी जाहिर की। पंढेर ने कहा, हम इस समय शंभू बॉर्डर पर स्थित हैं। आज हमारे आमरण अनशन का दसवां दिन है और दिल्ली में चल रहे आंदोलन को 297 दिन हो चुके हैं। हम अपनी 12 प्रमुख मांगों को लेकर देशभर के किसानों के हित में आंदोलन कर रहे हैं और हमारा यह आंदोलन चलता रहेगा।स्वर्ण सिंह ने कहा, देश भर के किसान और मजदूर एकजुट होकर इन मुद्दों पर आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने उपराष्ट्रपति द्वारा दिए गए बयान का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी अंतरात्मा जागी है। उन्होंने कहा, हरियाणा के डीसी ने हमें नोटिस भेजकर कहा कि वहां धारा 144 लागू है। जब हरियाणा में सब कुछ सामान्य था, तो किसानों और मजदूरों के लिए ही धारा 144 क्यों लागू की गई। सरकार ने कभी भी किसानों के साथ ऐसा भेदभाव नहीं किया था। उन्होंने कहा कि आज से पहले देश में 70,000 अर्धसैनिक बलों को तैनात नहीं किया गया था, ड्रोन से निगरानी नहीं की गई थी, और न ही कभी किसानों पर बमबारी हुई थी। लेकिन यह सब पहली बार मोदी सरकार ने किया।

सलमान खान के सेट पर हंगामा मचाने वाला संदिग्ध एक जूनियर आर्टिस्ट

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के सेट पर हंगामा मचाने वाले संदिग्ध का नाम सतीश वर्मा है। पुलिस पूछताछ में उसने बताया कि वो एक जूनियर आर्टिस्ट है। 4 दिसंबर को शूटिंग स्थल पर अचानक एक शख्स घुस आया था जब उसे सिक्योरिटी गार्ड ने रोकने की कोशिश की, तो धमकी भरे लहजे में कहा था कि लॉरेंस को बुलाऊं क्या? जिसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया था। वो अभी पुलिस हिरासत में है। पुलिस उससे इस मामले के संबंध में पूछताछ कर रही है। लेकिन, पूछताछ में कोई भी संदिग्ध तथ्य सामने नहीं आया है। पुलिस के मुताबिक, सतीश वर्मा जूनियर आर्टिस्ट का काम करता है। वो सलमान खान के सेट पर इसलिए घुसा, ताकि वो अभिनेता के साथ तस्वीरें क्लिक करा सके। लेकिन, सेट पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसे रोक दिया। इस पूरे वाकये के दौरान सलमान खान सेट पर मौजूद नहीं थे। इस घटना की पुलिस गंभीरतापूर्वक विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। बता दें कि लॉरेंस बिश्नोई ने एक टीवी साक्षात्कार में कहा था कि उसके जीवन का एकमात्र लक्ष्य सलमान खान को जान से मारना है।

झारखंड के गुमला में ट्रक-कार टक्कर में तीन लोगों की मौत, दो घायल

गुमला । झारखंड के गुमला जिले के बसिया में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात एक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी मृतक रांची के रहने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, बसिया थाना के पास देर रात रांची की ओर आ रही कार और गुमला की तरफ जा रहे ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार में सवार लोग एक शादी समारोह में शामिल होने सिमडेगा गए थे और वहां से वापस रांची आ रहे थे। हादसे के बाद पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को क्षतिग्रस्त कार से घायलों और मृतकों को बाहर निकालने में भारी मशक्कत करनी पड़ी। करीब डेढ़ घंटे की कोशिश के बाद उन्हें बाहर निकाला गया। इसके बाद घायलों को एंबुलेंस से इलाज के लिए रांची भेजा गया। हादसे के बाद ट्रक के ड्राइवर फरार हो गया। पुलिस ने हादसे में जिन तीन लोगों की मौत की पुष्टि की है, उनकी पहचान रांची के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र के निवासी पवन कुमार साहू (45), रतन घोष (50) और प्रवीण राम (55) के रूप में हुई है। घायलों में विश्वनाथ गोप (42) और असीम गोप (53) शामिल हैं। दोनों को इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स में भर्ती कराया गया है। इन दोनों की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है।

छात्रों की समस्याओं को लेकर तेजस्वी यादव हुए मुखर, सीएम नीतीश को लिखा पत्र

पटना । बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव छात्रों की समस्या को लेकर लगातार सवाल उठा रहे हैं। दो दिन पहले बिहार राज्य स्वास्थ्य समिति की ओर से आयोजित सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी (सीएचओ) की परीक्षा रद्द करने को लेकर भी राजद नेता ने सवाल उठाए। अब बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की परीक्षा के फॉर्म भरने में हो रही दिक्कत को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखा है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बिहार लोक सेवा आयोग की 70वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा में अभ्यर्थियों की समस्याओं के समाधान के लिए सीएम को लिखे पत्र में कहा कि आयोग के सर्वर की खामी के कारण फॉर्म भरने की आखिरी तारीख से दो-तीन दिन पहले सर्वर के ठीक से कार्य नहीं करने के कारण लाखों अभ्यर्थी फॉर्म भरने से वंचित रह गए थे, जो उनके भविष्य और सतत परिश्रम के लिए एक आघात है। उन्होंने पत्र में लिखा, स्वयं अपनी ही विफलता के लिए आयोग द्वारा फॉर्म भरने में असमर्थ रहे अभ्यर्थियों को ही उल्टे अगंभीर ठहरा देना अफसरशाही के अहंकार और तानाशाही को प्रदर्शित करता है।

चीते हमारे प्रदेश ही नहीं देश की भी धरोहर, इसको संभालकर रखना हैः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीता दिवस मनाया गया। अब अवसर पर दो चीतों अग्नि और वायु को बड़े बाड़ों से खुले जंगल में छोड़ा गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चीता दिवस पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश पूरे देश में वन्यजीवों के लिए एक आदर्श स्थान है। इसी कारण मध्य प्रदेश टाइगर स्टेट बना है। चीते हमारे प्रदेश ही नहीं देश की धरोहर हैं। इस नाते इस धरोहर को हमें संभालकर रखना है। चीतों से हमारा ऐसा ही आत्मीय स्नेह बना रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय चीता दिवस पर कूनो नेशनल पार्क में दो चीतों की सौगात मिली है। अग्नि और वायु को स्वतंत्र वन क्षेत्र में छोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि चीतों के साथ मध्य प्रदेश में पर्यटन भी रफ्तार भरेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के सभी राज्यों में जितने टाइगर नहीं हैं उससे अधिक संख्या में मध्यप्र देश में हैं, जो एक रिकार्ड है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने दो दिन पहले ही टाइगर रिजर्व को मंजूरी दी है। रातापानी टाइगर रिजर्व आठवें क्रम पर है। राज्य सरकार माधव टाइगर पार्क के लिए भी जल्द ही आवश्यक मंजूरी देने जा रही है। उन्होंने कहा कि लगभग सौ साल पहले चीता मध्य प्रदेश ही नहीं पूरे देश या एशिया से भी विलुप्त हो गया था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से हमने अन्य महाद्वीप से लाकर इस प्राणी को अपने यहां बसाने का अभियान शुरू किया। मुझे संतोष है मध्य प्रदेश में चीतों का परिवार फल-फूल रहा है। अब उनकी नई पीढ़ी आंखें खोल कर आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस प्रयोग से आगे चलकर यह संभव होगा कि अन्य राज्य भी भागीदार बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि चीता दिवस के अवसर पर आनंद के क्षणों के साथ प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देना चाहता हूँ जिनके प्रयासों से हमें यह चीता प्रोजेक्ट मिला। अंतरराष्ट्रीय चीता दिवस के अवसर पर श्योपुर जिले के विभिन्न हिस्सों में कूनो राष्ट्रीय उद्यान द्वारा चीता-मित्रों की रैलियों का आयोजन किया गया। इस अवसर को यादगार बनाने के लिये भारतीय भूमि पर चीतों के रोचक छायाचित्रों से भरपूर कूनो राष्ट्रीय उद्यान के ऑफीशियल कैलेण्डर-2025 का विमोचन पालपुर में किया गया। अंतरराष्ट्रीय चीता दिवस पर एक लघु फिल्म जारी की गयी। फिल्म में चीता परियोजना के पिछले दो वर्षों की झलक दिखायी गयी। नेशनल पार्क के अंतिम विस्थापित ग्राम बागचा की एक वीडियो स्टोरी भी जारी की गयी।

असम में होटल, रेस्टोरेंट, सार्वजनिक स्थानों पर गोमांस प्रतिबंधित

एजेंसी

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि अब असम में होटल, रेस्टोरेंट तथा सार्वजनिक स्थानों पर गोमांस खाना प्रतिबंधित है। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पहले मंदिरों के पांच किलोमीटर के दायरे में गोमांस खाना प्रतिबंध था। अब इस डायरे को और भी बढ़ा दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन वर्ष पहले असम में गौ हत्या पर प्रतिबंध के कानून लागू किए गए थे, जिसमें सरकार को काफी सफलता मिली है। इसी सफलता के मद्देनजर सरकार ने एक कदम आगे बढ़ते हुए सार्वजनिक स्थानों पर गोमांस खाना प्रतिबंधित कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके लिए दंड का प्रावधान है। यहां तक कि इसका उल्लंघन करने वालों को जेल भी हो सकती है।

मध्य प्रदेश पर्यटन को मिला 'सर्वश्रेष्ठ साहसिक पर्यटन राज्य' का सम्मान

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश को एडवेंचर टूरिज्म हब के रूप में स्थापित करने के लिये मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड के प्रयासों को निरंतर सफलता हासिल हो रही है। अरुणाचल प्रदेश के तवांग में एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एटीओएआई) के राष्ट्रीय सम्मेलन में मप्र टूरिज्म बोर्ड को सर्वश्रेष्ठ साहसिक पर्यटन राज्य (बेस्ट एडवेंचर टूरिज्म स्टेट) के रूप में सम्मानित किया गया है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने मप्र टूरिज्म बोर्ड के संयुक्त संचालक डॉ एसके श्रीवास्तव को यह सम्मान सौंपा।

गौरतलब है कि सर्वश्रेष्ठ साहसिक राज्य पुरस्कार उन राज्यों को दिया जाता है, जिन्होंने बुनियादी ढांचे, विविध गतिविधियों एवं नवाचारों के माध्यम से साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने में उत्कृष्टता हासिल की हो। मप्र पर्यटन व संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव एवं टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक शिव शेखर शुक्ला ने पुरस्कार पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र भावसिंह लोधी के मार्गदर्शन में प्रदेश को एडवेंचर टूरिज्म हब के रूप में स्थापित करने हेतु विभिन्न स्तरों पर प्रयास किये जा रहे हैं। यह पुरस्कार न केवल हमारे प्रदेश की अद्वितीय प्राकृतिक संपदा और विविध पर्यटन अनुभवों की पहचान है, बल्कि राज्य सरकार के सतत प्रयासों और साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में किए गए नवाचारों का भी परिणाम है। उन्होंने कहा कि सतपुड़ा, पचमढ़ी, अमरकंटक और नर्मदा घाटी जैसे स्थानों ने साहसिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राज्य में स्काई डाइविंग, ट्रेकिंग, रिवर राफ्टिंग, पैराग्लाइडिंग, और जंगल सफारी जैसी गतिविधियों के संचालन ने युवाओं और साहसिक पर्यटकों को आकर्षित किया है।

विधायक खेल स्पर्धा को प्रोत्साहित करेगी सरकार : मुख्यमंत्री

एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खेल की गतिविधियों को ग्राम पंचायत, न्याय पंचायत, विकास खंड और विधानसभा स्तर तक बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार सांसद खेल स्पर्धा की तर्ज पर विधायक खेल स्पर्धा को प्रोत्साहित करेगी। इसके लिए विधायको का आह्वान किया जाएगा। गांव से लेकर विधानसभा स्तर तक होने के बाद इस स्पर्धा को जिले स्तर पर सांसद खेल स्पर्धा के रूप में परिवर्तित कर दिया जाएगा।

सीएम योगी उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग के द्वितीय संस्करण के शुभारंभ एवं षष्ठम ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति अखिल भारतीय प्राइजमनी कबड्डी प्रतियोगिता के समापन-पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ग्रामीण खेल लीग की मशाल को गत लीग में दो गोल्ड मेडल जीतने वाले एथलेटिक खिलाड़ी अभय को सौंपकर लीग के दूसरे संस्करण का शुभारंभ किया और कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला समाप्त होने के बाद खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल से सबको खेलने, फलने और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी यही बात कहते हैं कि जो खेलेगा वही खिलेगा। जो खिलेगा वही फलेगा और बढ़ेगा भी। पीएम मोदी की प्रेरणा से देश में खेलो इंडिया, फिट इंडिया मूवमेंट, सांसद खेल स्पर्धा और हर जिले में स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (साई) के सेंटर स्थापित कर खेल की गतिविधियों को पूरी प्रतिबद्धता से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी तरह राज्य के अंदर भी खेल की गतिविधियों को बढ़ाने और आज की वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने के कार्यक्रम युद्ध स्तर पर चलाए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश ग्रामीण लीग इसी की कड़ी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खेलों को आगे बढ़ाने के लिए सरकार खेल से जुड़ी निजी संस्थाओं को भी प्रोत्सहित कर रही है। इसके लिए खेल नीति में संशोधन भी किया गया है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक विजेता खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियों में सीधी भर्ती से लेकर स्पोर्ट्स कोटा से नौकरी देने की व्यवस्था की गई है। प्रदेश सरकार अब तक पांच सौ से अधिक खिलाड़ियों को सरकार के युवा कल्याण, पुलिस, परिवहन आदि विभागों में सेवायोजित कर उन्हें करियर के प्रति आश्वस्त कर चुकी है। प्रदेश सरकार खेलों को लेकर जो कार्यक्रम चला रही है ।

स्वीकार नहीं की जाएगी जनसुनवाई और राजस्व वादों में लापरवाही-लेटलतीफी, तय होगी सबकी जवाबदेहीः मुख्यमंत्री

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जिलों में राजस्व वादों के निस्तारण और कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। विशेष समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री जी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस और थाना दिवस में आने वाले मामलों के शिकायतकर्ताओं से मिले फीडबैक तथा आईजीआरएस और सीएम हेल्पलाइन पर जनता से मिले फीडबैक के आधार पर रिपोर्ट जारी करते हुए मुख्यमंत्री ने असंतोषजनक प्रदर्शन करने वाले शासन के सभी विभागों, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों, तहसीलों, रेंज, थानों से स्पष्टीकरण लिए जाने के निर्देश दिए। वहीं पैमाइश, लैंडयूज, अकृषक भूमि घोषित किये जाने से जुड़े लंबित मामलों की जिलावार रिपोर्ट पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगे जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी

मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व वादों के निस्तारण के लिए मिशन मोड में कार्यवाही की जाए। कहीं भी किसी गरीब के साथ अन्याय नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता से जुड़े विभागों के अधिकारी तय समय पर जनता से जरूर मिलें। प्रत्येक विभाग में जनसुनवाई को प्राथमिकता दी जाए। बैठक में सभी मंडलायुक्त, पुलिस जोन एडीजी, जिलाधिकारी गण, पुलिस रेंज आईजी, पुलिस कप्तान आदि फील्ड में तैनात अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सहभागिता की। गौतमबुद्ध नगर हो, अलीगढ़ हो या संभल अथवा कोई अन्य जनपद, अराजकता फैलानेकी छूट किसी को नहीं दी जा सकती। संभल में विगत दिनों हुई घटना से जुड़े उपद्रवियों के साथ पूरी कठोरता के साथ निपटें। जिन लोगों ने सार्वजनिक संपत्ति को क्षतिग्रस्त किया है, उसे वापस ठीक कराने का खर्च उन्हीं उपद्रवियों से वसूल की जाए। अराजकता फैलाने वालों को चिन्हित कर उनके पोस्टर लगाएं, जनता का सहयोग लें, सघन सर्च ऑपरेशन चलाएं। एक भी उपद्रवी बचना नहीं चाहिए। सार्वजनिक स्थलों पर हुए अतिक्रमण के मामले संवेदनशील हैं। सभी को यह समझना चाहिए कि सड़क सभी के लिए है, आवागमन के लिए है, यहां बिल्डिंग मैटेरियल का सामान रखने, निजी वाहन पार्किंग बनाने, दुकान बनाने अथवा किसी के अनधिकृत कब्जे के लिए नहीं।

मणिपुर उच्च न्यायालय ने लापता पर्यवेक्षक की जांच के लिए कमेटी गठित की

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर उच्च न्यायालय ने सैन्य शिविर से लापता पर्यवेक्षक का पता लगाने के लिए चार सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति गठित की है। न्यायालय ने इस मामले की जांच का आदेश दिया है। मणिपुर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी. कृष्णकुमार तथा न्यायमूर्ति गोलमेई गैफुलसिलु काबुई की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने समिति को गहन जांच करने तथा 11 दिसंबर को रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। जांच दल में कांगपोकपी जिला प्रशासन, स्थानीय पुलिस तथा सैन्य नेतृत्व के प्रमुख अधिकारी शामिल होंगे। जिला मजिस्ट्रेट समिति का नेतृत्व करेंगे, जिसका कार्य यह निर्धारित करना होगा कि सिंह का अपहरण किया गया था या वह स्वेच्छा से इस उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र से चले गए थे। अदालत ने जांच में सहयोग करने के लिए प्रासंगिक सामग्री या रिकॉर्ड अउपलब्ध कराने तथा परिवार से सहयोग करने का अनुरोध किया है। उल्लेखनीय है कि मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विसेज में कार्यरत ठेकेदार के पर्यवेक्षक लैशराम कमलबाबू सिंह (56) 25 नवंबर को लीमाखोंग मिलिट्री स्टेशन से लापता हो गए थे। उनके छोटे भाई लैशराम ब्रजबंशी सिंह ने उनके लापता होने में संभावित उग्रवादी संलिप्तता का आरोप लगाते हुए एक रिट याचिका दायर की थी। ज्ञात हो कि दो हजार सुरक्षा बल लापता व्यक्ति की तलाशी के कार्य में तैनात किए गए हैं।

देश की एकता व अखंडता के लिए खतरा हैं 6 करोड़ घुसपैठिएः अश्विनी उपाध्याय

एजेंसी

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता व भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि भारत में किसी प्रधानमंत्री को नहीं भागना पड़ता। यहां की सेना बगावत नहीं करती। क्योंकि यहां हिंदू बहुसंख्यक है, लेकिन बांग्लादेश में ?हिंदू डॉक्टर, अध्यापक, जज, पुलिस अधिकारी, थानेदारों से इस्तीफा लिया जा रहा है या फिर उन्हें मजबूर किया जा रहा है क्योंकि वहां हिंदू अल्पसंख्यक है। आज बांग्लादेश में अत्याचार झेल रहे हिंदुओं के साथ भारत का 99.99 फीसदी हिंदू साथ है।भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय यहां भारत माता चौराहे पर आयोजित सकल हिंदू समाज के प्रदर्शन के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। यह प्रदर्शन बांग्लादेश में हिंदुओं पर किए जाने वाले अत्याचार के विरोध में आयोजित किया था। उपाध्याय ने कहा ?कि इस नफरत की आग को ठीक करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि

आज मैं भोपाल की धरती से सभी पुलिस वालों को बताना चाहता हूं कि जब कभी आपको धर्मांतरण की? शिकायत मिले, सीधे धर्मांतरण कराने वालों पर एनएसए, यूएपीएस लगाइए, सभी जरूरी धाराएं लगाइए। आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। इसका रास्ता हमने सुप्रीम कोर्ट से खुलवा दिया है। अधिवक्ता अश्विनी ने आगे कहा कि भारत में तो 6 करोड़ घुसपैठिए हैं। यह हमारे देश की एकता अखंडता के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि बां?लादेश का हिंदू नफरत की आग में जल रहा है, इस जिहादी मानसिकता के खिलाफ एकजुट होकर इस नफरत की आग को ठीक करना होगा। अश्विनी उपाध्?याय ने बताया कि भारत में चल रहे धर्मांतरण, लवजिहाद, लैंड जिहाद, ड्रग जिहाद के खिलाफ भी आवाज उठाना जरूरी है और इस पर सरकार को उचित कार्रवाही करना चाहिए। सकल हिन्दू समाज ने अपने ज्ञापन में यह मांग रखी कि बांग्लादेश सरकार से वहां हिन्दुओं पर अत्याचार तत्काल बंद करना सुनिश्चित कराया जाए एवं जेल में बंद इस्कॉन के संत चिन्मय कृष्ण दास को अविलंब कारावास से मुक्त करे। इसके साथ हीं भारत सरकार से आह्वान किया कि बांग्लादेश में हिन्दुओं और बाकी अल्पसंख्यकों पर अत्याचार रोकने के मजबूती से प्रयास करे और इसके समर्थन में वैश्विक अभिमत बनाने के यथाशीघ्र कदम उठाएं। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ भारत माता चौक, भोपाल में प्रदर्शन किया गया। इसक आयोजन सकल हिन्दू समाज भोपाल ने किया था, जिसमें बड़ी में हिन्दू समाज के लोग एवं संत उपस्थित रहे। प्रदर्शन के साथ ही आज भोपाल के व्यापारियों ने स्वेच्छा से बाजार आधे दिन के लिए बंद रखे, कृषि उपज मंडी से अनाज की खरीदारी भी पूरी तरह बंद रही। प्रदर्शन में एक ज्ञापन भी तैयार किया गया। इसका वाचन दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष मनोज बांगा ने किया। इस पर मंचासीन सभी पदाधिकारियों के साथ मंच सामने उपस्थित लोगों ने अपना समर्थन देते हुए हस्ताक्षर ?कए। इसके बाद भारत माता चौराहे पर चले इस प्रदर्शन के बाद एक विशाल रैली निकाली गई। जो कि रोशनपुरा चौराहे तक करीब तीन किमी चली। इसका नेतृत्व संत समाज और विभिन्न सामाजिक संगठन के प्रतिनिधियों ने की। रोशनपुरा पहुंचकर रैली की अगुवाई कर रहे संतों ने भोपाल कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्रा को ज्ञापन सौंपकर रैली का समापन किया।

सरस फूड फेस्टिवल में पहुंचे किसान कल्याण मंत्री शिवराज, बोले- बेहद सरस हो गया है सरस मेला

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कनॉट प्लेस नई दिल्ली में आयोजित सरस फूड फेस्टिवल में भाग लिया। ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री कमलेश पासवान व डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, सचिव शैलेश कुमार, अपर सचिव चरणजीत सिंह (डीएवाई.एनआरएलएम), संयुक्त सचिव (ग्रामीण आजीविका) स्मृति शरण व मंत्रालय के अन्य अधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। चौहान ने कहा कि सरस मेला बेहद सरस हो गया है। दीदियों द्वारा बनाये परंपरागत व्यंजनों की खुशबू दिल्लीवालों को यहां आमन्त्रित कर रही है। हमारा देश अद्भुत है। अलग भाषा, अलग भेष, अलग परंपरायें और खानपान फिर भी हमारा एक है। हमारा भारत गुलदस्ते की तरह है, जिसमें रंग-बिरंगे फूल खिले हुए हैं और भोजन में भी वे रंग हैं। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि ग्रामीण विकास मंत्रालय का यह मिशन है कि भारत की नारी को अबला नहीं रहने देंगे, सबला बनायेंगे। सबल होने पर आर्थिक सशक्तीकरण का अपना महत्व है शैक्षणिक, सामाजिक, राजनैतिक और आर्थिक सशक्तीकरण। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से सशक्त बहन ने बताया कि सशक्त होने से

घर में ही इज्जत बढ़ गई है। आज 10 करोड़ दीदियां 90 लाख स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हुई हैं, जिनमें से 1 करोड़ 15 लाख 254 लखपति दीदी बन गई हैं और बाकी दीदियों को भी लखपति दीदी बनना है। इससे भी आगे बढ़ना है और आगे का संकल्प है धीरे-धीरे आजीविका मिशन को उद्योग की तरह चलाना है।

सैलानी अब आसमान से निहार सकेंगे अलौकिक अयोध्या का अद्भुत नजारा

एजेंसी

अयोध्या। वाटर मेट्रो बोट के बाद अयोध्या में अब हॉट एयर बैलून की शुरुआत हुई है। सीएम योगी की मंशा पर अयोध्या में शुरू की गई यह सेवा पर्यटन की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट बन गयी है। इस बैलून में बैठने के बाद सैलानी 250 फीट की ऊंचाई से अयोध्या का भव्य नजारा देख सकेंगे। नया घाट हैलीपैड पर इसका शुभारंभ हुआ है। अयोध्या में भव्य मंदिर में रामलला के विराजमान होने के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही कह चुके हैं की अयोध्या को इस लिहाज से सजाया जाए कि जिससे यहां एक बार पहुंचने वाला श्रद्धालु बार-बार आने का प्रयास करे। इस दिशा में चल रहे कार्यों के तहत अब यहां एयर हॉट बैलून की शुरुआत की गई है। अयोध्या विकास प्राधिकरण और पुष्पक एडवेंचर की मदद से शुरू हुए इस कार्य से निश्चित ही पर्यटन की दिशा में अयोध्या को बड़ा मुकाम हासिल होगा। अयोध्या में एडवेन्चर स्पोर्टस के माध्यम से पर्यटन गतिविधियां बढ़ाने व युवा पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए हॉट एयर बैलून का शुभारंभ सदर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, मण्डलायुक्त गौरव दयाल व अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्विनी कुमार पाण्डेय ने किया। यह अनूठी पहल अयोध्या को एक रोमांचक पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने एवं पर्यटकों को सरयू नदी के मनोरम दृश्यों के साथ अयोध्या की ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक सुंदरता का अद्वितीय अनुभव प्रदान करेगा। अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्वनी पांडेय ने बताया कि हॉट एयर बैलून एक एडवेंचर है। इसमें 10 मिनट की राइड होगी। ऊपर से रामलला का मंदिर, कनक भवन व सरयू का अद्भुत नजारा देखने के लिए 999 रुपये प्रति व्यक्ति खर्च करने पड़ेंगे। इसमें एक साथ चार लोग ही बैठ सकेंगे, जिसमें एक पायलट भी होगा। मण्डलायुक्त गौरव दयाल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप अयोध्या को पर्यटन की दृष्टि से मजबूत करने का काम किया जा रहा है।

प्रियंका ने की गृह मंत्री से मुलाकात, वायनाड के लिए मांगी मदद

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव एवं वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी और केरल के सांसदों ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर उन्हें क्षेत्र में हुए भूस्खलन के बाद की स्थिति से अवगत कराया। इन सांसदों ने क्षेत्र के लोगों के लिए केन्द्र सरकार से सहयोग की अपील की। संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत में प्रियंका ने कहा कि हमने गृह मंत्री से मिल कर उन्हें वायनाड के हालात से अवगत कराया। वहां के लोगों के जीवन पर लैंड स्लाइड का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा है। लोगों के

परिवार-घर उजड़ गए हैं, उनके पास कोई सपोर्ट सिस्टम नहीं बचा है। उन्होंने गृह मंत्री से वायनाड के लोगों की मदद की अपील की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पीड़ितों से मिलने जाने पर वहां के लोगों को मदद की उम्मीद जगी थी। हालांकि अभी तक कोई मदद नहीं मिल पाई है।

उल्लेखनीय है कि अगस्त में केरल के वायनाड जिले के मेप्पडी, मुंडक्कई टाउन और चूरल माला में मूसलाधार बारिश से हुए भीषण भूस्खलन में जानमाल की बड़ी क्षति हुई थी। वायनाड जिले के गांवों में सैकड़ों घर जमींदोज हो गए थे।

ऐसे करें नन्हे की देखभाल

नाजुक से हाथ-पांव, मासूम-सा चेहरा और कोमल सी काया..., ऐसे में नन्हे को गोद में उठाते हुए भी डर लगता है परंतु मां ही ऐसी है, जो बेझिझक बच्चे को अपनी गोद में उठा कर उसे दुलारती और उसकी देखभाल करती है। नाजुक-सी जान के आते ही मां के इतने काम बढ़ जाते हैं कि कई बार तो उसे समझ ही नहीं आता कि वास्तव में वह अपने बच्चे की देखभाल कैसे करे कि उसकी सेहत हर मौसम के हिसाब से सही रहे।

हैल्दी मसाज

किसी भी नवजात शिशु को मसाज की बहुत आवश्यकता होती है जिससे कि उसकी बॉडी मजबूत तो बनेगी ही, साथ ही प्रॉपर शेप में भी आएगी। छोटे बच्चों की मसाज चेहरे से शुरू कर पांवों तक पहुंचनी चाहिए। बेहतर है कि उसकी मसाज देसी घी से की जाए। यदि अन्य तेल इस्तेमाल करना चाहती हैं तो वह तेज खुशबू वाला नहीं होना चाहिए।

नहलाना है जरूरी

यूं तो छोटे बच्चे को रोज गुनगुने पानी से नहलाया जाए तो वह काफी एक्टिव फील करता है। इसके लिए पहले उसे गुनगुने दूध से नहलाएं और बाद में उसे बेबी शैंपू से नहला दें। बहुत छोटे बेबी के नहाने के पानी में बेबी लोशन या ऑयल की कुछ बूंदें डाल दें। जब मौसम अनुकूल न हो तो उसे हर रोज नहलाना भी जरूरी नहीं, गुनगुने पानी में टॉवल भिगो कर उसे स्पंज कर उसके कपड़े बदल दें। बच्चे की स्कैल्प पर जन्म के बाद एम्नियोटिक फलूइड के अंश लगे रह जाते हैं। इन्हें एक दिन में हटाने की कोशिश न करें। हर रोज बच्चे के सिर पर बेबी कोम को हल्के हाथों से फिराते हुए निकालें।

नैपी नॉट

बच्चों के लिए डायपर खरीदते समय उसके वजन का ख्याल अवश्य रखें। ये उम्र की अपेक्षा उनके वजन को ध्यान में रख कर बनाए जाते हैं। डायपर को इस ढंग से बांधें कि उसकी स्किन पर रैशेज न पड़ें। इन्हें चेंज करते समय बच्चे के जननांग की विशेष रूप से सफाई करें।

सॉफ्ट हों परिधान

नन्हे- मुन्नों को हर मौसम में सॉफ्ट परिधान ही चाहिएं। उनके कपड़ों की डिजाइनिंग ऐसी होनी चाहिए जिसमें नैपी चेंज करना आसान हो। लेस वाले परिधानों में जहां उसकी उंगलियां फंसने का डर रहता है, वहीं बटन या फूलों वाली ड्रैस उसे चुभ सकती है। ठंडे मौसम में उसे फुल बॉडी सूट तथा गर्मियों में उसे सूती कपड़े के झबले पहनाएं।

जब रो उठे बच्चा

यूं तो बच्चों के रोने के कई कारण होते हैं। कई बार वह भूख लगने से रो सकता है, तो कभी उसे नींद आई होती है। कई बार उसकी नैपी गीली या गंदी हो जाने पर वह रोता है तो कभी थकान या दर्द की वजह से भी रो उठता है। इसके अलावा बच्चा अकेला होने पर डर कर भी रो उठता है। ऐसे में बच्चे को अपनी गोद में लेकर प्यार करें। आपके प्यार भरे स्पर्श से ही वह आश्वस्त हो जाता है कि कोई उसके पास है। यदि फिर भी बच्चे का रोना बंद न हो तो समझ जाएं कि उसे कोई तकलीफ है तथा उसे तुरंत डॉक्टर के पास ले जाएं।

सोने की रूटीन

यूं तो नवजात शिशु का दिन सोते हुए तथा रात जागते हुए बीतती है, जिससे परिवार के किसी एक सदस्य को भी उसके साथ जागना पड़ता है। लगभग 3-4 माह बाद बच्चे की यह आदत ठीक होने लगती है। अक्सर बच्चे दूध पीते-पीते गहरी नींद सो जाते हैं। बच्चे का बिस्तर गुदगुदा और मुलायम होना चाहिए तथा उसके कमरे में शोर नहीं होना चाहिए।

हैल्थ केयरिंग

बच्चे की हैल्थ से जुड़े हर प्रस्क्रिप्शन की फाइल बनाएं तथा उसका बर्थ सर्टीफिकेट भी उसमें रखें। पीडियाट्रीशियन के यहां से मिले वैक्सीन के कार्ड को भी इसी फाइल में संभाल कर रख दें। जन्म के बाद के उसके हर ट्रीटमैंट के पेपर इसी में होने चाहिएं और जब भी उसे हॉस्पिटल या नर्सिंग होम लेकर जाएं तो इस फाइल को भी साथ में ले जाएं।

सॉलिड फूड

छ- माह तक बच्चे को मां का दूध ही दें तथा उसके बाद डॉक्टर की सलाह पर उसे सॉलिड फूड देना आरंभ करें।

स्टाइलिश बनाएं अपने बाथरूम को

बाथरूम घर के महत्वपूर्ण स्थानों में से एक है, क्योंकि सुबह उठते ही सबसे पहले हम सब सीधे वहीं तो जाते हैं ताकि फ्रैश हो कर दिन भर के लिए तैयार हो सकें। बाथरूम में यदि करीने से सारी एक्सैसरीज रखी जाएं तो उसे खूबसूरत लुक दिया जा सकता है। आजकल बाजार में उपलब्ध विस्तृत रेंज आपके लिए बहुत सारे विकल्प प्रदान करती है, परंतु इस बात का ध्यान रखें कि ये सारी वस्तुएं बाकी सजावट से मेल खाती हों।

दर्पण

दर्पण के बिना बाथरूम अधूरा-सा लगता है, क्योंकि दर्पण किसी भी बाथरूम का एक अभिन्न अंग है और किसी छोटे से बाथरूम को भी यह बढ़ा कर दिखा सकता है। एक स्टाइलिश दर्पण किसी भी जगह को एक शानदार लुक और फील भी प्रदान करेगा। आप अपनी पसंद से डिजाइन और साइज चुन सकती हैं, हालांकि आजकल बड़े आकार के दर्पण लगाने का ट्रैंड है।

नल

बाथरूम को स्टाइलिश लुक देते है खूबसूरत डिजाइन और रंगों वाले नल। इसलिए टाइल्स के रंग से मैच करते नल एवं शॉवर इसे खूबसूरती प्रदान करते हैं। खरीददारी करते समय इस बात का ध्यान रखें कि यदि आप के घर में बच्चे हैं तो ज्यादा कांप्लीकेटेड नल न लेकर साधारण नल ही लें।

वाशबेसिन

किसी भी बाथरूम का एक अभिन्न हिस्सा उसका वाशबेसिन होता है। इसका रंग बाकी एक्सैसरीज से मेल खाता हो तथा यह सही आकार में होना चाहिए अर्थात यह न ज्यादा छोटा हो और न ही ज्यादा बड़ा, क्योंकि दोनों से ही परेशानी हो सकती है। आप दीवार पर टंगने वाला वाशबेसिन भी चुन सकती हैं या फिर यह स्वतंत्र रूप से खड़ा होने वाला हो।

टायलैटरी होल्डर

साबुन ट्रे और टूथब्रश होल्डर बाथरूम में रखी जाने वाली महत्वपूर्ण और उपयोगी चीजें हैं। हालांकि ये चीजें बहुत छोटी और महत्वहीन लगती हैं, लेकिन इनके बिना निश्चित रूप से आपका बाथरूम अधूरा लगेगा। इसके अलावा आज रंगों और पैटर्न की बड़ी रेंज उपलब्ध होने से ये अद्भुत रूप से बाथरूम का केंद्र बिंदु बन सकते हैं। केवल यह सुनिश्चित करें कि ये बाकी की सजावट और रंगों से मेल खाते हों।

छिपाएं सौंदर्य की अनचाही कमियों को...

अवसर चाहे पार्टी का हो या अपनी सगाई और शादी का, सबसे सुंदर दिखना हर लड़की का सपना होता है और आज के माहौल में जहां हर किसी के पास समय का अभाव रहता है वहीं लेजर के माध्यम से कम समय में खूबसूरती पाने का प्रचलन काफी बढ़ गया है। लेजर के द्वारा आप अपने सौंदर्य की अनचाही कमियों को आसानी से छुपा सकती हैं।

ब्राइडल किट में आने वाली सुविधाएं

यह स्किन में बदलाव लाने वाली लेजर उपचार प्रणाली है जिसमें फेस में मौजूद दाग-धब्बों तथा चेहरे पर आई चोट के निशानों को हटाया जाता है। हेयर रिएक्शन बॉडी से अनचाहे बालों को हटाता है।

माइक्रोडर्मा ब्रेसन

यह एक नई तकनीक है जिसे लेजर फेशियल कहा जाता है जो त्वचा को आंतरिक चमक देती है। लेजर पद्धति की इन प्रक्रियाओं में सबसे ज्यादा लेजर फेशियल को पसंद किया जा रहा है।

टूथ व्हाइटनिंग

इस प्रक्रिया द्वारा दांतों की चमक को बढ़ा कर आपकी मुस्कान को सुंदर बनाया जाता है।

डर्मा सिल्क फेशियल

डर्मा सिल्क फेशियल के अंतर्गत डायमंड मोनो आक्साइड क्रिस्टल का प्रयोग किया जाता है जो त्वचा को गोरा तथा चमक प्रदान करता है। साथ ही त्वचा पर उम्र के पडने वाले प्रभावों को रोकता है। एक लेजर फेशियल आपको दस साधारण फेशियलों के बराबर लाभ देता है।

क्रोमोलाइट फेशियल

इस फेशियल के तहत डैड स्किन को हटाया जाता है और नई त्वचा के ऊपर पीली रंग की क्रोमोलाइट के द्वारा स्किन के भीतरी तत्वों का उपचार किया जाता है जो त्वचा को पोषण प्रदान करने वाले भागों को सक्रिय करता है। यह साधारण तौर पर लिए जाने वाले फेशियल से पांच गुणा अधिक लाभ पहुंचाता है।

टायलैट रोल स्टैंड

यह आपको किसी महत्वहीन एक्सैसरी की तरह लग सकता है, लेकिन यकीनन यह सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाली चीज है। गीली टॉयलैट सीट या फिर धोने के बाद हाथ पोंछने के लिए टिशू का अभाव किसी को भी पसंद नहीं होता। टॉयलैट रोल होल्डर खरीदते समय ध्यान रखें कि वह कवर वाला हो। ऐसा करने से शॉवर का इस्तेमाल करने पर टिशू रोल गीला नहीं होगा।

डस्टबिन

बेशक यह बाथरूम की सबसे अधिक महत्वपूर्ण चीजों में से एक है। आखिर आप रैपर, बेकार टिशू पेपर, टायलैटरीज जैसे साबुन, टूथपेस्ट आदि के बचे हुए टुकड़े अपने बाथरूम के फर्श पर तो गिराना नहीं चाहेंगे। कूड़े पर मक्खियों और कीड़ों को बैठने से बचाने के लिए कवर वाला कचरे का डिब्बा एक बेहतर विकल्प है। विशेष रूप से पैडल टाइप कवर वाले डिब्बे को खोलने और बंद करने के लिए आपको झुकना नहीं पड़ेगा।

लांड्री बास्केट

यह आवश्यक नहीं है, परंतु बाथरूम में एक अच्छी चीज है। लांड्री बास्केट होने से परिवार के सभी लोग धोने वाले कपड़ों को एक ही जगह रख पाएंगे और इससे हर कमरे में जाकर कपड़े ढूंढने की आपकी परेशानी समाप्त हो जाएगी।

बाथरूम में स्टाइलिश कैबिनेट

आपके बाथरूम में उपलब्ध जगह के अनुसार आप एक दर्पणयुक्त पैनल का विकल्प चुन सकती हैं, ताकि एक अतिरिक्त दर्पण की आवश्यकता समाप्त हो जाए।

ग्लास डोर कैबिनेट

इस कैबिनेट के डोर ग्लास के बने होते हैं जो देखने में शानदार लगता है। आप इसके अंदर सामान रख सकते हैं तथा इसे वाश बेसिन के ऊपर भी इंस्टॉल कर सकते हैं।

वैनिटी कैबिनेट

बाथरूम वैनिटी कैबिनेट कई स्टाइल में बाजार में उपलब्ध हैं। ढेरों ऑप्शन्स में से पसंदीदा डिजाइन चुन कर आप इन्हें बाथरूम के साइज के अनुसार सैट कर सकती हैं। यह आपको सिंगल वाश बेसिन या डबल वाश बेसिन दोनों ही तरह से मिल जाएगा। इसे सीधे फ्लोर पर भी रख सकते हैं। इसमें आपको मिरर लगा मिलेगा और वाश बेसिन भी साथ होगा। नीचे की तरफ काऊंटर बने होंगे जिनमें आप सामान रख सकते हैं, इस तरह हुआ न यह थ्री इन वन।

अल्मीरा कैबिनेट

ये कैबिनेट अलमारीनुमा है जिसे आप ज्यादा स्पेस वाले वाशरूम में रख सकते हैं। इसमें आपको सामान रखने की भरपूर स्पेस मिलेगी।

मिरर कैबिनेट

यदि बाथरूम छोटा हो तो आप मिरर कैबिनेट का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसमें कैबिनेट के दरवाजे में मिरर लगा होता है। यह कैबिनेट कम स्पेस को ध्यान में रखकर इस्तेमाल की जा सकती है।

वाल माऊंटेड कैबिनेट

इसे आप बाथरूम की दीवारों पर सैट कर सकती हैं, जिसमें सामान रखने के लिए कबर्ड तो होता ही है, टॉवल टांगने के लिए भी जगह होती है।

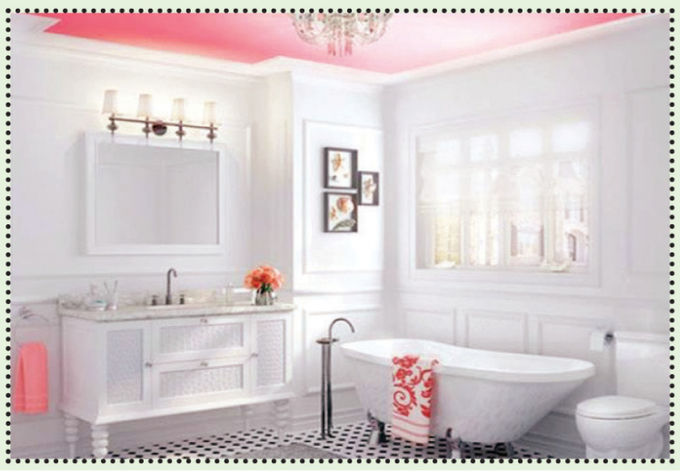

आईएसएलः मुम्बई सिटी एफसी के वर्चस्व को चुनौती देगी ओडिशा एफसी

एजेंसी

भुवनेश्वर। मुम्बई सिटी एफसी और ओडिशा एफसी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में दूसरी बार भिड़ेंगी, जब जगरनॉट्स शाम 7:30 बजे अपने घरेलू मैदान कलिंगा स्टेडियम में खेले जाने वाले रिवर्स फिक्स्चर मुकाबले में आइलैंडर्स की मेजबानी करेंगे।दोनों टीमों के बीच अक्टूबर में मुम्बई में खेला गया इस सीजन का पहला मुकाबला 1-1 से ड्रा रहा था। लेकिन दोनों की नजरें आगामी मुकाबले में पूरे तीन अंक जीतने पर होंगी।ओडिशा एफसी 10 मैचों में चार जीत, तीन ड्रा और तीन हार से 15 अंक लेकर तालिका में तीसरे स्थान पर है। जबकि मुम्बई सिटी एफसी नौ मैचों में तीन जीत, चार ड्रा और दो हार से 13 अंक लेकर तालिका में आठवें स्थान पर है।

गोल स्कोरिंग स्ट्रीकः जगरनॉट्स ने अपने पिछले 10 घरेलू आईएसएल मैचों में से प्रत्येक में गोल किया है। वे आगामी मैच में गोल करते ही दिसंबर 2019 और दिसंबर 2022 के बीच लगातार 11 घरेलू मैचों में गोल करने के अपने रिकॉर्ड की बराबरी करेंगे।

टीम स्क्वैश चैंपियनशिप के लिए 8 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली। हांगकांग, चीन में 9 से 15 दिसंबर तक होने वाले डब्ल्यूएसएफ विश्व टीम स्क्वैश चैंपियनशिप में भारत आठ सदस्यीय टीम (पुरुष और महिला) भेजेगा। स्क्वैश इतिहास में पहली बार, पुरुषों और महिलाओं की स्पर्धाएँ एक साथ आयोजित की जाएंगी, जिसमें महिलाओं की स्पर्धा में 23 टीमें और पुरुषों की स्पर्धा में 26 टीमें शामिल होंगी। 9/12 वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष टीम पूल एफ में कोलंबिया और आयरलैंड के साथ प्रतिस्पर्धा करेगी। 10/12 वरीयता प्राप्त भारतीय महिला टीम को अपने पूल में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा, जिसमें बेल्जियम (तीसरी वरीयता), कोलंबिया और इटली शामिल हैं। पूर्व एशियाई खेलों के पदक विजेता और राष्ट्रीय चैंपियन हरिंदर पाल सिंह संधू और जोशना चिनप्पा क्रमशः पुरुष और महिला टीमों के कोच होंगे। संयोग से, 19 बार की राष्ट्रीय चैंपियन जोशना के लिए यह पहला कोचिंग असाइनमेंट होगा।

भारतीय टीम इस प्रकार है:

पुरुषः अभय सिंह, वेलावन सेंथिलकुमार, वीर चोटरानी, सूरज चंद।
महिलाः अनाहत सिंह, आकांक्षा सालुंखे, निरुपमा दुबे, अंजलि सेमवाल।

अंडर-19 एशिया कप में भारतीय टीम ने यूएई को 10 विकेट से दी शिकस्त

शारजाह। भारतीय अंडर 19 टीम ने अंडर-19 एशिया कप में यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) को 10 विकेट से करारी शिकस्त दी। यूएई के खिलाफ इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 138 रन का लक्ष्य मिला था, जिसे उसने 16.1 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई है, जहां उसका सामना श्रीलंका की टीम से होगा। यह मैच छह दिसंबर को खेला जाएगा। शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मैच में यूएई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की। टीम 44 ओवर में मात्र 137 रन पर ऑलआउट हो गई। यूएई के लिए सबसे ज्यादा रन रायन खान ने बनाए। रायन ने 48 गेंदों में 3 चौके और एक छक्के की मदद से 35 रन बनाए। रायन के अलावा अक्षत राय 26 रन, एथन डिसूजा ने 17 रन, उदिश सूरी 16 रन, आर्यन सक्सेना 9 रन, नूरुल्लाह अयोबी 9 रन, हर्ष देसाई 7 रन, अयान खान 5 रन, मुदित अग्रवाल चार रन और अली असगर शम्स ने दो रन का योगदान दिया। याइन राय खाता नहीं खोल सके थे। भारतीय टीम की ओर से युद्धाजीत गुहा ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। चेतन शर्मा और हार्दिक राज को दो-दो विकेट मिले, जबकि केपी कार्तिकेय और आयुष म्हात्रे को एक-एक विकेट मिला। इसके बाद 138 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 16.1 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए 143 रन बनाकर जीत हासिल कर ली।

पर्थ टेस्ट में जीत से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है : केएल राहुल

एडिलेड। भारतीय क्रिकेट टीम इस समय पांच मैचों की टेस्ट सीरीज (बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी) के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। सीरीज का पहला टेस्ट पर्थ में खेला जा चुका है। पहले मैच में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों से हराकर सीरीज में 1-0 से आगे है। अब 06 दिसंबर से एडिलेड में दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट (पिंक बॉल) खेला जाएगा। मैच से पहले भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल ने कहा कि पर्थ टेस्ट में जीत से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है राहुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हम जिस तरह से खेले उससे वाकई बहुत खुश हैं और जब आप ऑस्ट्रेलिया जाते हैं, पहला मैच जीतते हैं और उसे उस तरह से जीतते हैं जैसा हमने पर्थ में जीता, तो इससे आपको बहुत आत्मविश्वास मिलता है। मेरा मतलब है कि पर्थ के बारे में बहुत कुछ कहा जाता है कि यह ऑस्ट्रेलिया का सबसे तेज विकेट है और यहां आने वाली टीमों को वास्तव में यहां संघर्ष करना पड़ा है। तो हां, हमे इससे काफी आत्मविश्वास मिला है। इस सवाल पर कि आप किस स्थान पर बल्लेबाजी करेंगे उन्होंने एक अजीब जवाब दिया। राहुल ने कहा कि मुझे तो बताया गया है, लेकिन मुझे यह भी कहा गया है कि यह किसी से साझा न करूं। आपको पहले दिन (टेस्ट के) या शायद कल (गुरुवार) कप्तान (रोहित शर्मा) के आने का इंतजार करना होगा।

हैमिल्टन और मर्सिडीजः उपलब्धियों और यादों के 12 साल का सफर हुआ समाप्त

एजेंसी

नई दिल्ली। लुईस हैमिल्टन इस सप्ताहांत अबू धाबी ग्रैंड प्रिक्स में मर्सिडीज के लिए अपनी अंतिम रेस में भाग लेंगे, क्योंकि वह 2025 सीज़न के लिए फेरारी में स्थानांतरित हो रहे हैं। सात बार के विश्व चैंपियन ने 12 साल के कार्यकाल के बाद सिल्वर एरो को अलविदा कहेंगे, जिसके दौरान टीम ने आठ कंस्ट्रक्टर्स टाइटल (2014-21) जीते, और हैमिल्टन ने छह ड्राइवर्स क्राउन (2014, 2015, 2017, 2018, 2019, 2020) जीते। मर्सिडीज ने 2014 में अपनी पहली कंस्ट्रक्टर्स चैंपियनशिप जीती और 50 से अधिक वर्षों के अंतराल के बाद ग्रिड में फिर से प्रवेश किया। हैमिल्टन ने उसी वर्ष मर्सिडीज के साथ अपना पहला ड्राइवर खिताब जीता, 2008 में मैक्लेरेन के साथ अपना पहला खिताब जीतने के बाद यह उनका दूसरा खिताब था। उनके टीम के साथी निको रोसबर्ग ने महत्वपूर्ण योगदान दिया, और दूसरे स्थान पर रहे।ब्रिटिश ड्राइवर ने

2016 में भी जीत हासिल की, जबकि रोसबर्ग एक बार फिर उनसे पीछे रहे। हालांकि, 2016 में खिताब की लड़ाई टीम के साथियों के बीच काफी संघर्षपूर्ण रही, जिसमें जर्मन ने हैमिल्टन को पांच अंकों से हराया। रोसबर्ग अपनी शानदार उपलब्धि के बाद हैमिल्टन के साथ वाल्टेरी बोटास शामिल हुए, इस जोड़ी ने पांच खिताब दिलाए, एक ऐसा दौर जिसमें हैमिल्टन ने माइकल शूमाकर के सात चैंपियनशिप के रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए लगातार चार ड्राइवर खिताब (2017-2020) जीते। 2021 में, वह एक बार फिर आगे चल रहे थे, लेकिन उनका सामना रेड बुल के कट्टर प्रतियोगी और अंततः चार बार के विश्व चैंपियन मैक्स वेरस्टैपेन से हुआ।इस सीज़न के आखिरी मुक़ाबले में एक विवादास्पद अंत हुआ जिसमें वेरस्टैपेन ने हैमिल्टन को एक अंक से हराया जबकि मर्सिडीज ने अपना खिताब बरकरार रखा। इसके बाद, मर्सिडीज रैंकिंग में नीचे गिर गई और हैमिल्टन का फ़ॉर्म भी उसके साथ ही गिर गया। यह शीर्ष टीमों के साथ बने रहने में विफल रही है और तीन सालों में सिर्फ़ पाँच रेस जीत पाई है, जिसमें 2023 में एक भी जीत दर्ज नहीं की गई। 39 वर्षीय हैमिल्टन ने अपने डब्ल्यू 15 के साथ एक भूलने वाला सीज़न बिताया है, वह अक्सर अपनी निराशा व्यक्त करते रहे हैं। जॉर्ज रसेल ने लगातार उनसे बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि दोनों ड्राइवरों ने दो-दो जीत दर्ज कीं। जैसे-जैसे सीज़न अपने अंत के करीब आ रहा है, हैमिल्टन निश्चित रूप से अपने दुख को पीछे छोड़ना चाहेंगे और उस टीम के साथ अपनी बनाई यादों को याद करेंगे जिसने उन्हें शीर्ष पर पहुँचाया।

हॉकी इंडिया ने की जूनियर एशिया कप जीतने पर भारतीय टीम को नकद पुरस्कार देने की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने मस्कट, ओमान में पुरुष जूनियर एशिया कप के उच्च स्कोर वाले फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 5-3 से हराकर अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। की इंडिया ने पुरुष जूनियर एशिया कप में खिताब की रक्षा और शानदार प्रदर्शन के लिए प्रत्येक खिलाड़ी को 2 लाख रुपये और प्रत्येक सहयोगी स्टाफ को 1 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। भारत के लिए अराजित सिंह हुंदल (4फीसदी, 18फीसदी, 47फीसदी, 54फीसदी) ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और चार गोल किये, जबकि दिलराज सिंह (19फीसदी) ने भी एक गोल का योगदान दिया। दूसरी ओर, पाकिस्तान के कप्तान शाहिद हन्नान (3फीसदी) और सुफयान खान (30फीसदी, 39फीसदी) ने गोल किया। भारत ने अब तक इस टूर्नामेंट में रिकॉर्ड पांच बार ट्रॉफी उठाई है, जिसमें 2023, 2015, 2008 और 2004 में उनकी पिछली जीत शामिल है।

हरभजन, अभिवन, गगन ने भारतीय टीम को पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मैच के लिए दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नयी दिल्ली। क्रिकेट खिलाड़ी हरभजन सिंह, निशानेबाज अभिनव बिंद्रा और ओलंपियन गगन नारंग ने हॉकी पुरुष जूनियर एशिया कप फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ होने वाले मुकाबले के लिए भारतीय टीम का उत्साहवर्धन करते हुए शुभकामनाएं दी है। टीम को शुभकामनाएं देते हुए वीडियो संदेश में हरभजन सिंह ने कहा, भारतीय हॉकी टीम को बहुत-बहुत बधाई जो आज पाकिस्तान के खिलाफ पुरुष जूनियर एशिया कप का फाइनल खेल रही है। दोस्तों, मैं आपको मैदान पर शुभकामनाएं देना चाहता हूं, भारत के लिए जीत हासिल करें। मुझे यकीन है कि आप यह कर सकते हैं। कमओन भारत। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने अपने संदेश में मलेशिया के खिलाफ जीत के लिए युवा खिलाड़ियों की प्रशंसा की और पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, सेमीफाइनल में मलेशिया के खिलाफ अविश्वसनीय जीत के लिए हमारी भारतीय जूनियर हॉकी टीम को

बहुत-बहुत बधाई। जूनियर एशिया कप फाइनल में पहुंचना एक अद्भुत उपलब्धि है और आपने पहले ही देश को बहुत गौरवान्वित किया है। आज रात जब आप पाकिस्तान के खिलाफ मैदान में उतरेंगे, तो बस याद रखें, उस पल का आनंद लें और जिस तरह से आप खेलना पसंद करते हैं, वैसा खेलें। अपने कौशल पर भरोसा रखें, एक-दूसरे पर भरोसा करें और उस लड़ाई की भावना को जीवित रखें। हम सभी आपका उत्साहवर्धन कर रहे हैं और आपको शुभकामनाएं दे रहे हैं। वहां जाएं और मौज-मस्ती करें। शुभकामनाएं और जय हिंद। गगन नारंग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, आइए हमारी भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का उत्साहवर्धन करें जो आज रात पुरुष हॉकी जूनियर एशिया कप के फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगी। मेरे प्रिय मित्र श्रीजेश द्वारा प्रशिक्षित भारतीय टीम रिकॉर्ड पांच बार खिताब जीतने वाली एशिया की एकमात्र टीम बनने के लिए इतिहास रचने से बस एक कदम दूर है।

टीपीएल-6 के दूसरे दिन बेंगलुरु एसजी पाइपर्स और गुजरात पैंथर्स शीर्ष दो में

एजेंसी

मुंबई। टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) सीजन-6 के दूसरे दिन के पहले हाफ में बेंगलुरु एसजी पाइपर्स तालिका में शीर्ष पर तथा सुमित नागल की गुजरात पैंथर्स अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। आज यहां क्लियर प्रीमियम वाटर द्वारा संचालित टीपीएल में बेंगलुरु एसजी पाइपर्स और बंगाल विजार्ड्स के बीच मुकाबला शुरू हुआ, जिसमें गैब्रिएला नटसन का मुकाबला कामिला राखीमोवा से हुआ। महिला एकल वर्ग में बंगाल विजार्ड्स की कामिला राखीमोवा ने 14-11 के स्कोर के साथ जीत हासिल की।

इसके बाद पुरुष एकल वर्ग में निकी पूनाचा और बर्नबे ज़ापाटा मिरालेस के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें निकी ने 13-12 के स्कोर के साथ मुकाबला अपने नाम किया। बेंगलुरु एसजी पाइपर्स की गैब्रिएला नटसन और अनिरुद्ध चंद्रशेखर की जोड़ी ने मिक्स्ड डबल्स कैटेगरी में बंगाल विजार्ड्स की कामिला राखीमोवा और श्रीराम बालाजी को 14-11 से हराकर जीत हासिल की। पुरुष युगल वर्ग में अनिरुद्ध चंद्रशेखर और बर्नबे जैपाटा मिरालेस ने निकी पूनाचा और श्रीराम बालाजी

को 15-10 के स्कोर से हराया, जिससे बेंगलुरु एसजी पाइपर्स ने करीबी मुकाबले में 52-48 से जीत हासिल की।

दिन के दूसरे मैच में पंजाब पैट्रियट्स और गुजरात पैंथर्स आमने-सामने थे। एकातेरिना काज़ियोनोवा ने गुजरात पैंथर्स को बेहतरीन शुरुआत दी और महिला एकल वर्ग में आकांक्षा नितुरे के खिलाफ 19-6 से जीत हासिल की। ??मुकुंद शशिकुमार ने पुरुष एकल में सुमित नागल के खिलाफ 15-10 के स्कोरलाइन से मैच जीता।

अराएजीत सिंह हुंदल के चार गोल, भारत ने पाकिस्तान को 5-3 से हराकर जीता खिताब

एजेंसी

मस्कट। अराएजीत सिंह हुंदल के चार गोलों की बदौलत भारत ने पुरुष जूनियर एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को 5-3 से हराकर अपना खिताब बरकरार रखा। इसी के साथ भारत पांचवीं बार यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली टीम बन गई हैं। आज यहां ओमान के मस्कट खेले गये फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के लिए हन्नान शाहिद ने मैच के तीसरे मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके एक मिनट बाद भारत के अराएजीत सिंह हुंदल ने पेनल्टी कार्नर की मदद से चौथे मिनट में गोल कर स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया।इसके बाद भारत के अराएजीत सिंह हुंदल ने एक बार फिर कमाल करते हुए दूसरे क्वार्टर में 18वें मिनट में फिर से पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर भारत को बढ़त दिला दी। इसके बाद दिलराज सिंह ने 19वें मिनट में गोलकर भारत की बढ़त 3-1 कर दी। पकिस्तान के लिए सुफिया खान ने 30वें और 39वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के जरिए गोल कर स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया। तीसरा

क्वार्टर समाप्त होने के बाद दोनों टीमों का स्कोर तीन-तीन से बराबर रहा। चौथे क्वार्टर मे अराएजीत सिंह हुंदल ने 47वें मिनट में मैदानी गोल और उसके बाद 54वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के जरिए गोलकर स्कोर को 5-3 कर भारत की जीत सुनिश्चत कर दी। भारतीय ने लगातार दूसरी बार पुरुष जूनियर एशिया कप का खिताब जीता है। भारत ने 2023 में भी टूर्नामेंट का चैंपियन रहा था। इससे पहले भारत ने 2015 और 2008 और 2004 में भी यह खिताब जीता था। उल्लेखनीय है कि भारत ने मंगलवार को सेमीफाइनल में मलेशिया को 3-1 से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया था।

सुदेवा ने नेशनल यूनाइटेड सपोर्टिंग क्लब को हराया

एजेंसी

नयी दिल्ली। डीएसए प्रीमियर लीग में सुदेवा दिल्ली एफसी ने नेशनल यूनाइटेड सपोर्टिंग क्लब को 5 -0 से हरा कर पूरे अंक अर्जित किए। आज यहां अम्बेडकर स्टेडियम पर खेले गए एकतरफा मुकाबले में सुदेवा की जीत का हीरो बदलू खिलाड़ी तुषार कुमार सिँह ने दो बेहतरीन गोल जमाए। वहीं जाजो प्रशांन और एम लुवांग ने एक एक गोल का योगदान दिया। अमित ने आत्मघाती गोल कर नेशनल यूनाइटेड की हार को बड़ा किया। हालांकि सुदेवा ने शुरू से दबदबा बनाने का प्रयास किया लेकिन अग्रिम पंक्ति के खिलाडियों ने आसान मौकों पर लक्ष्यविहीन निशांने लगाए। नतीजान खाता खोलने में देर हुई।

20वें मिनट में जाजो ने कठिन कोण से गोल दाग कर वाह वाह लूटी। दूसरे हाफ में नेशनल यूनाइटेड की रक्षापंक्ति ने बार बार चूक दिखाई

और सुदेवा की जीत का आकार बड़ा जो गया । इस जीत के साथ सुदेवा के नौ मैचों में 16 और नेशनल के नौ अंक हैं।

राशिद और नबी ने की अफगानिस्तान में महिला शिक्षा अधिकार के बहाली की अपील

एजेंसी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान क्रिकेट के सबसे बड़े नाम राशिद खान और मोहम्मद नबी ने तालिबान द्वारा नर्स और दाइयों के रूप में प्रशिक्षण लेने वाली महिलाओं के लिए संस्थानों को बंद करने की कथित रूप से कड़ी आलोचना की है।अगस्त 2021 में तालिबान के कब्जे के बाद से अफगानिस्तान में महिलाओं के अधिकारों के लिए ये बंदिशें एक नया झटका हैं। तालिबान ने लड़कियों और महिलाओं के लिए माध्यमिक और उच्च शिक्षा पर प्रतिबंध लगा दिया है, हालाँकि अब तक चिकित्सा क्षेत्र में छूट मौजूद थी। लड़कियों और महिलाओं के खेल में भाग लेने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है, जिससे आईसीसी के पूर्ण सदस्य के रूप में अफगानिस्तान की स्थिति लगातार जांच के दायरे में आ गई है।राशिद ने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, इस्लाम में शिक्षा का केंद्रीय स्थान है, जो पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए ज्ञान की खोज पर जोर देती है। कुरान सीखने के महत्व पर प्रकाश डालता है और दोनों लिंगों के समान आध्यात्मिक मूल्य को स्वीकार करता है। अफगानिस्तान की बहनों और माताओं के लिए हाल ही में शैक्षणिक और चिकित्सा संस्थानों के बंद होने पर मैं बहुत दुख और निराशा के साथ विचार करता हूं। इस निर्णय ने न केवल उनके भविष्य को बल्कि हमारे समाज के व्यापक ताने-बाने को भी गहराई से प्रभावित किया है। सोशल मीडिया के माध्यम से वे जो दर्द और दुख व्यक्त करते हैं, वह उनके सामने आने वाले संघर्षों की मार्मिक याद दिलाता है।

उन्होंने आगे कहा, अफगानिस्तान, हमारी प्यारी मातृभूमि, एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। देश को हर क्षेत्र में पेशेवरों की सख्त जरूरत है, खासकर चिकित्सा क्षेत्र में। महिला डॉक्टरों और नर्सों की भारी कमी विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि यह सीधे तौर पर महिलाओं की स्वास्थ्य सेवा और सम्मान को प्रभावित करती है। हमारी बहनों और माताओं के लिए यह ज़रूरी है कि उन्हें ऐसे चिकित्सा पेशेवरों द्वारा प्रदान की जाने वाली देखभाल तक पहुँच मिले जो वास्तव में उनकी जरूरतों को समझते हों। मैं ईमानदारी से इस फ़ैसले पर पुनर्विचार करने की अपील करता हूँ ताकि अफगान लड़कियाँ शिक्षा के अपने अधिकार को पुनः प्राप्त कर सकें और देश के विकास में योगदान दे सकें। सभी को शिक्षा प्रदान करना न केवल एक सामाजिक ज़िम्मेदारी है बल्कि एक नैतिक दायित्व है जो हमारे विश्वास और मूल्यों में गहराई से निहित है। नबी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखते हुए राशिद का समर्थन किया, उन्होंने लिखा, लड़कियों को चिकित्सा की पढ़ाई करने से प्रतिबंधित करने का तालिबान का फैसला न केवल दिल तोड़ने वाला है, बल्कि बेहद अन्यायपूर्ण भी है। इस्लाम ने हमेशा सभी के लिए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया है, और इतिहास मुस्लिम महिलाओं के प्रेरक उदाहरणों से भरा पड़ा है, जिन्होंने ज्ञान के माध्यम से कई पीढ़ियों को महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मैं तालिबान से इन मूल्यों पर विचार करने का आग्रह करता हूं।

गोवा ने लगाई जीत की हैट्रिक, हैदराबाद एफसी के खिलाफ बटोरे पूरे तीन अंक

एजेंसी

हैदराबाद। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में हैदराबाद एफसी का अपने घरेलू मैदान जीएमसी बालायोगी एथलेटिक स्टेडियम में हारने का सिलसिला जारी है। मेजबान टीम को अपने घर पर खेले चौथे मैच में भी हार मिली, जब एफसी गोवा ने बुधवार रात आईएसएल 2024-25 में जीत की हैट्रिक पूरी करते हुए मुकाबला 2-0 से अपने नाम किया। एफसी गोवा की जीत में राइट विंगर उदांता सिंह ने 33वें और स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर इकर गुआरोटक्सेना ने 44वें मिनट में गोल किए। स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर इकर गुआरोटक्सेना को दूसरा गोल करने और मिडफील्ड में दमदार खेल दिखाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।एफसी गोवा 10 मैचों में पांच जीत, तीन ड्रा और दो हार से 18 अंक लेकर तालिका में

छठे से तीसरे स्थान पर आ गई है। वहीं, अपनी टीम की लगातार तीसरी हार से हैदराबाद एफसी के हेड कोच थांगबोई सिंग्टो जरूर निराश होंगे। हैदराबाद एफसी 10 मैचों में दो जीत, एक ड्रा और सात हार से सात अंक लेकर तालिका में 11वें स्थान पर बनी हुई है।

यह आईएसएल में दोनों टीमों के बीच 11वां मुकाबला था और आज एफसी गोवा ने छठी बार जीत हासिल की है जबकि हैदराबाद ने तीन मैच जीते हैं। दो मैच ड्रा रहे हैं। मैच का पहला गोल 33वें मिनट में आया, जब राइट विंगर उदांता सिंह ने एफसी गोवा को शुरुआती बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 कर दिया। 44वें मिनट में स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर इकर गुआरोटक्सेना ने गोल करके एफसी गोवा की बढ़त को दोगुना करते हुए स्कोर 2-0 कर दिया।

हाफ में दबदबा एफसी गोवा का रहा क्योंकि राइट विंगर उदांता सिंह और स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर इकर गुआरोटक्सेना के गोल की बदौलत बढ़त बनाई और उसे बरकरार रखा। लिहाजा, एफसी गोवा 2-0 की बढ़त के साथ हाफ टाइम ब्रेक पर गई। गेंद पर ज्यादा नियंत्रण एफसी गोवा का 62 फीसदी रहा। गोवा ने छह प्रयास किए और दो शॉट टारगेट पर रखे, जिन पर गोल आए। वहीं, गेंद पर 38 फीसदी कब्जा रखने वाली हैदराबाद एफसी की ओर से आठ प्रयास किए गए, जिनमें से तीन शॉट टारगेट पर भी रहे लेकिन गोल नहीं आया।

बंगाल वॉरियर्स ने हार का सिलसिला तोड़ा, टेबल टॉपर हरियाणा स्टीलर्स को हराया

एजेंसी

पुणे। बंगाल वॉरियर्स अपनी हार का सिलसिला आखिरकार तोड़ दिया है और बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन क 92वें मुकाबले में अंक तालिका के शीर्ष पर चल रहे हरियाणा स्टीलर्स को 39-32 सें हराया। यह 15 मैचों में बंगाल की चौथी जीत है।बंगाल की जीत में स्टार रेडर मनिंदर सिंह (11) के अलावा प्रणय राणे (6) और मयूर कदम (5) की अहम भूमिका रही। इन सबने विनय के सुपर-10, शिवम पटारे के 08 अंक के प्रदर्शन को दोयम साबित करते हुए अपनी टीम को लंबे समय बाद जीत दिलाई। इस जीत ने बंगाल को अंक तालिका में 11वें से 10वें स्थान पर पहुंचा दिया है। बहरहाल, हरियाणा ने बंगाल के खिलाफ अच्छी शुरुआत करते हुए छह मिनट में 6-3 की लीड बना ली थी। इसके बाद डू ओर डाई रेड पर प्रणय ने एक अंक लेकर फासला दो का कर दिया और फिर मयूर कदम ने विनय को लपक स्कोर 5-6 कर दिया।

फिर सिद्धेश ने शिवम को लपक स्कोर को बराबर कर दिया। इसके बाद शादलू ने मनिंदर का शिकार कर विनय को रिवाइव कराया और आते ही विनय ने मंजीत और फजल को आउट कर स्कोर 9-6 कर दिया लेकिन प्रणय ने संजय को आउट कर फासला 2 का कर दिया। और फिर ब्रेक के बाद मयूर ने शिवम को आउट कर स्कोर 8-9 कर दिया। प्रणय ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए अपनी अगली रेड पर जयदीप और शादलू को आउट कर बंगाल को 10-9 की लीड दिला दी, लेकिन विनय ने स्कोर बराबर कर दिया। इसी बीच हरियाणा के लिए सुपर टैकल आन हो गया।

हरियाणा ने इसका लाभ लिया क्योंकि राहुल ने प्रणय को सुपर टैकल कर उसे 13-11 से आगे कर दिया। फिर विनय ने डू ओर डाई रेड पर मयूर को आउट कर यह स्थिति टाल दी। इस बीच मनिंदर ने इसी तरह की रेड पर हरदीप का शिकार कर फिर सुपर टैकल आन कर दिया। फिर प्रणय ने राहुल का शिकार किया और फिर बंगाल ने हरियाणा को आलआउट कर हाफटाइम तक 17-17 की बराबरी कर ली। आधे समय का खेल होने के बाद छह मिनट के खेल में स्कोर 20-20 था, लेकिन इस बीच शिवम ने सुपर रेड के साथ हरियाणा को 03 अंक से आगे किया और साथ ही बंगाल के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। इसके बाद तीन अंक लेकर बंगाल ने फासला 1 का किया लेकिन सुपर टैकल अभी भी आन था। मनिंदर ने फिर विनय को सुपर टैकल कर बंगाल को 25-24 से आगे कर दिया। इसके बाद शिवम ने स्कोर 25-25 कर दिया।

बंगाल ने हालांकि इसके बाद खुद को सुपर टैकल सिचुएशन से बाहर निकाल कर अच्छी खासी लीड ले ली। यह अलग बात है कि अब हरियाणा पर आलआउट का खतरा था। हरियाणा आलआउट नहीं टाल सकी और इस तरह बंगाल ने 36-28 की लीड ले ली। इस बीच शादलू ने मल्टी प्वाइंट रेड के साथ स्कोर 30-36 कर दिया, लेकिन अगली रेड पर प्रणय ने उनका शिकार कर लिया। हरियाणा ने अंतिम समय में वापसी की पुरजोर कोशिश की लेकिन वह फासले को पाट नहीं सकी और लगातार चार जीत के बाद सीजन की चौथी हार को मजबूर हुई।

सनी लियोनी

को हैदराबाद में क्यों नहीं करने दिया गया परफॉर्म ?

एक्ट्रेस सनी लियोनी बॉलीवुड का जाना माना नाम हैं, जिनकी फैन फॉलोइंग काफी ज्यादा है. हाल ही में हैदराबाद में एक्ट्रेस का एक शो ऑर्गेनाइज किया गया, जिसके लिए लोगों की अच्छी खासी भीड़ इकट्ठा हो गई. हालांकि, आखिरी मौके पर शो को कैंसल कर दिया गया, जिसकी वजह ऑर्गेनाइजर्स ने सनी लियोनी की तबीयत को बताया. लेकिन बाद में पता चला कि ऑर्गेनाइजर को पहले से ही शो की परमिशन नहीं मिली थी, लेकिन फिर भी उन्होंने अपना काम जारी रखा.

हैदराबाद के जुब्ली हिल्स के इल्यूजन पब में बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी डीजे नाइट में परफॉर्म करने वाली थीं. अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस को परफॉर्म करते देखने के लिए कई सारे लोगों ने बुकमाय शो के जरिए टिकट भी खरीद ली थी. डीजे नाइट की टाइमिंग रात के 11 बजे से 12.30 बजे तक का थी, जिसमें लगभग 500 से ज्यादा लोग शामिल होने वाले थे. लेकिन पब के बाहर 8 बजे से ही 100 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को तैनात कर दिया गया ताकि ये शो न हो पाए.

एक्ट्रेस की तबीयत का दिया हवाला

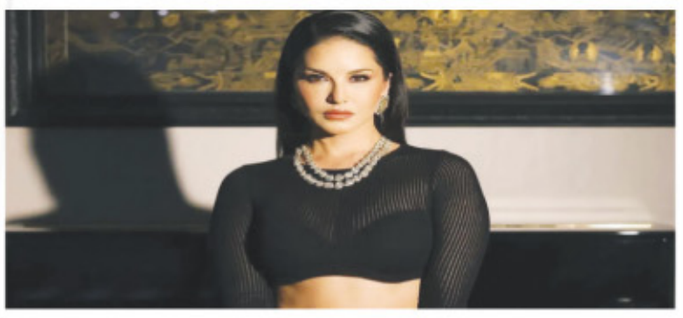

पुलिस की तैनाती को देखकर फैन्स काफी निराश दिखे, जिसको संभालने के लिए ऑर्गेनाइजर की ओर से पब की स्क्रीन पर एक वीडियो मैसेज दिया गया. जिसमें बताया गया कि सनी लियोनी की तबीयत खराब होने की वजह से वो परफॉर्म नहीं कर पाएंगी, लेकिन क्लब अपनी बॉलीवुड थीम की प्लानिंग के मुताबिक जारी रहेगा. आखिर में उन्होंने वहां आए सभी लोगों से असुविधा के लिए माफी मांगी. इस मैसेज को देखने के बाद कई लोग वहां से चले गए.

ऑर्गेनाइजर्स को नहीं थी परमिशन

हालांकि, जानकारी के मुताबिक सनी लियोनी के शो के लिए ऑर्गेनाइजर को परमिशन नहीं मिली थी, लेकिन उन लोगों ने इसके बावजूद अपनी प्लानिंग के हिसाब से काम जारी रखा. लोगों ने टिकट भी बुक कर ली और सनी लियोनी को हैदराबाद भी बुला लिया गया. ऑर्गेनाइजर्स को लगा कि ये स्थिति खुद-ब-खुद सुधर जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. पब के बाहर पुलिस शांति बनाए रखने के लिए 1 बजे तक तैनात रही.

ग्लैमर की दुनिया बहुत बुरी और वो....शादी के बाद इसलिए शाहिद कपूर को सताने लगी थी पत्नी मीरा की चिंता

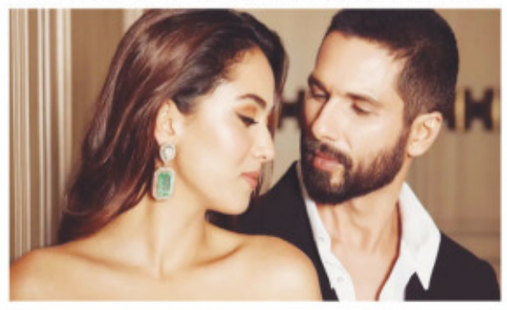

शाहिद कपूर और मीरा राजपूत पावर कपल हैं. दोनों ने जब अपनी शादी की घोषणा की थी तो शाहिद की फीमेल फैंस का दिल टूट गया था. जब शाहिद ने मीरा से शादी की तो वो सिर्फ 20 साल की एक कॉलेज स्टूडेंट थीं और शाहिद 34 साल के बेहतरीन कलाकार. हालांकि आज भी दोनों को फैंस खूब पसंद करते हैं और शादी के लगभग एक दशक के बाद भी दोनों काफी खुश हैं. हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान शाहिद ने खुलासा किया कि मीरा से शादी के बाद उनको लेकर अभिनेता में कितनी जिम्मेदारी की भावना आ गई है.जब शाहिद कपूर ने मीरा के साथ शादी की घोषणा की तो सभी हैरान थे. क्योंकि मीरा का फिल्म इंडस्ट्री से कोई कनेक्शन नहीं था. अपनी शादी के बारे में बात करते हुए शाहिद ने मीरा के साथ अपनी मुलाकात के बारे में बात की. उन्होंने बताया कि कैसे मीरा उनके सेलिब्रिटी स्टेटस से बिल्कुल अनजान थीं. हालांकि शाहिद का कहना है कि अब मीरा काफी कॉन्फिडेंट और स्ट्रॉन्ग हो गई हैं. उन्होंने अपनी पत्नी को जिद्दी भी बताया.

मीरा को लेकर काफी प्रोटेक्टिव थे शाहिद

एक इंटरव्यू में शाहिद कपूर ने बताया, जब हमने शादी की, तो मुझे लगा कि अब मुझे उसे प्रोटेक्ट करना होगा. क्योंकि वो सिर्फ 20 साल की लड़की है, जो दिल्ली से आ रही है और ग्लैमर की दुनिया बहुत बड़ी और बुरी है. यहां लोग एक दूसरे को बहुत जज करते हैं. शाहिद ने मीरा की तारीफ करते हुए कहा, वह मानती है कि मैं एक एक्टर हूं और मैं सोशली बहुत कंफर्टेबल हूं. लेकिन अब वह उन पार्टीज को भी कंफर्टेबली अटेंड करती है, जहां मैं सालों से जाता रहा हूं.

शाहिद के लिए लकी हैं मीरा

शाहिद कपूर का कहना है कि मीरा का उनकी लाइफ में आना बहुत पॉजिटिव रहा है. शाहिद ने मीरा पर प्यार लुटाते हुए कहा कि वो उनकी सबसे अच्छी लाइफ पार्टनर हैं. शाहिद और मीरा के दो बच्चे हैं मीशा और जैन. यह कपल सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहता है और फोटोज पोस्ट करता रहता है.वर्कफ्रंट की बात करें तो शाहिद कपूर फिल्म देवा में नजर आने वाले हैं. यह एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म बताई जा रही है, जो कि अगले साल रिलीज होगी. इससे पहले वो कृति सेनन के साथ फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में नजर आए थे.

सलमान को मिल जाती शाहरुख खान की ये ब्लॉकबस्टर फिल्म, अगर मेकर्स ने नहीं बदला होता इरादा

शाहरुख खान और सलमान खान की दोस्ती सालों पुरानी है, दोनों एक-दूसरे के लिए हमेशा खड़े नजर आते हैं. शाहरुख खान ने अपने करियर में कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया है. उन्होंने एक से बढ़कर एक ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं. अब तो उनके हिस्से में 1000-1000 करोड़ की दो फिल्में भी आ चुकी हैं. 21 साल पहले शाहरुख खान की एक फिल्म आई थी, इस फिल्म की शूटिंग के दौरान शाहरुख घायल हो गए थे, जिसके बाद उन्होंने मेकर्स को सलमान खान को कास्ट करने का सुझाव दिया था.ये फिल्म कोई और नहीं बल्कि 'कल हो ना हो' थी. इस फिल्म को निखिल आडवाणी ने डायरेक्ट किया था और उन्होंने ही मिर्ची प्लस के साथ ये किस्सा शेयर किया है. हाल ही में 'कल हो ना हो' को दोबारा रिलीज के बाद जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है. निखिल आडवाणी ने बताया कि कैसे

शाहरुख खान ने इस फिल्म को लिखने वाले और इसको सपोर्ट करने वाले करण जौहर को फोन करके अपना फिल्म न करने का इरादा जाहिर किया था.

शाहरुख ने 21 साल पहले लिया था ये फैसला

फिल्म निर्माता ने बताया कि शाहरुख खान फिल्म का पॉपुलर डायरी वाला सीन शूट कर रहे थे. हालांकि, इसे अलग तरह से फिल्माया गया था, जिसे बाद में हटा दिया गया और उन्होंने इसे एक रेलवे स्टेशन पर फिर से शूट किया. एक सीन की शूटिंग के बाद, एक्टर को एहसास हुआ कि वह शूटिंग जारी नहीं रख पाएंगे और उन्हें तुरंत मेडिकल हेल्प की जरूरत है. निखिल ने कहा, उन्होंने एक सीन करने के बाद हमें फोन किया और कहा कि यार मेरे से नहीं होगा आप लोग एक काम करो. मैं सलमान को फोन करता हूं, सलमान के साथ बना दो.

शाहरुख को मिला था 6 महीने का बेडरेस्ट

शाहरुख खान ने इतना बड़ा फैसला लिया क्योंकि, उनकी बैक इंजरी काफी ज्यादा बढ़ गई थी. उन्हें तुरंत जर्मनी जाना पड़ा और सर्जरी करानी पड़ी. शाहरुख को अपनी बैक इंजरी से रिकवर होने के लिए 6 महीने का रेस्ट बोला गया था. ऐसे में शाहरुख को लगा कि मेकर्स इंतजार नहीं करेंगे. लेकिन जब निखिल और करण जौहर ने फैसला किया कि वो शाहरुख के ठीक होने का इंतजार करेंगे.

कौन हैं नरगिस फाखरी की बहन आलिया? जिसने अमेरिका में एक्स बॉयफ्रेंड को जिंदा जला दिया

रणबीर कपूर की को-स्टार नरगिस फाखरी अचानक से लोगों के बीच चर्चा में आ गई हैं, इसकी वजह वो खुद नहीं बल्कि उनकी बहन आलिया फाखरी हैं. दरअसल, खबर आ रही है कि आलिया को न्यूयॉर्क पुलिस ने हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है, हालांकि अभी तक उनके आरोप साबित नहीं हुए है लेकिन फिलहाल वो रिमांड पर हैं और उनके केस में 9 दिसंबर को सुनवाई की जाएगी. आइए जानें आखिर आलिया हैं कौन ?

नरगिस फाखरी की बहन आलिया न्यूयॉर्क के क्वींस में रहती हैं. मिल रही जानकारी के मुताबिक, 43 साल की आलिया 35 साल के एडवर्ड जैकब्स नाम के व्यक्ति के साथ रिश्ते में थीं, लेकिन पिछले साल ही दोनों एक-दूसरे से अलग हो गए. आलिया और नरगिस के परिवार की बात करें तो, उनके माता-पिता उनके बचपन में ही अलग हो गए थे. उनके पिता का नाम मोहम्मद फाखरी था जो कि एक पाकिस्तानी थे, वहीं उनकी मां मैरी चेक रिपब्लिक की हैं.

आलिया को है ड्रग्स की लत

माता-पिता के तलाक हो जाने के कुछ वक्त बाद ही नरगिस और आलिया के पिता की डेथ हो गई. आलिया पर हाल ही में लगे आरोपों के बारे में जब उनकी मां से बात की गई तो उन्होंने कहा मुझे भरोसा ही नहीं हो रहा है कि आलिया किसी की हत्या कर सकती हैं, आलिया एक ऐसी इंसान थी जो सभी की परवाह करती थी और सभी की मदद करने की कोशिश करती थी. उन्होंने खुलासा करते हुए बताया कि आलिया कुछ वक्त पहले से दांतों की परेशानी से जूझ रही है, जिसके बाद से ही उन्हें ओपियोइड (ड्रग्स) की लत लग गई थी.

क्या है हत्या का पूरा मामला ?

आलिया पर लगे आरोप के मुताबिक, 2 नवंबर को आलिया जैकब्स के गैराज पहुंची, जहां उन्होंने चिल्लाते हुए कहा कि आज तुम सब मरने वाले हो. जैकब्स गैराज में अपनी दोस्त अनास्तासिया एटिएन सो रही थी. धमकी देते हुए आलिया को उनके एक पड़ोसी ने देख लिया था, उसने कोर्ट में बताया कि इतना कहने के बाद उसने दो मंजिला गैराज में आग लगा दी. जैकब्स की मां ने कोर्ट के सामने बताया कि जैकब्स और आलिया का रिश्ता एक साल पहले खत्म हो गया था, लेकिन आलिया इस बाद को बर्दाश्त नहीं कर पा रही थी. अभी तक इस मामले में नरगिस का कोई भी बयान सामने नहीं आया है.